

इस विशेष आवरण को संत शिरोमणि दिगम्बरार्च्य श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज के 50वां मयम स्मरण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री दिगम्बर जैन आचार्य ज्ञानसागर जी समाधि, नसीराबाद (राजस्थान) के माध्यम से दिनांक 17-07-2018 को भारतीय डाक विभाग के राजस्थान डाक परिमण्डल शाखा द्वारा 5/- रुपये में जारी किया गया।



संकलन - मुनिजी अभयसागरजी, प्रभातसागरजी एवं पूज्यसागरजी महाराज

इस तरह की और भी जानकारी इस लिंक पर देख व पढ़ सकते हैं - knowledge.sanskarsagar.org

दि. वार तिथि नक्षत्र सितम्बर 2019 (आश्विन कृष्ण)

16	सोमवार	द्वितीया	पूर्वाषाढ
17	मंगलवार	तृतीया	अश्विनी दि/रा
18	बुधवार	चतुर्थी	अश्विनी
19	गुरुवार	पंचमी	श्रवण
20	शुक्रवार	षष्ठी	धनिष्ठा
21	शनिवार	सप्तमी	रोहिणी
22	रविवार	अष्टमी	मृगशिरा
23	सोमवार	नवमी	आर्द्रा
24	मंगलवार	दशमी	पुनर्वसु
25	बुधवार	एकादशी	पुष्य
26	गुरुवार	द्वादशी / त्रयोदशी	आश्लेषा-मघा
27	शुक्रवार	चतुर्दशी	पूर्वाफाल्गुनी
28	शनिवार	अमावस	उत्तराफाल्गुनी

(आश्विन शुक्ल)

29	रविवार	प्रतिपदा	हस्त
30	सोमवार	द्वितीया	चित्रा

(अक्टूबर 2019)

1	मंगलवार	तृतीया	स्वाति
2	बुधवार	चतुर्थी	विशाखा
3	गुरुवार	पंचमी	अनुराधा
4	शुक्रवार	षष्ठी	ज्येष्ठा
5	शनिवार	सप्तमी	मूल
6	रविवार	अष्टमी	पूर्वाषाढ
7	सोमवार	नवमी	उत्तराषाढ
8	मंगलवार	दशमी	श्रवण
9	बुधवार	एकादशी	धनिष्ठा
10	गुरुवार	द्वादशी	शतभिषा
11	शुक्रवार	त्रयोदशी	पूर्वाभाद्रपद
12	शनिवार	चतुर्दशी	उत्तराभाद्रपद
13	रविवार	पूर्णिमा	उत्तराभाद्रपद

(कार्तिक कृष्ण)

14	सोमवार	प्रतिपदा	रेवती
15	मंगलवार	द्वितीया	अश्विनी

तीर्थकर कल्याणक

16	सितम्बर:	भगवान नमिनाथ गर्भ कल्याणक
29	सितम्बर:	भगवान नमिनाथ ज्ञान कल्याणक
06	अक्टूबर:	भगवान शीतलनाथ मोक्ष कल्याणक
14	अक्टूबर:	भगवान अमरनाथ गर्भ कल्याणक

माह के प्रमुख वत

20	सितम्बर:	मुक्तावली
21	सितम्बर:	रोहिणी व्रत
26	सितम्बर:	मुक्तावली
01	अक्टूबर:	मुक्तावली व्रत
13	अक्टूबर:	शरद पूर्णिमा

सर्वार्थ सिद्धि

17	सितम्बर:	06/17 बजे से 30/18 बजे तक
21	सितम्बर:	06/18 बजे से 11/23 बजे तक
29	सितम्बर:	06/21 बजे से 19/08 बजे तक
02	अक्टूबर:	12/52 बजे से 30/22 बजे तक
03	अक्टूबर:	06/22 बजे से 12/11 बजे तक
06	अक्टूबर:	15/05 बजे से 30/24 बजे तक
07	अक्टूबर:	17/28 बजे से 30/24 बजे तक
13	अक्टूबर:	06/26 बजे से 07/54 बजे तक
15	अक्टूबर:	06/27 बजे से 12/31 बजे तक

शुभ मुहूर्त

दुकान प्रारंभ :	सितम्बर-21,22,29 अक्टूबर-3,13,14
वाहन क्रय :	सितम्बर-30 अक्टूबर-2,3,7,9,10,13
मशीनरी प्रारंभ :	सितम्बर-29 अक्टूबर-3,4
विद्यार्थी मुहूर्त :	सितम्बर-29 अक्टूबर-3,11



प्रश्नोत्तरी विशेषांक

संस्कार सागर

• वर्ष : 22 • अंक : 245 • सितम्बर 2019

• वीर नि.संवत् 2545 • विक्रम सं. 2074 • शक सं. 1939

लेख

- धन के कारण भाई बहन के प्रेम में दरार 11
- प्रवचन - विवाह संस्कार कैसे हो 21
- जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंच 23
- पर्युषण पर्व की व्यापकता
दशलक्षण पर्व पर्युषण पर विशेष 78
- जैन व्यक्तित्व श्री वीरचंद राघव जी गाँधी 88
- सिर दर्द, सभी कुछ अस्त व्यस्त 91

बाल कहानी

- मैं प्रसन्न हूँ 90

कविता

- वहम 08
- मजबूरी 09
- पर्वराज पर्युषण प्यारा 10
- संदेश 82

कहानी

- अभागी जूली 83

विशेष सूचना :

संस्कार सागर के सदस्यों के लिये विशेष अवसर

नियमित स्तंभ

- पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 7 • संयम स्वास्थ्य योग : 8
- चलो देखें यात्रा : 9 • आगम दर्शन : 10 • पुराण प्रेरणा : 13 • माथा पच्ची : 13
- कैरियर गाइड : 14 • दुनिया भर की बातें : 15 • इसे भी जानिये : 19
- दिशा बोध : 20 • आओसीखें : जैन न्याय : 80 • हमारे गौरव : 87
- डाकटिकटों पर जैन इतिहास : 88 • बाल संस्कार डेस्क : 90 • हास्य तरंग : 92
- संस्कार गीत व बाल कविता : 93 • समाचार : 94

प्रतियोगिताएं

: अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : 95 : वर्ग पहेली : 98

प्रेरणा - परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री
विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
ऐलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर-89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़-94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर-9826548159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर-95425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस-9575634441
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली-9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली-94128 89449
ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर-8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर-97938 21108
अभिनदन सांघेलीय, पाटन-9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल-9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, सादूमल-9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर - 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर-9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

* आंतरिक सज्जा *
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

- लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
- कथा-साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होते हैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
- पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

• श्री दिगम्बर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंच बालयति मंदिर, ए.बी. रोड़, इन्दौर-10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी-1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का
बाकी सदस्यता शुल्क
जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते
की स्लिप पर छपा है, अविलंब भेजकर
सहयोग करें। बकाया राशि में त्रुटि हो
तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।

सदस्यता शुल्क
-आजीवन : **2100/-** (15 साल)
परम संरक्षक : **15000/-**

अपने शहर के
• स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (संस्कार सागर)
खाता क्र. 63000704338 (IFSC: SBIN0030463)
• भारतीय स्टेट बैंक (ब्र. जिनेश मलैया)
खाता क्र. 30682289751 (IFSC: SBIN0011763)
• ओरिएन्टल बैंक ऑफ कामर्स
खाता क्र. 07882151004198 (IFSC: ORBC0100788)
• आईडीबीआई बैंक (श्री दिगंबर जैन युवक संघ)
खाता क्र. 155104000037022
• आईसीआईसीआय बैंक (श्री दिगम्बर जैन युवक संघ)
खाता क्र. 004105013575 (IFSC: ICIC0000041)
में भी अपने पूर्ण पते सहित राशि जमा कर
हमारे कार्यालय को सूचित कर सकते हैं।

**कार्यालय
संस्कार सागर**
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर,
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड़, इन्दौर-10
फोन नं. : 0731-2571851, 4003506
मो. : 89895-05108, 8717924109
website : www.sanskarsagar.org
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in



• सम्पादक महोदय, विगत दिनों धनबाद के स्वास्थ्य केन्द्र के एक महिला चिकित्सक ने सोनोग्राफी करके यह बताया कि गर्भ में बेटी है, लेकिन बनने वाली माँ ने बेटी के प्रति भी अपनी ममता उड़ेल दी और कहा मुझे बेटी भी स्वीकार है। बेटी कोई खराब नहीं होती है मैं गर्भपात नहीं करूँगी। बनने वाली माँ के आगे किसी की नहीं चली और गर्भपात जैसे जघन्य कृत्य से बच गई परन्तु तब उसकी डिलेवरी हुई तो बेटे ने जन्म दिया तब चिकित्सक सीमा मोदी को शर्म सार होना पड़ा और यह समाचार सभी अखबारों में प्रकाशित हुआ। मेरा सोच है कि चंद मुद्राओं के लालच में चिकित्सक अपवित्र कार्य को प्रोत्साहन न दें तो अच्छा होगा।

इंजी. अजित जैन (हैदराबाद)

• सम्पादक महोदय, विगत जुलाई के माह में आदरणीय विद्वान डॉ. सुनील संचय का लेख पढ़ा क्या हम शिक्षा के पावन उद्देश्य से इतने भटक चुके हैं, इस बात का बोध लेखक ने बाखूबी कराया है। शिक्षा का उद्देश्य मुक्ति का मार्ग बताना है। किंतु वर्तमान में शिक्षा सिर्फ बस्ते को बढ़ा करने में लगी है जिसका परिणाम यह होता है संस्कार शून्य शिक्षा मात्र नौकरी के लिये होती है। यर्थाथ यह है कि ऐसी शिक्षा से विनय और पात्रता पैदा नहीं हो पाती है। क्योंकि वर्तमान शिक्षा में मात्र अंकों का गणितीय आंकलन होता है, शिक्षा का नहीं। अतः शिक्षा की सही दिशा तय करना अभी भी बाकी है।

अमित जैन (इन्दौर)

• सम्पादक महोदय, माबलिचिंग के

माध्यम से किसी की भी जान ले लेती है। यह तत्काल न्याय की प्रक्रिया आतंकवाद की जमीन तैयार करती है। न्याय का सिद्धांत होता है कि जिसने अपराध किया

है उसका पक्ष भी सुना जाये। लेकिन भीड़ तो दूसरा पक्ष सुनना उचित ही नहीं समझती है। किंतु वह तो सिर्फ दंड देना जानती है। जिससे कई बार भ्रम के कारण निरापराधी लोग भी हिंसा के शिकार हो जाते हैं। न्याय का एक दूसरा सिद्धांत यह भी है कि सौ अपराधी बच जायें परन्तु एक निरापराधी को सजा नहीं मिलनी चाहिये। भीड़ में इस सिद्धांत की जमकर अवहेलना होती है। अतः भीड़ को कानून अपने हाथ में लेना का कोई अधिकार नहीं है।

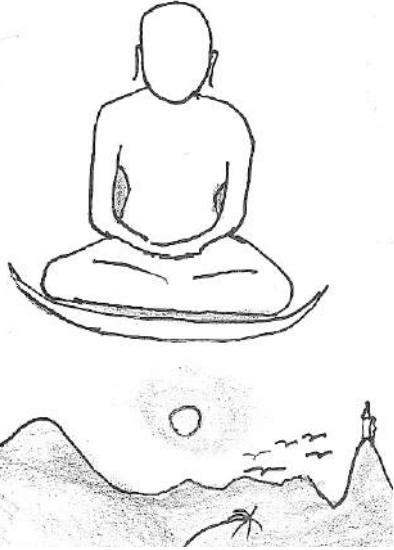
श्रीमति अनिता जैन (इन्दौर)

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के अगस्त अंक जब मैं पढ़ रहा था तब मेरी दृष्टि एक आलेख पर पड़ी जिसका शीर्षक था उच्चकोटि के विद्वान पुनः तैयार करें। स्वर्गीय विद्वान नाथूलाल शास्त्री की इच्छा रही कि अनेकान्त, स्याद्वाद, तप, त्याग, क्षमा और अहिंसा की उत्कृष्ट भावना से भरपूर श्रमण संस्कृति की यदि रक्षा करना है तो उच्चकोटि के विद्वान जैन समाज को पुनः तैयार करने के लिये कटिबद्ध संकल्प युक्त प्रयास अवश्य करना होगा इस दिशा में मुनि श्री सुधासागर जी ने सराहनीय प्रयास किया है। किन्तु ऐसे प्रयास संत और श्रावक श्रेष्ठी दोनों ओर से होना चाहिये यह आलेख समाज को सचेत करने और सही दिशा और गति देने में सक्षम है।

राजकुमार जैन (टीकमगढ़)

भक्ति तरंग

वो ही सच्चा ज्ञाता



ज्ञाता सोई सच्चा वे, जिन आतम अच्छा वे
ज्ञान ध्यान में सावधान है, विषय भोग कच्चा वे
मिथ्या कथन सुननिको बहिरा, जैन वैन में सच्चा वे
मूढ़ निसेती मुख नहीं बोलै, प्रभु के आगे नच्चा वे
द्यानत धरमीकौ यों चाहै, गाय चहै ज्यों बच्चा वे

वह ही सच्चा ज्ञाता सुशोभित होता है जिसने अपनी आत्मा की स्व की पूजा की है उसका सम्मान किया है उसको जाना है।

वह ज्ञान और ध्यान में पूरा सचेत है, सावधान है। किन्तु विषय भोग आदि में कच्चा है अर्थात् उनके प्रति विरक्त-उदासीन है।

वह मिथ्या कथन सुनने के लिये बहरे के समान है अर्थात् सुनकर भी नहीं सुनता है। परन्तु जिनवाणी सुनने में वह अत्यन्त उत्सुक और तत्पर है।

मूर्खों के आगे वह कुछ भी नहीं बोलता मौन रहता है। परन्तु प्रभु के सन्मुख वह नृत्य करता है। नाचता है।

द्यानतराय कहते हैं कि वह धर्मात्मा के प्रति साधर्मी भ्रातृत्व भाव, वात्सल्य भाव रखता है- प्रेम रखता है, जैसे कि गाय अपने बच्चे के प्रति वात्सल्य भाव रखती है।



जैन जनगणना 2021: चुनौतियाँ

भारत देश में हर 10 वर्ष में राष्ट्रीय जनगणना का कार्यक्रम एक माह तक चलता है। प्रायः फरवरी का माह जनगणना के लिये सुनिश्चित रहता है इस बार भी 2021 में फरवरी के माह में जनगणना होगी जैन समाज की राष्ट्रीय संस्थाएँ सदैव जैनो की जनसंख्या 1 करोड़ होने का दावा करती रही है, किन्तु जनगणना उपरांत अभी तक जैनो की संख्या एक करोड़ नहीं हो पाई। शायद शासकीय आँकड़ों में जैनो की संख्या कम होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि जनगणना प्रपत्र में नम्बर का कॉलम धर्म का है सन् 1872 से सन् 2011 तक 15 बार राष्ट्रीय जनगणना हुई 1872 में जैनो की संख्या 12.21% होती थी किन्तु अभी तक यह संख्या कोई 1 करोड़ का आंकड़ा नहीं कर पाई जबकि भारत की जनसंख्या उस समय थी और जैनो की जनसंख्या अकबर के समय 1 करोड़ थी तब यह प्रश्न पैदा होता है कि आज भारत की जनसंख्या 132 करोड़ हो चुकी है। तब भी जैनो की संख्या 1 करोड़ नहीं हो पा रही है। बल्कि 2011 में 44.51 लाख रह गई थी जैन धर्मालंबी अपनी संख्या कम होने का दोष सरकारी तंत्र पर थोपते हैं। वे अपनी जागरूकता के अभाव को इन आँकड़ों की कमी का कारण नहीं मानते हैं।

2015 में मुनि प्रमाण सागर जी के नेतृत्व में जब संलेखना, संथारा आंदोलन में 76 लाख लोगो ने भाग लिया तब एक आशा की किरण जगी कि जैनो की संख्या भारत देश में निश्चित तौर पर 1 करोड़ से अधिक है परंतु सबसे बड़ी चुनौती यह है क्या जैन समाज के जागरूक वर्ग ने जनगणना के समय अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए समस्त जैन समाज को पंथ, संत, जातिवाद से ऊपर उठाकर जैन धर्म की पहचान मिटने से बचाने का प्रयास किया ? यदि हाँ तो अभी से इस दिशा में हमें कार्य प्रारंभ करना होगा, संगठनात्मक रूप से 1 अभियान चलाना होगा कि अब हम न चूकें और धर्म के छठवें कॉलम में जैन लिखाने का हर परिवार तक संदेश भेजे क्योंकि इस बार यदि चूक हुई तो जनगणना प्रपत्र से अगली बार की जनगणना में धर्म के कॉलम से जैन शब्द ही हट सकता है। और फिर हमारे मंदिर और मूर्तियों की उत्सवों की सार्थकता आयोजनों की उपयोगिता कोई मायना नहीं रखेगी। हम अपने धन और शक्ति को जितना आयोजनों में लगा रहे हैं, उन आयोजन के माध्यम से यदि यह बात प्रसारित कर दी जाये कि जैनियों के लिये 2021 फरवरी का महिना जीवन मरण जैसा प्रश्न है। हम अपने अहिंसा सत्य विश्वशांति विश्वमैत्री सह अस्तित्व जैसी मानवताओं का संचार करने वाले जैन धर्म को जनगणना में आनुपातिक सिद्ध नहीं कर पाये तो निश्चित तौर पर हम कैसे गर्व से कह पायेंगे कि हम जैन हैं।

उठो जागो और गर्व से कहो हम जैन हैं। जैन कभी पतित नहीं होता है। जैन कभी तिरस्कृत नहीं हुआ है। भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष जाने के बाद से आज तक जैन धर्म की पताका गगनचुंबी रही है। जैन धर्म अनुयायियों ने अपने बुद्धि बल, धनबल, समरसता की भावनाओं से देश के सभी वर्गों को अपनाया है। लेकिन वर्तमान समय में सरकारी आँकड़ों में घटती जनसंख्या हमारे अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस चुनौती का सामना हर जैन को जागरूकता के साथ, एकता के साथ, बड़े सोच के साथ करना होगा।

हम आपस के मतभेदों को भुलाकर जातिपंथ से ऊपर उठकर मात्र एक परिचय देने में अपनी शक्ति को स्थापित करें और 2021 की जनगणना में धर्म के कॉलम में जैन लिखकर भगवान महावीर के प्रति सच्ची श्रद्धांजली समर्पित करें।



अंशम स्वास्थ्य योग

पेशाब रुकना

धनिया: - हरे धनिया की पत्तियों का रस दो तोले ओर एक तोला शक्कर मिलाकर दें। यदि एक बार देने से कोई लाभ न हो तो दुबारा दें।

दूध: - गर्म दूध में गुड़ मिलाकर पीने से मूत्राशय के रोगों में लाभ होता है। पेशाब साफ और खुलकर आता है। रूकावट दूर होती है। यह नित्य, एक गिलास दो बार पीये।

नींबू: - नींबू के बीजों को पीसकर नाभि पर रखकर ठंडा पानी डालें। इससे रूका हुआ पेशाब होने लगता है।

जीरा: - जीरा और चीनी दोनों को समान मात्रा में पीसकर दो चम्मच तीन बार फंकी लेने से रूका हुआ पेशाब भी खुल जाता है।

नारियल: - नारियल मूत्र साफ करता है यह नित्य दो बार 50 ग्राम खाएँ।

ककड़ी: - ककड़ी का रस लेने से मूत्र अधिक बनता है तथा मूत्र अधिक मात्रा में आता है। खरबूजा भी मूत्र अधिक लाता है।

केला: - केले के तने का रस चार चम्मच, घी दो चम्मच मिलाकर नित्य दो बार पिलाने से बंद हुआ पेशाब खुलकर आता है यह मूत्राघात का उत्तम नुस्खा है। इस रस में मिला हुआ घी पेट में नहीं ठहर सकता। पेशाब शीघ्र आ जाता है।

चावल: - आधा गिलास चावल के मांड में चीना मिलाकर दो बार पिलाएं। पेशाब की रूकावट दूर हो जायेगी।

कविता

वहम

यों ही वहम सताता न कोई आता जाता,
दरवाजे पर टिकी है मेरी नजर अकेली,
नटखट क्यों कोई करता बन जाती है पहेली,
न रात नींद आती न चैन रात पाता,
न भूख लगती तन में न प्यास अब सताती,
हर पल ही धड़कनों में मासूसी क्यों है छाती,
होना जो वो ही होगा अनहोनी न कोई होगी,
क्यों कल की बात सोचें कल तो हमें रूलाये,
जो जी लें आज में हम अपने में डूब जायें,
खुशियाँ मिलेंगी हर दम गम कोई न सताता,
सच को समझ लें थोड़ा मिटता वहम हँसाता ॥

चलो देखें यात्रा

समुद्रतटीय तीर्थ घोघा

गुजरात प्रदेश के भावनगर जिले में समुद्र तट पर घोघा एक धनी मानी लोगों का श्रेष्ठ नगर रहा है। इस नगरी में प्रकृति के प्रकोपों से एवं आताताइयों के आतंक से पीड़ित होकर जैनियों ने पलायन कर दिया है, धीरे-धीरे यह नगरी जैनो से खाली हो गई यहाँ पर तीन जिनालय अतिमुन्दर समुद्र से मात्र 1 किमी की दूरी पर तीन जिनालय का समूह है। इन जिनालयों में एक अष्टधातु का विशाल सहस्रकूट जिनालय है जिसे देखते ही मन यह कह देता है कि जैनो का एक समय इतिहास चरम पर रहा होगा। कला की सुन्दरता देखते ही बनती है तथा आंखों के सामने दृश्य घूमने लगता है जब श्रीपाल समुद्र से तैरते हुए घोघा तट पर आये और उन्होंने सहस्रकूट जिनालय के दर्शन किये। संभवतः यह सहस्रकूट जिनालय अति प्राचीन होगा। इसी तीर्थ पर तीन जिनालय हैं जिनमें दिगम्बर जैन जिनालय अति प्राचीन और कला की दृष्टि से अनुपम है तथा इस जिनालय के पार्श्व भाग में श्वेताम्बर मंदिर भी है तथा अटेच कमरे भी हैं इस तीर्थ पर श्वेताम्बर जैन समाज की भोजनशाला है घोघा से 20 किमी दूर रेलवे स्टेशन है तथा इतनी ही दूरी पर बस स्टैण्ड भी है तथा यहाँ पर एक एलोपैथी चिकित्सालय भी है। यह तीर्थ मैदानी क्षेत्र में है जो यात्री एक बार भी यहाँ की प्राकृतिक छटा को देख लेता है वह बार-बार इस तीर्थ की यात्रा करने आता है। भावनगर, सोनगढ़, पालिताना इस तीर्थ के निकटतम वन्दनीय तीर्थ हैं। एक बार आप भी यात्रा अवश्य करें। इस तीर्थ की प्रबंध समिति आपके स्वागत की प्रतिक्षा कर रही है आप अपनी तीर्थयात्रा की योजना में घोघा को जरूर सम्मिलित करें।

कविता

मजबूरी

रोज सुबह होती है सूरज की किरणें आती हैं।
सागर के गहरे पानी को लहरों को छू जाती हैं।
कलियों को छूती मुस्काती माँ की ममता की वो छाती हैं।
नयनों के भीगे आँसू को सूरज की किरण सुखाती है।
ममता के आँचल में पलता शैशव अँगडाता इठलाता।
आँसू को नन्हें हाथों से गीला करता सहमा जाता।
ये रोज की यूँ ही कहानी है घर में न दाना पानी है।
कैसे बेटे का पेट भरे माँ की चिन्ता हैरानी है।
है हाय गरीबी मजबूरी ब्यसनों में मिटा डाला घर को।
ये हाय नशा की शैतानी अबला का आँचल सूख गया।
श्वांसे भी अब दम तोड़ रही ये सूरज की किरणें छू करके।
दामन अब अबला को छोड़ रही अब आस प्रभु की केवल है।
अबला की लाज बचा लेना दुनियाँ भी तमासा देख रही, अब कौन यहाँ इस माँ का है।





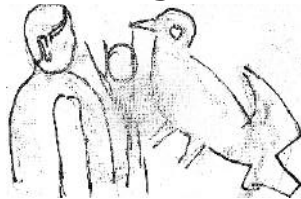
सिद्धान्त संवाहक टीका सर्वार्थ सिद्धि

तत्त्वार्थ जैसे महान ग्रंथ की प्रथम टीका आचार्य पूज्यपाद (देवनंदी) जी ने सर्वार्थ सिद्धि के नाम से सृजित की। आचार्य पूज्यपाद लब्धप्रतिष्ठ तत्त्व दृष्टा शास्त्रकार प्रतिभा सम्पन्न विद्वान् थे। आदिपुराण में आचार्य जिनसेन ने आपको कवियों में तीर्थकर माना है। ज्ञानार्णव योग ग्रंथ में कहा है जिनकी शास्त्र पद्धति प्राणियों के शरीर मन वचन में मल को दूर करने में समर्थ उन पूज्य पादाचार्य को मैं प्रणाम करता हूँ। आचार्य गुणनंदी ने जैनेन्द्र प्रक्रिया में कहा है जिन्होंने लक्षण शास्त्र की रचना की मैं उन्हें प्रणाम करता हूँ इस तरह से अनेक आचार्यों ने आचार्य पूज्यपाद की स्तुति की है। आचार्य पूज्यपाद का काल 5वीं शती के पूर्वार्ध माना गया है। आचार्य श्री की रचना संसार इस प्रकार है सर्वार्थ सिद्धि, समाधि तंत्र, इष्टोपदेश, जैनेन्द्र व्याकरण, दश भक्ति सार संग्रह चिकित्सा शास्त्र जैनाभिषेक प्रमुख है।

सर्वार्थसिद्धि ग्रंथ तत्त्वार्थ सूत्र पर आधारित एक लक्षण सिद्ध करने वाली टीका है। तत्त्वार्थ सूत्र ग्रंथ गत 357 सूत्र और 10 अध्यायों का अनुकरण करके टीका लिखी गई। सामान्य विषय तो तत्त्वार्थ सूत्र के समान है विशेष विषय जैसा प्रथम अध्याय के 8वें सूत्र में सत् संख्या क्षेत्र स्पर्शन कालान्तर भाव अल्पबहुत्व जैसे विषय को षड्विंशतम ग्रंथ की 6 पुस्तकों का सार भाग इस सूत्र में की टीका में समावेशित किया गया है। तत्त्वार्थ के लाक्षणिक शब्दों के लक्षण सरल सुबोध शैली में प्रस्तुत किये गये हैं। यह ग्रंथ वृत्ति प्रधान ग्रंथ है। अपने विषय की यह इतनी सुन्दर रचना है कि इसकी तुलना में आज तक कोई ग्रंथ सामने नहीं आया है। इस ग्रंथ की लोकप्रियता इतनी है कि इसे जैन सिद्धांत का अद्वितीय ग्रंथ कहा जा सकता है।

कविता

पर्वराज पर्युषण प्यारा



पर्वराज पर्युषण प्यारा होली दिवाली से ये न्यारा

क्षमा मार्दव आर्जव मय है शौच सत्य की इसमें लय है संयम तप अरु त्याग धर्म है,
अकिञ्चन्य अरु ब्रह्मचारी है मानवता का सच्चा नारा।
आत्म तत्त्व का बोध जगाये अमर सत्य का ज्ञान कराये
दोष निकाले गुण उपजायें दया धर्म का बीज उगाये
पहचानो चेतन की धारा। अंतर मन के पाप हरो सब
निज अमृत का पान करो अब डूबो मत रे डुबकी लगाओ
आनंद सागर में रम जाओ विषय भोग का स्वाद है खारा।

धन के कारण भाई बहन के प्रेम में दार

✽ आर्थिका 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ✽

संसार के सभी रिश्ते प्यार के हैं। रिश्ते में यदि प्यार नहीं तो रिश्ते भी कष्ट का कारण। रक्षाबंधन का त्यौहार भाई बहन के प्रेम का प्रतीक है। दूर रहकर पवित्र प्रेम की डोरी से बंधे रहते हैं। भाई की कला पर रक्षा का सूत्र बांधती है। सूत्र तो एक बहाना है, भाई भूल न जाये बुलाना, साल में एक बार जरूर पीहर आना इसलिये, रक्षाबंधन मनाना।

सामाजिक पर्वों में रक्षाबंधन प्रमुख स्थान है। किन्तु आज रक्षाबंधन प्रेम का त्यौहार न होकर व्यापार हो गया है। यदि भाई के पास पैसा ज्यादा है तो बहन बहुत खुश रहती है यदि नहीं तो प्रेम भावना उस स्तर पर नहीं होती, जिस पर होना चाहिये।

सरकार ने लड़का लड़की के भेद को मिटाने के लिये एक कानून बनाया है कि पिता की संपत्ति से लड़का और लड़की बराबर के हिस्सेदार हैं। इस कानून ने लाखों केस तैयार कर दिये। अर्थात् भाई हक देने को तैयार नहीं और बहन का दिमाग सम्पत्ति पर अटका है। ऐसी स्थिति में भाई बहन का प्यार घटता जा रहा है। स्थिति यहां तक है कि बोलचाल भी बंद हो गये। मामा बुआ का रिश्ता आने वाली पीढ़ी क्या समझेगी।

कहा जाता है लड़की की ससुराल ही उसका घर होता है। जो नियम पहले से आ रहे हैं उस हिसाब से कहीं कोई दिक्कत नहीं है। लड़की को स्वयं ही समझदारी से ऐसे कार्य करना चाहिये जिससे प्रेम कम हो और मायका छूट जाये। धन ही सब कुछ नहीं जीवन में। यदि भावना से प्रेम होगा तो धीरे धीरे वहीं स्वयं दे देगा। और उसे नहीं देना है और जबरदस्ती ले भी ले तो, रिश्तों के टूटने पर वह धन के भोग में आनंद नहीं आयेगा।

कई बार पत्नि नहीं चाहती कि वह पैसे के लिये कहे किन्तु पतिदेव पत्नी को प्रेरित करते हैं, प्रताड़ित करते हैं कि हिस्सा लो। ऐसी स्थिति में एकदम पति की आज्ञा और दूसरी ओर भाई का प्रेम किसे जोड़े और किसे तोड़े। नारी उस समय परेशान हो जाती है।

नारी को धरती की उपमा दी गई। स्त्री यदि अपनी सहशीलता छोड़े दे तो आज घर में नरक नजर आयेगा। नारी पति की सुनती है बच्चों की सुनती है। सास ससुर और सभी की सुनकर सहनकर मुस्कुरा कर रहती है। जब वह सबकी सुनती है तो ससुराल पक्ष का भाई से धन लेने के प्रति दबाव नहीं बनाना चाहिये। और भाई बहन के पवित्र रिश्ते को अनवरत चलने देना चाहिये।

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता अगस्त 2019 मैं फूलों की रानी

प्रथम-

पकड़ न पाये कोई मुझे मैं हूँ ऐसी अलबेली
फूल फूल पर घूमा करती मैं तो सदा अकेली
रंग बिरंगे पंख हैं मेरे मेरी अजब है शानी
कल्पतरु पर विचरा करती मैं फूलों की रानी
श्रीमति रजनी जैन (राहतगढ़)

द्वितीय-

मैं छोटी सी रंग बिरंगी नहीं मेरी जान
जीने का अधिकार मुझे हैं करते क्यों परेशान

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा
जुलाई 2019 के विजेता

प्रथम : श्रीमति अंशु शाह (सागर)

द्वितीय : विनयचंद जैन (विदिशा)

तृतीय : शशीप्रभा लुहाड़िया (इन्दौर)

सुख दुख मेरा साथी बनता मेरी अलग कहानी
फूल फूल का रस पीती हूँ मैं फूलों की रानी
प्रियंका जैन (कंदपुर)

तृतीय-

हवा दवा सब बिगड़ चुकी है मौसम भी
तो बदल चुका है,
चारों ओर प्रदूषण भारी आसमान भी जरा
झुका है,
व्यसन वासना और लालसा मानव की ये
सब नादानी,
मारी मारी अब फिरती हूँ मैं फूलों की रानी
श्रीमति रूचि जैन (सागर)

वर्ग पहेली क्र. 240
जुलाई 2019 के विजेता

प्रथम : श्रीमति रजनी विमलचंद जैन (मलकापुर)

द्वितीय : श्रीमति निर्मला जैन (कोटा) राजस्थान

तृतीय : श्रीमति कमला जैन (खरगोन)

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : अगस्त 2019 का हल

01. धर्म	18. मन	35. धर्म
02. निर्दोष	19. फल	36. हीरा
03. जागरण	20. निष्फल	37. चन्दन वृक्ष
04. सुखी	21. बीज	38. अहिंसा धर्म
05. धर्म	22. समुद्र	39. धर्म
06. धारण	23. गुरु	40. जड़ चेतन
07. जीवन्त	24. कर्म	41. सम्मोदशिखर
08. चर्या	25. जीना	42. चार
09. आचरण	26. अधर्मात्मा	43. मुनि श्री गुणसागर जी
10. श्रद्धा	27. धार्मिक	44. मुनि श्री श्रुतसागर जी
11. धर्म	28. स्थान	45. सम्राट अमोघवर्ष प्रथम
12. मोह	29. धर्मी	46. 11.05.1975
13. धर्म	30. धर्म	47. कुण्डलपुर
14. मोह धर्म को दबाना चाहता	31. मोक्षमार्ग	48. अजमेर
15. नेकी	32. संसार	49. मदनगंज किशनगढ़ राज.
16. धर्म	33. प्रशस्त	50. कोनीजी
17. जीवन	34. जीवन	



पुराण प्रेरणा

शास्त्र व्यसन

तदेवोपकृतं पुसांयत सद्भावदर्शनम्।

इस प्रकार स्त्री सहित मधुर वचन बोले उस
विद्याधर से मैंने कहा कि जब आप मेरे प्रति इस
तरह शुभ भाव दिखला रहे हैं तब मेरा सब काम
हो चुका। कहिए शुद्ध अभिप्राय को दिखाते
हुए आपने मेरा क्या नहीं किया? मनुष्यों को
जो शुभ भाव दिखाना है वही तो उनका उपकार है।
दृष्टश्रुतानुभूतं हिनवं धृतिकरं नृणाम्।
और हम लोग उसी विद्याधर की कथा करते
हुए चम्पा नगरी में प्रविष्ट हुए सो ठीक ही हैं
क्योंकि देखी-सुनी और अनुभव में आयी
नूतन वस्तु ही मनुष्यों को सुखदायक होती है।
शास्त्रव्यसनमन्येषां व्यसनानां हि बाधकम्
क्योंकि मुझे शास्त्र का व्यसन अधिक था
इसलिए अपनी स्त्री के विषय में मेरी कुछ भी
रूचि नहीं थी सो ठीक ही हैं क्योंकि शास्त्र का

व्यसन अन्य व्यसनो का बाधक है।

अक्षरस्यापि चैकस्य पदार्थस्य पदस्य वा।
दातारं विस्मरन् पापी किं पुनर्धर्मदेशिनम्॥
एक अक्षर, आधे पद अथवा एक पद को भी
देने वाले गुरु को जो भूल जाता है वह भी जब
पापी है तब धर्मोपदेश के दाता को भूल जाने
वाले मनुष्य का तो कहना ही क्या है?

पापकूपे निमग्नो धर्महस्तावलम्बनम्।
दहता कः समोलोके संसारोत्तारिणं नृणाम्॥
जो पापी रूपी कुएँ में डूबे हुए मनुष्यों के लिये
धर्मरूपी, हाथ का सहारा देता है तथा संसार-
सागर से पार करने वाला है उस मनुष्य के
समान संसार में मनुष्यों के बीच दूसरा कौन है।
स्त्रीणां प्रणयकोपस्य प्रणामो हि निवर्त्तकः।
सो ठीक ही है क्योंकि सपत्नी के देखने में
आसक्ति होने से पति के सापराध होने पर भी
हाथ जोड़कर किया हुआ नमस्कार स्त्रियों के
मान को दूर कर देता है।

(आदि पुराण से)

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों को क्रमबद्ध बनाकर
रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. उ आ द् य र् उ वि

--	--	--	--	--	--	--	--

2. आ च् य र् अ आ

--	--	--	--	--	--	--	--

3. अ क्ष् आ व् न् अ ध् न् अ र्

--	--	--	--	--	--	--	--

4. अ अ श् ल अ क् ष् अ ण् द

--	--	--	--	--	--	--	--

5. अ क् अ ल् अ ह् आ र् ण् अ सो

--	--	--	--	--	--	--	--

परिणाम :

जून 2019: (1) आर्यिका श्री गुणमति माताजी (2) आर्यिका श्री शुभ्रमति माताजी
(3) आर्यिका श्री सुनयमति माता जी (4) आर्यिका श्री भावनामति माताजी (5) आर्यिका श्री अनंतमति माताजी

आसमान में मिलते रोजगार

करियर

भारत के नागरिक उड्डयन बाजार के वर्ष 2020 तक दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुँच जाने की उम्मीद है। फिलहाल यह नौवें स्थान पर है। इंडस्ट्री के इस विकास के पीछे कम बजट वाले केरिअर्स आधुनिक हवाई अड्डे विदेशी पूंजी निवेश और उड़ान जैसी योजनाओं के जरिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने जैसे उपाय माने जा रहे हैं।

इस फील्ड में इंजीनियरिंग करने वाले युवा एयर क्राफ्ट मैटेनेंस में करियर बना सकते हैं, जबकि मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स केबिन-क्यू का हिस्सा बन सकते हैं। जिन आर्ट्स कॉमर्स ग्रेजुएट्स और डिप्लोमा होल्डर्स की कम्प्यूटेशन स्किल अच्छी है वे कस्टमर रिलेटेड सर्विस से जुड़ सकते हैं। 12वीं के बाद लड़कियों के लिये एयर होस्टेज या फ्लाइट पर्सन बनने के मौके हैं। जो पायलट बनने का इरादा रखते हैं उन्हें साइंस या मैथ्स से 12वीं करना जरूरी है इसके बाद फ्लाइट क्लब से पायलट लाइसेंस हासिल करना होगा। आप डी.जी.सी.ए की बेबसाइट से मान्यता प्राप्त फ्लाइट स्कूल्स की जानकारी हासिल कर सकते हैं एविएशन सेक्टर में करियर बनाने वालों को सबसे पहले मोटीवेशन और एटीट्यूड की जरूरत होती है। जिसके लिये मैथ्स और फिजिक्स की अच्छी जानकारी होनी चाहिये इसके अलावा तकनीकी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल में दक्षता रखनी होगी। डी.आर.डी.ओ और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठान एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के स्टूडेंट को रिसर्च से जोड़ने के लिये सक्रिय हैं।

उड्डयन क्षेत्र के विकास को देखते हुए यहां एयर ट्रेफिक कंट्रोल एयरपोर्ट एण्ड एयर क्राफ्ट मैकेनिक स्ट्रेस इंजिनियर जैसे प्रोफेशनल्स के अलावा पायलट, एयर होस्टेज, फ्लाइट इंजीनियर नेविगेशन में करियर बनाने के बेशुमार विकल्प हैं। एम.बी.ए., होटल मैनेजमेंट, मास कम्प्यूट निवेशन लॉ और इंजीनियरिंग स्नातक, सेल्स एण्ड ऑपरेशन, एच.आर., मार्केटिंग इंजीनियरिंग आइ टी, सिक्सोरेटी, कैटरिंग, फाइनेंस कम्प्यूटेशन, बिजनेस डेवलपमेंट आदि के एक्सपर्ट के तौर पर जुड़ सकते हैं।

सैलरी- निजी और विदेशी कम्पनियों के एविएशन इंडस्ट्री में आने से यहां के पे-पैकेज काफी आकर्षक हो गया है। एक अनुभवी पायलट को दो से पाँच लाख रुपये तक प्रतिमाह वेतन मिल जाता है। जबकि एयर होस्टेस और अन्य समकक्ष स्टाफ को शुरुआती दौर में ही कम से कम 30 हजार रुपये मासिक सैलरी मिल जाती है।

प्रमुख संस्थान

आइ आइ टी बॉम्बे, मुंबई www.iitb.ac.in

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उद्यान एकेडमी राय बरेली www.igrua.gov.in

राजीव गांधी एविएशन एकेडमी सिंकदराबाद www.rgaviation.com

फ्रैंकफिन मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स दिल्ली www.frankfinnn.com

बढ़ रहे मौके- भारतीय एविएशन इंडस्ट्री करीब 10 से 15 प्रतिशत की दर बढ़ रही है चार्टर्ड एयरोप्लेन ऑपरेटर्स की संख्या में भी 20 से 30 फीसद का इजाफा एयरलाइंस और एयरोप्लेन ऑपरेटर्स की बढ़ती संख्या के कारण ही एक्शिवेशन के विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों काफी नौकरियां उपलब्ध हैं खास कर गेस्ट सर्विसेस में तमाम तरह की नियुक्तियों के अवसर दिये जा रहे हैं। इसी तरह नये एयरपोर्ट के शुरु होने से वहां भी नये मौके बने हैं और आगे भी बनने की संभावना है ऑपरेशंस मैटेनेंस रिपेयर और ऑवर हॉल में कुशल प्रोफेशनल की मांग लगातार बढ़ रही है।



■ 1 जुलाई

- जम्मू कश्मीरवाड़ा में एक मिनी बस खाई में गिरी लोग मरे 17 घायल हुए।

- मुम्बई : 48 घंटे में 54 से.मी. बारिश हुई 10 साल का रिकार्ड टूटा।

- शिवपुरी (म.प्र.) सेना की फायरिंग रेंज में बम के पीतल निकालने के चक्कर में विस्फोट हुआ गाँव मसूदा 3 मरे।

■ 2 जुलाई

- मुम्बई- 24 घंटे में 37.5 सेमी. वर्षा हुई 32 लोगों की मृत्यु हुई।

- हांगकांग की संसद में तोड़फोड़ की चीन ने निंदा की प्रत्यर्पण विधेयक के विरुद्ध प्रदर्शन चल रहा है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाश विजयवर्गीय को नाम बिना लिये चेतावनी दी कि बेटा किसी का हो हद में रहे।

■ 3 जुलाई

- जाने माने उद्योगपति बसंत कुमार बिरला का निधन हुआ वे 98 वर्ष के थे।

- कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी ने चार पेज का इस्तीफा की औपचारिक घोषणा हुई।

- सियालकोट: 72 वर्ष बाद हिन्दू मन्दिर पाक सरकार के निर्देश बाद खुला।

■ 4 जुलाई

- मुम्बई एक अदालत ने राहुल गाँधी को आर.एस.एस की मानहानी के मामले में निजी मुचलके पर जमानत दी।

- कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने पद से इस्तीफा दिया।

- लोकसभा आधार संशोधन बिल पास हुआ।

■ 5 जुलाई

- लोकसभा में निर्मला सीतारमण ने बजट 2019 पेश किया। बजट लाल कपड़े में लपेटकर आया।

- गुजरात के विधायक अल्पेश ठाकुर ने कांग्रेस छोड़ी।

- लंदन : बांग्लादेश को विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान ने हराया। पाकिस्तान फिर भी बाहर हुआ।

■ 6 जुलाई

- गुलाबी नगरी जयपुर को थूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा मिला।

- दक्षिणी कैलिफोर्निया में 7.1 की तीव्रता से भूकम्प आया।

- विश्व कप क्रिकेट लीग में भारत ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया।

■ 7 जुलाई

- कांग्रेस महासचिव ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पद से इस्तीफा दिया तथा मिलिंद देवड़ा एवं युवा कांग्रेस अध्यक्ष के चंद्रयादव ने भी अपने पद से इस्तीफा दिया।

- हरियाणवी नृत्यांगना सपना चौधरी भाजपा में शामिल हुईं।

- ओटावा (कनाडा) प्लास्टिक की बोतलों को रीसाइकिल करके घर बनाया।

■ 8 जुलाई

- संसद में आधार कार्ड का दुरुपयोग करने पर 3 वर्ष की कैद 1 करोड़ रुपये दंड का

प्रावधान वाला विधेयक पारित हुआ।

- जम्मू-कश्मीर पर यू.एन की रिपोर्ट को भारत ने झूठी और दुर्भावना पूर्ण बताया रिपोर्ट में आतंक को अनदेखा किया गया।

आगरा : यमुना एक्सप्रेस पर बस 35 फीट बाहरी खाई में गिरने से हादसा हुआ 29 यात्री मरे।

■ 9 जुलाई

- देशभर के 19 राज्यों के 119 ठिकानों पर सी.बी.आई ने छापा मारे ये छापे भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

- भारत न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच बारिश के कारण रूका न्यूजीलैंड ने 46 ओवर में 211 रन 5 विकेट पर बनाया।

- कर्नाटक विधान सभा के स्पीकर ने काँग्रेस के 13 विधायकों द्वारा दिये गये इस्तीफों में से 8 को अवैध घोषित किया।

■ 10 जुलाई

- भारत विश्वकप से बारह हुआ सेमी फाइनल में न्यूजीलैंड से भारत 18 रन से हारा।

- फाक्सो कानून में बदलाव को कैबिनेट ने मंजूरी दी अब नाबालिगों का यौन शोषण की सजाएँ मौत होगी।

- बालाघाट: जिला मुख्यालय से 80 किमी. दूर देवर बेली इलाके में महिला सहित दो नक्सली मुठभेड़ में ठेर हुये।

■ 11 जुलाई

- लातेहार (झारखंड) मनिका थाना क्षेत्र के सेमराहाट में दो बच्चों के सिर कटे मिले नरबलि की गई। सुनील उरांव के घर में खून और बाहर पूजन सामग्री मिली।

- पाकिस्तान के रहीम खानगार जिले में रेल दुर्घटना हुई 16 लोगों की मौत 80 घायल हुये।

- 22 देशों ने चीन से मुस्लिम नजरबंदी

समाप्त करने का अनुरोध किया।

■ 12 जुलाई

- चेन्नई : 25 लाख लीटर पानी लेकर ट्रेन पहुँची।

- सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के 10 विधायक के इस्तीफे और अयोग्यता के मामले पर यथा स्थिति बनाये रखने का आदेश दिया।

- चीन के जियांगान्सु प्रदेश में ब्रिटेन नागरिक सहित 16 विदेशी नागरिक गिरफ्तार हुए।

■ 13 जुलाई

- बाशिंगटन : रेग्युलेटर फेडरल कमीशन ने गोपनीयता उल्लंघन के मामले के फेसबुक पर 34 हजार करोड़ का जुर्माना लगाया।

- बेंगलुरु : 5 और बागी विधायकों ने सुप्रीम कोर्ट याचिका दायर की।

- साहित्य अकादमी ने अमित पाठक को युवा और ऋषि वशिष्ठ को बाल साहित्य पुरस्कार दिया।

■ 14 जुलाई

- वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड पर विजय प्राप्त कर वर्ल्ड कप जीता।

- पंजाब के मंत्री नवजोत सिद्धू ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

- भाजपा के संगठन महासचिव बी एल संतोष बने उन्होंने रामलाल संघ में गये।

■ 15 जुलाई

- रॉकेट बाहुबली तकनीकी खामी से चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण टला।

- लाहौर : मुम्बई आतंकी हमले का मास्टर माइंड हाफिज सईद को पाक की अदालत ने अग्रिम जमानत दी।

- लोकसभा में एन.आई.ए संशोधन विधेयक 2019 मंजूर / पास हुआ।

■ 16 जुलाई

- मार्क एस्पर को अमेरिका का नया रक्षा मंत्री बनाया। आप खाड़ी युद्ध में हिस्सा ले चुके हैं।

- पटना: बिहार में बाद का कहर जारी रहा 46 लोग मरे।

- मुम्बई : 10 पुरानी चार मंजिला इमारत गिरि 12 लोग मरे। यह घटना दक्षिण मुम्बई डोंगरी इलाके की है।

■ 17 जुलाई

- अंतराष्ट्रीय कोर्ट ने कुलभूषण जाधव की फाँसी सजा पर रोक लगाई पाक से पुनर्विचार करने को कहा।

- मुम्बई हमले के आरोपी हाफिज सईद को गिरफ्तार किया गया।

- राँची : ऋचा भारती के प्रति कुरान की प्रतियाँ बाँटने वाले आदेश को अदालत ने वापिस लिया।

■ 18 जुलाई

- नोएडा : मायावती ने भाई आनंद कुमार एवं भाभी विचित्रकला के कब्जे से 7 एकड़ बेनामी भूखंड जब्त किया।

- टोक्यो : जापान में एक एनिमेशन प्रोडक्शन कम्पनी में आग लगने 24 लोगों की मौत हुई 35 लोग घायल हुये।

- पाकिस्तान पूर्व प्रधानमंत्री शहीद खाकन अब्बासी को गिरफ्तार किया गया।

■ 19 जुलाई

- छपरा (बिहार) : बनियापुर के पिठौरी गाँव स्थित नंदलाल टोले में भीड़ ने पशुचोरी के आरोप में नौशाद कुरैशी राजनूट एवं विदेशीनट को पीट पीटकर हत्या कर दी।

- रामपुर (लखनऊ) : जिला प्रशासन ने विधायक आजम खान को भू-माफिया घोषित किया।

- लखनऊ : सोनभद्र में मारे गये 10 लोगों के परिजनों से मिलने जा रहीं काँग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी को हिरासत में लिया।

■ 20 जुलाई

- दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का निधन हुआ।

- ईरान ने ब्रिटिश जहाज को पकड़ा 18 भारतीय फंसे।

- लाल जी टंडन म.प्र. के तथा आनंदी बेन उ.प्र. के तथा बिहार के फागू चौहान राज्यपाल नियुक्त हुये।

■ 21 जुलाई

- पूर्व सांसद मार्क्सवादी नेता ए.के. राय अरूण कुमार राय का निधन हुआ वे 85 साल के थे।

- गुमला जिले के सिसकारी गाँव में डायन विसाही के शक मे भीड़ ने पीट पीट कर 4 लोगों की हत्या कर दी।

- चीन में दुनिया का पहला साउंड बैरियर बना उद्देश्य 30 हजार पक्षी परेशान न हो।

■ 22 जुलाई

- चंद्रयान-2 ऐतिहासिक सफर पर रवाना हुआ।

- सोमालिया की राजधानी मोगोदिश में बम धमाका हुआ 17 लोगों की मौत हुई 24 घायल हुये।

- आचार्य देवव्रत ने गुजरात के राज्यपाल पद की शपथ ली।

■ 23 जुलाई

- कर्नाटक प्रदेश में कुमार स्वामी की 14 माह पुरानी सरकार गिरी।

- बोरिश जॉनसन ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री बने।

- न्यूयार्क शहर में बिल्लियों के पंजे निकलवाने पर प्रतिबंध लगा।

■ 24 जुलाई

- लोकसभा में विधि विरूद्ध क्रियाकलाप निवारण संशोधन विधेयक 2019 पारित हुआ।

- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा पाक में 40 हजार आतंकवादी हैं।

- राज्यसभा में पोक्सो संशोधन विधेयक पारित हुआ। बालयौन अपराध में मौत की सजा का प्रावधान हुआ।

■ 25 जुलाई

- दिल्ली : तीसरी बार लोकसभा में तीन तलाक बिल पारित हुआ पक्ष 303 वोट एवं विपक्ष 82 वोट पड़े।

- भारतवंशी प्रीति पटेल ब्रिटेन की गृहमंत्री बनी।

- राज्यसभा में आर टी आई विधेयक पारित हुआ, पक्ष में 117 एवं विरोध में 75 वोट पड़े।

■ 26 जुलाई

- कर्नाटक में बी.एस. येदुरप्पा पुनः मुख्यमंत्री बने।

- अकोला : छिपे खजाने की तलाश में काला जादू के आरोप 8 लोग गिरफ्तार हुये।

- आजम खान की रमा देवी पर की गई टिप्पणी को सर्वदलीय बैठक लोकसभा स्पीकर ओम् बिड़ला ने ली सभी दिलों ने कड़ी आपत्ति।

■ 27 जुलाई

- महालक्ष्मी एक्सप्रेस मुम्बई से 100 किमी. दूर बांगनी स्टेशन के बीच बाढ़ में फँसी। 1050 यात्री 17 घंटे फंसे।

- केन्द्र सरकार ने कश्मीर में 10 हजार जवान तैनात किये।

- भारतीय सेना को अपाचे गार्जियन हेलीकॉप्टर की पहली खेप मिली।

■ 28 जुलाई

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी का निधन हुआ। आप 77 वर्ष के थे, 5 बार लोकसभा दो बार राज्यसभा सदस्य रहे।

- गंगा नदी में स्टीमर फंसा 300 यात्रियों को बचाया गया।

- कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष के.आर. रमेश ने 94 वागी विधायकों को अयोग्य घोषित किया।

■ 29 जुलाई

- कर्नाटक में 3 दिन पुरानी बी.एस. येदियुरप्पा की सरकार ने विश्वास मत हासिल किया।

- सपा नेता आजम खान ने भाजपा सांसद रमा देवी पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में माफी माँगी।

- उन्नाव रेप पीड़िता की कार की ट्रक से कुचलने के मामले में पुलिस ने भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर सहित 10 लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया।

■ 30 जुलाई

- लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी तीन तलाक मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक पारित हुआ।

- कर्नाटक की नई सरकार ने टीपू सुल्तान की जयंति पर रोक लगाई।

- राबल पिंडी में सेना का विमान क्रैश हुआ 18 लोग मरें।

■ 31 जुलाई

- काफी डे के संस्थापक बी.जी. सिद्धार्थ राव नेत्रावती नदी के तट पर मिला।

- मौसम बिगड़ने एवं भारी बारिश की संभावना के चलने अमरनाथ यात्रा 4 अगस्त तक रूकी।

- इथोपिया में मात्र 12 घंटे में 35 करोड़ पौधे रोपे गये।

इसे भी जानिये

साड़ी का जलवा

- * साड़ी की जोरदार वापसी ने साड़ी को नारी स्वभाव का आईना सिद्ध किया है। साड़ी कम कीमत में अधिक जलवा दिखाती है ऋग्वेद में पत्नी को साड़ी पहनने का विधान है।
 - * जैन प्रतिष्ठा ग्रंथों में अखंड वस्त्र से ही धर्म अनुष्ठान करने का विधान है।
 - * भारतीय देवियों की तस्वीर व मूर्तियों में साड़ी का ही सर्वमान्य परिधान है।
 - * भारतीय कविताओं व गीतों में आँचल शब्द का प्रयोग किया जाता है जो साड़ी का प्रतीक हैं।
 - * साड़ी में हिन्दु जैन बौद्ध धर्म का प्रभाव स्पष्ट देखा जाता है।
 - * इंडोनेशिया, पाकिस्तान श्रीलंका की कला में साड़ी का समावेश है।
 - * मुहम्मद अलि जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना ने जिन्दगी भर साड़ी पहनी।
 - * पाक के पहले बजीर ए आजम लियाकत अली खान की पत्नी बेगम राना लियाकत अली खान ने सदैव साड़ी पहनी।
 - * दिल्ली निवासी रीता कपूर चिश्ती साड़ी पहनाने की क्लास चलाती हैं वे करीब 108 साड़ी पहनने के तरीके जानती।
 - * राजनीति में सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी इंदिरा गाँधी, सुषमा स्वराज, जयललिता इटली वाली बहु सोनिया गाँधी ने साड़ी पहनकर अपनी आकर्षक छवि बनाई।
 - * सिने तारिका शिल्पा शेड्डी ओर विद्या बालन ऐश्वर्या राय, मान्यता दत्त, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, सुषमिता सेन ने विवाह के समय लाल अथवा गुलाबी रंग की साड़ी पहनी।
 - * चंदाकोचर ने अपनी कम्पनी में कार्य समय में साड़ी पहनकर काम किया।
 - * पूर्व राष्ट्रपति महामहिम के.आर. नारायणन ने कहा था साड़ी विश्व की सबसे सुंदर परिधान है।
- खेती बाड़ी है, भारत की मर्यादा, शिक्षा साड़ी है।



दिशा बोध

कुसंग से दूर रहना



1. योग्य पुरुष से डरते हैं, परन्तु क्षुद्रप्रकृति के आदमी दुर्जनों से इस रीति से मिलते जुलते हैं, मानों वे उनके कुटुम्ब के ही हों।
2. पानी का गुण बदल जाता है, वह जैसी धरती पर बहता है, वैसा ही गुण उसका हो जाता है। इसी प्रकार मनुष्य की जैसी संगति होती है, उसमें भी वैसा ही गुण आ जाते हैं।
3. आदमी की बुद्धि का सम्बन्ध तो उसके मस्तिष्क से है, परन्तु उसकी प्रतिष्ठा तो उन लोगों पर पूर्ण अवलम्बित है, जिनकी संगति में वह रहता है।
4. मालूम तो ऐसा होता है कि मनुष्य का स्वभाव उसके मन में रहता है, किन्तु वास्तव में उसका निवास स्थान उस गोष्ठी में है, जिनकी संगति वह करता है।
5. मन की पवित्रता और कर्मों की पवित्रता, आदमी की संगति की पवित्रता पर निर्भर हैं।
6. पवित्र हृदय वाले पुरुषों की संगति उत्तम होगी और जिनकी संगति अच्छी है, वे हर प्रकार से फलते-फूलते हैं।
7. अन्तःकरण की शुद्धता ही मनुष्य के लिये बड़ी सम्पत्ति है और सत्संगति उसे हर प्रकार का गौरव प्रदान करती है।
8. बुद्धिमान् यद्यपि स्वयमेव सर्वगुणसम्पन्न होते हैं, फिर भी वे पवित्र पुरुषों के सुसंग को शक्ति का स्तम्भ समझते हैं।
9. धर्म मनुष्य को स्वर्ग ले जाता है और सत्पुरुषों की संगति उसको धर्माचरण में रत करती है।
10. अच्छी संगति से बढ़कर आदमी का सहायक और कोई नहीं है। और कोई वस्तु इतनी हानि नहीं पहुँचाती, जितनी की दुर्जन की संगति।

प्रवचन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

विवाह संस्कार कैसे हो

- * गहनता को और गहन नहीं सरलीकरण करके प्रस्तुत करना चाहिये।
- * समस्याएँ आती हैं- समय पर समाधान भी होता है, हम हमेशा शतरंज चाल में चले दक्षिण में बुद्धिबल कहते हैं न्याय में तर्क-व्याप्ति आदि में प्रमाणित किया जाता है।
- * हमारे संत पहले से ही सारी समस्याएँ सुलझा चुके हैं। गुफाओं में बैठकर। अकेले बैठते हैं पर अकेले सोचते नहीं हैं। ऋषभदेव ने आहार लिया। मेरे द्वारा इनका कल्याण कैसे होगा यह बताया। आधार पूर्वजों का लेना। वे भले ही बात करते हैं। 4 अक्षर की इस कविता ने मेरा मंचन कर डाला। किसी भी अन्य ग्रन्थ में जैन धर्म का उल्लेख क्यों नहीं, गौ संक्षरण की बात का क्यों नहीं। वीरसेन महाराज ने धवला में कहा- या श्रीः सा गौ। श्री लक्ष्मी कौन सी गौ। व्याकरणाचार्य भी है श्री स्त्री में भी पुल्लिङ्ग में भी। सो स्त्रीलिङ्ग है। विवाह की बात करते हो- महापुराण में विवाह एवं बच्चों के संस्कार की बात क्यों आयी। दुःख निवृत्ति प्रवीचर पीड़ा के अतिरेक में न स्व का कल्याण न पर का कल्याण। पहले इस पीड़ा को हटाओ। स्वदार संतोष व्रत भी ब्रह्मचर्य है। अब नाभिराय ग्रहस्थ नहीं रहे वानप्रस्थ आश्रम में आ गये। आगे वृषभ जाने वे ही सब कुछ करेंगे। संतान के बिना धर्म कभी आगे बढ़ नहीं सकता। डेम नहीं बनाना। प्रवाह बनाना है। पानी आगे न बढ़कर ऊपर बढ़ने लगा है। संग्रह सीमित होना चाहिये परिग्रह नहीं होना चाहिये। वर्षा आ जाये तो डेम खोलो बिना विवाह-प्रवाहित हुआ क्या।
- * मानव जीवन का रहस्य है कृषि जीवन। वे सूत्र वेत्ता थे और सूत्र सृष्टा भी थे। छोटी सी पुस्तक-चोटी के विद्वान नहीं पढ़ सके हैं। कृषि करो-बैल कहाँ से- य श्रीः साः गौ। एक विद्वान ने कहा पति-पत्नि को अकेले माने। दम्पति-दमित पति इति दम्पति- दमित किया गृह मंत्री श्रमण ही एकांकी हो सकता है। आप तो डबल ही होंगे। पाँच तीर्थंकर ही बालब्रह्मचारी अपवाद है। पर 19 विवाहित। बीज बोओ फल लेओ। फिर बीज बोओ ये प्रवाह चलते रहना चाहिये -धर्म का प्रवाह तभी होगा। जो निर्देशक का काम लिये बिना चल सकता है चलें अन्यथा मिलकर सहयोग ले। बूंद-बूंद के मिलन से जल में गति आ जाये- 1-9 तक मात्र ईकाई में संख्या है। 1 से 9 तक ही संख्या गुरुजी-व्यक्ति का निर्माण करो संस्कार के माध्यम से। आधार। आगम सहित चले तो सब ठीक होगा। क्षेमं सर्व। हम तो राजा नहीं महाराज है। कन्या-आदान नहीं कन्या+दान ठीक है। दान ऐसे ही थोड़े सोच समझकर दूँ, भिखारी थोड़ी ही है। पिताजी को बुलाकर लाओ पहले देखलो की आप योग्य है या नहीं। विदेश पद्धति का अनुकरण करने वालो क्या जानोगे भारत की विवाह पद्धति को महापुराण को खोलिये। विवाह क्यों एवं विवाह के बाद भी कैसे रहना सब कुछ दिया है। विदेश में एक व्यक्ति ने 80 बार विवाह किया। क्या है भारत में एक ही बार विवाह होता है। उसे चाबी दी जाती है। या श्रीः सा गौ। मूकमाटी में वर्ण संकर नहीं वर्ण लाभ हो। दूध में पानी हो, अकुआ का दूध न हो। कन्या फोकट में भी मिल जाये तो भी नहीं लेना। हाथी फोकट में भी मिले तो नहीं लेना। शीलवती हो। सीता की तरह मुझे छोड़ा वैसे धर्म को नहीं छोड़ना। प्रजा का रक्षण करना राम का कर्तव्य है। मर्यादा भंग नहीं हो जाये।

प्रतियोगिता क्यों

जैन आचार्यों ने अपने उद्देश्य का माध्यम शंका समाधान बनाया है। जिस माध्यम से जन साधारण को तत्त्वबोध देने में सफल रहें वर्तमान युग प्रयोगवादी है मनोरंजन के साथ तत्त्वज्ञान की गूढ़ बातें भी व्यक्ति के दिल और दिमाग में भी उतारी जा सकती है प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता भी वहीं एक माध्यम है। लक्ष्य यह है कि वर्तमान में स्वाध्याय की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। इस समस्या के समाधान के लिये प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता संस्कार सागर का अभिनव प्रयोग है। यह मासिक पत्रिका 21 वर्ष से 244 अंकों में अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा संचालित कर रही है। जिसका प्रतिफल बहुत अच्छा मिला।

इस बार अखिल भारतीय स्तर पर जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंत्र आयोजित करने का प्रयास किया है इस प्रयास में जैन इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में जैन का योगदान पर आधारित 100 प्रश्न बनाये गये हैं। दिगम्बर जैन आचार्य परम्परा एवं दिगम्बर जैन साहित्य पर भी 200 प्रश्न संग्रहीत किये गये हैं तथा आचार्य विद्यासागर जी के जीवन चरित्र पर 300 एवं आचार्य शांतीसागर जी के जीवन चरित्र पर आधारित 100 प्रश्न तीर्थ क्षेत्रों पर 100 प्रश्न तथा सभी संघों के चातुर्मास संबंधी 200 प्रश्न समूह आपके ज्ञान वर्धन के लिये सहकारी बनेंगे। एवं आपको सम्मान प्राप्त होगा। एक पंथ दो काज प्रतिस्पर्धा में भाग लें और ज्ञानवर्धन करें।

ब्र. जिनेश मलैया

प्रधान सम्पादक संस्कार सागर इन्दौर

प्रथम पुरस्कार द्वितीय पुरस्कार तृतीय पुरस्कार सान्त्वना पुरस्कार

**1 लाख
रुपये**

**51 हजार
रुपये**

**31 हजार
रुपये**

**सभी
प्रतिभागियों
को**

प्राप्ति स्थल : संस्कार सागर श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर

विद्यासागर नगर आगरा बॉम्बे रोड़ इन्दौर- 10

फोन : 0731-4003506, 2571851

मो. 8989505108, 6232967108, 8989121008

जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंच

आप ऐसे सम्मिलित हो सकते हैं इस ज्ञानयज्ञ में।

1. प्रश्न संस्कार सागर आचार्य विद्यासागर 14 विशेषांक जून 2017 से जुलाई 2018 तक तथा संस्कार सागर चातुर्मास विशेषांक 2019 चारित्र चक्रवर्ती, तीर्थ क्षेत्र निर्देशिका, जैन धर्म का प्राचीन इतिहास भाग-1, 2, तीर्थंकर महावीर और आचार्य परम्परा भाग-2, तीर्थंकर महावीर की गौरवशाली आचार्य परम्परा (एलबम), भारतीय इतिहास एक दृष्टि, स्वतंत्रता संग्राम में जैन, संस्कार प्रश्नोत्तरी भाग-1, आचार्य श्री शांतिसागर जी प्रश्नोत्तरी, ब्र. संगोष्ठी श्रवणबेलगोल, विराट स्वरूप विद्यासागर, आदि पुस्तकों से पूछें गये हैं। उपयुक्त सभी ग्रन्थ कार्यालय में उपलब्ध है। आप चाहे तो मंगा सकते हैं।

2. प्रश्न पत्र भरने वालों को संस्कार सागर का सदस्य होना अनिवार्य है। एक सदस्यता पर एक ही परिवार के कई प्रश्न पत्र भर सकते हैं। लेकिन एक नाम का एक ही स्वीकृत होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र के साथ 100 रुपये जमा करना होगा। तथा प्रश्न पत्र भरने वाले सदस्यों की संस्कार सागर की बाकाया राशि नहीं होना चाहिये तथा पत्रिका बन्द हो गई है तो पुनः चालू कराना होगी।

3. प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार अधिकतम सही उत्तर वालों को 100 प्रश्नों की परीक्षा देना होगी जिसमें किताब आदि उपयोग नहीं कर सकेंगे 100 प्रश्न इन्हीं 1000 प्रश्नों में से ही पूछें जायेंगे उन्हीं में से ज्ञा के माध्यम से श्री सम्मेल शिखर जी में मुनि श्री कुन्धुसागर जी महाराज तथा एलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज के सान्निध्य में 06 से 11 दिसम्बर 2019 को होने वाले पद्मप्रभ मंदिर अजितनाथ समवशरण के पंचकल्याणक में ज्ञानकल्याणक के दिन दिया जावेगा।

4. उत्तर ऑनलाईन- व्हाट्सअप (8989505108) ई-मेल (sanskarsagarprashna@gmail.com) आदि के माध्यम से भी दिये जा सकते हैं, देने के बाद सूचित करें।

5. प्रश्न www.sanskarsagar.org से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं।

6. प्रश्न पत्र भरकर देने की अन्तिम तिथि 5 नवम्बर 2019 तक संस्कार सागर कार्यालय में पहुँच जाना चाहिये। आप अपने प्रश्न पत्र नगर में प्रतिनिधि के पास भी जमा कर सकते हैं।

7. 100 प्रश्नों की परीक्षा कहाँ पर होगी यह सूचना आपको 15 दिन पूर्व दे दी जावेगी।

8. उत्तर पुस्तिका संलग्न है। प्रश्न क्रमांक के साथ उत्तर हिन्दी भाषा में स्पष्ट शब्दों में लिखें।

9. उत्तर शीट की फोटो कॉपी कराकर भेजी जा सकती है। उत्तर शीट में किसी भी प्रकार की काटा पीटी नहीं होना चाहिये।

10. सर्वाधिक सही उत्तर वालों प्रतिभागी के नाम संस्कार सागर में प्रकाशित किये जावेंगे तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले प्रतिभागी के नाम फोटो सहित प्रकाशित किये जावेंगे।

11. सभी उत्तरों में बहुमान पूर्वक श्री एवं जी लगाना आवश्यक है।

***निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अन्तिम होगा।**

संस्कार सागर चातुर्मास विशेषांक 2019 से

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

152. मुनि श्री प्रगल्भसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 153. मुनि श्री महिमासागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 154. मुनि श्री समर्पणसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 155. मुनि श्री धैर्यनंदी जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 156. मुनि श्री सुलभसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 157. मुनि श्री प्रणुतसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 158. मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 159. मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 160. मुनि श्री आस्तिक्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 161. मुनि श्री अरिजितसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 162. मुनि श्री आचरणसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 163. मुनि श्री विकसंतसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 164. मुनि श्री विश्वाक्षसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 165. मुनि श्री संस्कारसागर जी महाराज गुरु आचार्य विनिश्चय सागर जी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 166. मुनि श्री प्रथमसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 167. मुनि श्री विशोकसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 168. मुनि श्री विनिश्चलसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 169. मुनि श्री विशेषसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 170. मुनि श्री मनोज्ञसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 171. मुनि श्री विश्वतीर्थसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 172. मुनि श्री विभंजनसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 173. मुनि श्री विश्वदृगसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 174. मुनि श्री जिनानंदसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 175. मुनि श्री श्रद्धानंद जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 176. मुनि श्री शिवानंद जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 177. मुनि श्री अमितसागर जी महाराज गुरु धर्मसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 178. मुनि श्री भूतबलिसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 179. मुनि श्री कीर्तिसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 180. मुनि श्री धन्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?

181. मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
182. आर्यिका श्री गुरुमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
183. आर्यिका श्री दृढमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
184. आर्यिका श्री मृदुमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
185. आर्यिका श्री ऋजुमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
186. आर्यिका श्री तपोमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
187. आर्यिका श्री सत्यमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
188. आर्यिका श्री गुणमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
189. आर्यिका श्री प्रशांतमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
190. आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
191. आर्यिका श्री अनंतमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
192. आर्यिका श्री भावनामति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
193. आर्यिका श्री धारणामति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
194. आर्यिका श्री प्रसन्नमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
195. आर्यिका श्री आदर्शमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
196. आर्यिका श्री दुर्लभमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
197. आर्यिका श्री अंतरमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
198. आर्यिका श्री अनुनयमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
199. आर्यिका श्री अपूर्वमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
200. आर्यिका श्री पुराणमति माताजी का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?

आचार्य शांतिसागर महाराज के जीवन से संबंधित

201. चारित्र चक्रवर्ती ग्रन्थ के लेखक का नाम क्या है ?
202. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को किस सिद्धक्षेत्र पर चारित्र-चक्रवर्ती पदवी से विभूषित किया था ?
203. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने उत्तर भारत का सर्वप्रथम चातुर्मास कहाँ और कब किया था ?
204. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने पाँच दिन का उपवास कितनी बार किया था ?
205. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज हुबली में कौन से लिंगायत धर्म के मठपति दर्शनार्थ आये थे ?

206. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का समाधिमरण किस सन् में हुआ ?
207. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 720 उपवास वाला कौन सा-व्रत किया था ?
208. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने क्षुल्लक अवस्था में कितने चातुर्मास किये ?
209. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज कौन से ग्रंथ का स्वाध्याय करने के बाद अन्न जल ग्रहण करते थे ?
210. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कहाँ चातुर्मास में छह माह काल में लगभग चार माह से अधिक समय उपवासों में बिताया था ?
211. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपने जीवनकाल में कुल कितनी दीक्षाएँ दी थी ?
212. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कहाँ और कब चातुर्मास किया था, जहाँ 700 गुफाएँ थी ?
213. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का जीवन परिचय ग्रंथ चारित्र चक्रवर्ती को कन्नड़ भाषा में किसने अनुवादित किया था ?
214. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपना अंतिम उपदेश कितने मिनट का दिया था ?
215. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के शरीर पर सर्प कितनी बार चढ़ा था ?
216. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज बचपन में दोनों तरफ की बगलों में कितने बोरे गेहूँ के उठा लेते थे ?
217. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के वह कौन से शिष्य थे जो पूर्व में पं. लालाराम शास्त्री के नाम से जाने जाते थे ?
218. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने बचपन में कितने वर्ष की उम्र में विस्तर का त्याग कर दिया था ?
219. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के पास किस सिद्धक्षेत्र पर एक व्याघ्रराज रात भर बैठा रहा था ?
220. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के ग्रहस्थ अवस्था के पिता श्री का नाम क्या था ?
221. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 12 वर्षीय सल्लेखना का व्रत कब धारण किया था ?
222. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपना आचार्यपद किसे कब दिया था ?
223. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने मध्यप्रदेश का एकमात्र चातुर्मास कहाँ किया था ?

224. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का बचपन में राशी का नाम क्या था ?
225. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने सन् 1955 की किस तारीख को यम सल्लेखना धारण की थी ?
226. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने समाधि के कितने वर्ष पूर्व हरी सब्जी व फल का त्याग कर दिया था ?
227. आचार्य श्री ने सम्मेल शिखर की किस कूट पर आजीवन घी और तेल का त्याग किया था ?
228. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 16 दिन का उपवास कितनी बार किया था ?
229. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने ऐलक अवस्था में कितने चातुर्मास किये ?
230. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने धरियाबाद (राज.) के किस राजा ने आजन्म शिकार का त्याग किया था ?
231. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने बचपन में कितने वर्ष की उम्र में जूतों का त्याग कर दिया था ?
232. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने किस सिद्धक्षेत्र पर चार मुनि दीक्षाएँ दी थी ?
233. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को कौन-से शास्त्र का स्वाध्याय करने से वैराग्य भाव बढ़ा था ?
234. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का जन्म किस नदी के किनारे हुआ था ?
235. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कौन-से मुनिराज से आजन्म ब्रह्मचर्य व्रत लिया था ?
236. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के वह कौन से ऐलक शिष्य थे जो एक पैर को जंघा पर रखकर घंटों तक ध्यान करते थे ?
237. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के नाम के बाद जो गोड़ा शब्द आता था, उसका क्या अर्थ था ?
238. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने गृहस्थ अवस्था में माँ की मृत्यु के बाद प्रत्येक अमावस्या को कौन से तीर्थ पर जाने का नियम लिया था ?
239. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के आगमन पर कहाँ के शराब बाजार तीन दिन बंद रहे थे सन् भी बताइये ?
240. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 10 दिन का उपवास कितनी बार किया था ?
241. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने व्यवहार और निश्चय को किसकी उपमा दी थी ?

242. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के सान्निध्य में शिखर जी में पंचकल्याणक हुआ था, लेकिन वह किसी अध्यक्षता में हुआ था ?
243. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने आचार्य पद का त्याग कब कर दिया था ?
244. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज पैर में कौन से दो चिन्ह थे ?
245. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने चार दिन का उपवास कितनी बार किया ?
246. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज पर आधारित ऐसे थे चारित्र चक्रवर्ती पुस्तक की लेखिका कौन है ?
247. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने नसलापुर में फोटू खिचवाने पर कितने दिन तक दूध का त्याग कर दिया था ?
248. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के पदार्पण से कहाँ के छात्रावास का उद्घाटन हुआ था ?
249. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के 36 दिन के समाधिकाल में लगभग कितने यात्रियों ने दर्शन किये थे ?
250. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के कटनी चातुर्मास में कौन से वर्णों जी पधारे थे ?
251. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 1234 उपवास वाला कौन सा व्रत किया था ?
252. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपना अन्तिम प्रवचन किस भाषा में दिया था ?
253. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के पास कोन-सा डाकू पद्मावती सेठ का वेष धारण करके आया था ?
254. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने सन् 1929 में ललितपुर में कौन सा व्रत किया था ?
255. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को कहाँ के चातुर्मास में चर्मरोग हो गया था ?
256. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने बचपन में कबड्डी खेल में कितने साथियों को एक झटके में गिरा दिया था ?
257. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज 24 घंटे में कितने घंटे जाप करते थे ?
258. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने दूध का कहाँ त्याग किया था ?
259. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को दिल्ली के किस स्थान पर पुलिस वाले ने रोक लिया था ?
260. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज प्रतिदिन कितने पेजों (पृष्ठों) का स्वाध्याय करते थे ?

261. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को ताम्र पत्र पर अंकित श्री धवल, जयधवल, एवं महाधवल ग्रन्थ कहाँ पर भेंट किये गये थे ?
262. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने गुजरात प्रांत में कितने चातुर्मास किये ?
263. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज कुन्थलगिरि में कौन से तीर्थंकर भगवान के सामने निवास करते थे ?
264. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अपने जीवनकाल में कितनी क्षुल्लक दीक्षाएँ दी थी ?
265. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज से संयत शब्द पर कहाँ चर्चा हुई थी ?
266. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की पीछी कमण्डल, शास्त्र, माला और चश्मा अभी भी कहाँ के जैन मंदिर में रखा है ?
267. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कितने ताम्रपत्रों पर सिद्धांतिक तीनों ग्रन्थों को अंकित करवाया था ?
268. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने आचार्य पद से चारित्र चक्रवर्ती पद तक कितने चातुर्मास किए ?
269. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने जब कुंभोज बाहुबली से शिखर जी के लिए विहार किया था, तब साथ में कितनी बैलगाड़ियाँ चल रही थी ?
270. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज से किसने कहा था कि महाराज! वह दुष्ट है। बुलाने पर वह नहीं आयेगा तो आपका अपमान होगा ?
271. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के नाम पर जयपुर में औषधालय किसने खोला था ?
272. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने बचपन में कौन से मुनिराज से कहा था कि हम आपको दूधगंगा पार कराते हैं और आप हमें संसार सागर पार कराये ?
273. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कहाँ कहा था कि पूर्व में तप करने वाला राजा बनता है ? दान देने वाला धनी बनता है ?
274. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने अन्न का जीवन पर्यन्त कहाँ और कब त्याग किया था ?
275. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का किस स्थान पर हीरे-जवाहरात से पड़गाहन हुआ था ?
276. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के जीवन पर आधारित कृति महाप्रयाण के लेखक कौन है ?
277. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के उन शिष्य का नाम क्या था जो गोकाक वाले कहलाते थे ?

278. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के दर्शन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने बचपन में कहाँ किये थे ?
279. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के जीवन पर आधारित पुस्तक आचार्य श्री शांतिसागर चरित्र के लेखक का नाम क्या है ?
280. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज जब कुंभोज बाहुबली से शिखर जी के लिए विहार हुआ तो पहला पड़ाव कहाँ हुआ था ?
281. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के अंतिम शिष्य का नाम क्या था ?
282. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज दक्षिण और उत्तर वालों का एक साथ चातुर्मास कहाँ हुआ था ?
283. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को कहाँ की यात्रा को जाते समय चार बैलों ने आकर नमस्कार किया था ?
284. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने मुनि अवस्था में कितने चातुर्मास किये ?
285. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने 7 दिन का उपवास कितनी बार किया था ?
286. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने एकीभाव स्रोत के प्रभाव से किसका सफेद दाग दूर किया था ?
287. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने घर में कितने वर्ष तक एकाशन किया था ?
288. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने ऐसे कौन से अतिशय क्षेत्र के दर्शन किए थे जहाँ मंदिर के भट्टारक नरेन्द्र भूषण के निमित्त से बने थे ?
289. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने किस भट्टारक जी से कहा था कि धार्मिक सम्पत्ति का लौकिक कार्यों में व्यय करना दुर्गति व पाप का कारण है ?
290. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने कहाँ पर एक मिथ्यावादी जैन बंधु को सर्प का जहर उतारने के लिए पंचपरमेष्ठी मंत्र दिया था ?
291. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने समाधि के कितने वर्ष पूर्व अन्न का आजीवन त्याग कर दिया था ?
292. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज जब कुम्भोज बाहुबली से शिखर जी के लिए विहार कर रहे थे तब कितने मनुष्य चल रहे थे ?
293. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को बुन्देलखण्ड के किस सिद्धक्षेत्र पर एक शेर रात्रि में बैठा रहा था ?
294. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को अन्त समय में पीठ पर कौन-सा रोग हो गया था ?
295. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने इंदौर के किस व्यक्ति के बारे में कहा था कि हमारी 80 वर्ष की उमर हो गई हिन्दुस्तान के जैन समाज में ऐसा

- वजनदार आदमी देखने में नहीं आया ?
296. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की सम्मेलन शिखर जी यात्रा में कौन से वैद्य पंडित जी साथ चले थे, जो बाद में मुनि बनकर आचार्य बने थे ?
297. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज किस गाँव में नहीं रुके थे । क्योंकि कुछ समय पश्चात् उस गाँव में ऐसी वर्षा हुई थी कि वहाँ कोई नहीं बचा था पूर में सब वह गये थे ?
298. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का जयपुर चातुर्मास में सुगन्ध दशमी का आहार किस सेठ के यहाँ हुआ ?
299. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को कर्नाटक के किस तीर्थ की यात्रा को जाते समय शेर मिला था ?
300. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के सामने कटनी के किस गाँव के रास्ते में एक लम्बे से साँप ने रास्ता रोक लिया था ?

भगवान महावीर और उनकी आचार्य परम्परा भाग-2 तथा तीर्थकर महावीर की गौरवशाली आचार्य परम्परा (एलबम) से

301. वे कौन से आचार्य हैं जिन्होंने कषाय पाहुड ग्रंथ लिखा हो ?
302. कषाय पाहुड ग्रंथ किस विद्या का ग्रंथ है ?
303. कषाय पाहुड किस भाषा का ग्रंथ है ?
304. कषाय पाहुड ग्रंथ में कितने पद हैं ?
305. आचार्य गुणधर जी का समय क्या है ?
306. श्रुत प्रतिष्ठापक पहले आचार्य कौन हैं ?
307. कषाय पाहुड ग्रंथ पर आचार्य वीरसेन जी ने कौन सी टीका लिखी ?
308. आचार्य यति वृषभ जी ने कषाय पाहुड ग्रंथ पर किस नाम से सूत्र लिखे ?
309. वे कौन से आचार्य हैं जिन्होंने जोणी पाहुड ग्रंथ लिखा ?
310. आचार्य धरसेन कौन सी शताब्दी में हुए ?
311. जोणी पाहुड की विषय वस्तु क्या है ?
312. वे कौन से आचार्य हैं जो अंगपूर्व के एक देश ज्ञाता थे ?
313. आचार्य धरसेन किस गुफा में रहते थे ?
314. षट्खण्डागम ग्रंथ के रचयिता दो आचार्य कौन कौन थे ?
315. आचार्य पुष्पदन्त का समय क्या है ?
316. आचार्य भूतबलि का समय क्या है ?

317. आचार्य पुष्पदन्त जी ने किस स्थल पर षट्खण्डागम ग्रंथ लिखा ?
318. षट्खण्डागम ग्रंथ की भाषा कौन सी है ?
319. वह कौन सा ग्रंथ है जिसका मंगलाचरण णमोकार मंत्र हो ?
320. षट्खण्डागम ग्रंथ प्रथम खण्ड का नाम क्या है ?
321. षट्खण्डागम ग्रंथ का द्वितीय खण्ड का नाम क्या है ?
322. षट्खण्डागम ग्रंथ का तृतीय खण्ड का नाम क्या है ?
323. षट्खण्डागम ग्रंथ का चतुर्थ खण्ड का नाम क्या है ?
324. षट्खण्डागम ग्रंथ का पंचम खण्ड का नाम क्या है ?
325. षट्खण्डागम ग्रंथ का षष्ठम खण्ड का नाम क्या है ?
326. धवला टीका के पहले दूसरे भाग में किस प्रारूपणा का वर्णन है ?
327. धवला टीका के तीसरे भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
328. धवला टीका के चौथे भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
329. धवला ग्रंथ के पाँचवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
330. धवला ग्रंथ के छठवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
331. धवला ग्रंथ के सातवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
332. धवला ग्रंथ के आठवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
333. धवला ग्रंथ के नौवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
334. धवला ग्रंथ के दसवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
335. धवला ग्रंथ के ग्यारहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
336. धवला ग्रंथ के बारहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
337. धवला ग्रंथ के तेरहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
338. धवला ग्रंथ के चौदहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
339. धवला ग्रंथ के पन्द्रहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
340. धवला ग्रंथ के सोलहवें भाग में किस प्ररूपणा का वर्णन है ?
341. वे कौन से आचार्य हैं जिन्होंने चौरासी पाहुड लिखे हैं ?
342. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित समयसार में कितनी गाथायें हैं ?
343. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित पंचास्तिकाय में कितनी गाथायें हैं ?
344. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित प्रवचनसार में कितनी गाथायें हैं ?
345. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित नियमसार में कितनी गाथायें हैं ?
346. आचार्य कुन्द कुन्द देव की बारसाणुपेक्षा में कुल कितनी गाथायें हैं ?
347. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित दर्शनपाहुड में कितनी गाथायें हैं ?

348. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित सूत्र पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
349. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित चारित्र पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
350. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित बोधि पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
351. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित भाव पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
352. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित मोक्ष पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
353. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित शील पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
354. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित लिंग पाहुड में कितनी गाथायें हैं?
355. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित सिद्ध भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
356. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित श्रुत भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
357. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित चारित्र भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
358. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित योगी भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
359. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित आचार्य भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
360. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित निर्वाण भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
361. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित पंचमेरु भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
362. आचार्य कुन्द कुन्द द्वारा रचित तीर्थकर भक्ति में कितनी गाथायें हैं?
363. आचार्य कुन्द कुन्द देव का जन्म कौन से प्रदेश में हुआ?
364. आचार्य कुन्द कुन्द देव किस राजवंश के थे?
365. आचार्य कुन्द कुन्द देव किस शताब्दी के आचार्य थे?
366. आचार्य कुन्द कुन्द देव की माँ का नाम क्या था?
367. आचार्य कुन्द कुन्द देव के पिता का नाम क्या था?
368. आचार्य उमास्वामी का दूसरा नाम क्या था?
369. आचार्य उमास्वामी जी ने कितने ग्रंथ लिखे?
370. तत्त्वार्थ सूत्र में कुल कितने सूत्र हैं?
371. तत्त्वार्थ सूत्र किस-किस पंथ द्वारा मान्य है?
372. तत्त्वार्थ सूत्र के पहले अध्याय से चौथे अध्याय तक किसका वर्णन है?
373. तत्त्वार्थ सूत्र के पाँचवें अध्याय में किस तत्त्व का वर्णन है?
374. तत्त्वार्थ सूत्र के छठवें अध्याय में किस तत्त्व का वर्णन है?
375. तत्त्वार्थ सूत्र के आठवें अध्याय में किस तत्त्व का वर्णन है?
376. तत्त्वार्थ सूत्र के नौवें अध्याय में किस तत्त्व का वर्णन है?
377. तत्त्वार्थ सूत्र के दसवें अध्याय में किस तत्त्व का वर्णन है?
378. तत्त्वार्थ सूत्र का अपर नाम क्या है?

379. आचार्य वट्टकेर जी ने किस ग्रंथ की रचना की?
380. आचार्य वट्टकेर का समय कौन साथ था?
381. आचार्य समन्तभद्र देव किस शताब्दी में हुए?
382. आचार्य समन्तभद्र देव का अपर नाम क्या था?
383. आचार्य समन्तभद्र देव का जन्म स्थान कौन सा है?
384. आचार्य समन्तभद्र देव द्वारा रचित आसमीमांसाग्रंथ में कुल कितनी कारिकायें हैं?
385. आचार्य समन्तभद्र देव द्वारा रचित रत्नकरण्डक श्रावकाचार में कुल कितनी कारिकायें हैं?
386. आचार्य समन्तभद्र देव द्वारा रचित युक्त्यनुशासन ग्रंथ में कितने काव्य हैं?
387. आचार्य समन्तभद्र देव द्वारा रचित स्वयम्भूस्तोत्र में कुल कितने काव्य हैं?
388. आचार्य समन्तभद्र देव द्वारा रचित स्तुतिविद्या (जिनशतक) में कुल कितने काव्य हैं?
389. आचार्य समन्तभद्र को कौन सा रोग हुआ था?
390. आचार्य सिद्धसेन का एक मात्र स्तोत्र कौन सा है?
391. आचार्य सिद्धसेन का अपर नाम कौन सा था?
392. आचार्य सिद्धसेन किस वर्ण के आचार्य थे?
393. आचार्य सिद्धसेन के पिता का नाम क्या था?
394. सन्मति सूत्र में कुल कितनी गाथायें हैं?
395. सिद्धसेन आचार्य की माँ का नाम क्या था?
396. भगवती आराधना के रचयिता कौन से आचार्य हैं?
397. आचार्य शिवार्य का समय कौन सा है?
398. भगवती आराधना की भाषा कौन सी है?
399. आचार्य यति वृषभ का काल कौन सा है?
400. आचार्य यतिवृषभ द्वारा रचित त्रिलोयपण्णति ग्रंथ में कितनी गाथायें हैं?
401. त्रिलोयपण्णति ग्रंथ में कुल कितने अध्याय हैं?
402. आचार्य यतिवृषभ द्वारा रचित कषाय पाहुड चूर्णिका में कुल कितने सूत्र हैं?
403. आचार्य समन्तभद्र द्वारा रचित ग्रंथ हस्ती महाभाष्य में कितने श्लोक हैं?
404. मूलाचार ग्रंथ के रचयिता का नाम क्या है?
405. कषाय पाहुड ग्रंथ में कुल कितनी गाथायें हैं?
406. आचार्य विमलसेन सूरि कौन से शताब्दी में हुये?
407. आचार्य विमलसेन सूरि ने कौन सा ग्रंथ लिखा?

408. पउमचरिय में कुल कितने सर्ग हैं ?
409. स्वामी कार्तिकेय जी किस शताब्दी में हुए ?
410. स्वामी कार्तिकेय अनुप्रेक्षा में कितनी गाथायें हैं ?
411. कल्याण मंदिर स्तोत्र में कुल कितने काव्य हैं ?
412. स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा किस भाषा में है ?
413. स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा का विषय क्या है ?
414. वे कौन से आचार्य हैं जो पाणिनी के भान्जे थे ?
415. वे कौन से आचार्य हैं जो नागार्जुन के भतीजे थे ?
416. आचार्य पूज्यपाद का अपर नाम क्या था ?
417. आचार्य पूज्यपाद जी ने कौन सी व्याकरण की रचना की ?
418. आचार्य पूज्यपाद ने तत्त्वार्थ सूत्र पर किस नाम से टीका लिखी ?
419. जैनेन्द्र व्याकरण में कुल कितने सूत्र हैं ?
420. आचार्य पूज्यपाद द्वारा रचित समाधि तंत्र में कुल कितने श्लोक हैं ?
421. आचार्य पूज्यपाद द्वारा रचित इष्टोपदेश में कुल कितने पद्य हैं ?
422. आचार्य पूज्यपाद जी ने कितनी भक्तियां लिखी ?
423. आचार्य पूज्यपाद द्वारा रचित सिद्धिपयोग स्तोत्र में कितने पद्य हैं ?
424. आचार्य पात्रकेशरी किस शताब्दी में हुए ?
425. आचार्य पात्रकेशरी द्वारा रचित पात्रकेशरी स्तोत्र में कितने पद्य हैं ?
426. पात्रकेशरी स्तोत्र का अपर नाम क्या है ?
427. पात्रकेशरी का वह कौन सा स्तोत्र है जिसका उल्लेख बौद्ध विद्वान शांति रक्षित ने तत्त्व संग्रह में किया है ?
428. आचार्य जटासिंह नन्दी किस शताब्दी में हुए ?
429. आचार्य जटासिंह नन्दी का जन्म स्थान कहाँ का है ?
430. आचार्य जटासिंगनंदी द्वारा एक मात्र ग्रंथ कौन सा है ?
431. वरांग किस तीर्थंकर के काल में हुए ?
432. वरांग महाकाव्य में कितने सर्ग हैं ?
433. आचार्य ऋषिपुत्र कौन सी शताब्दी में हुए ?
434. आचार्य ऋषिपुत्र किस विषय के प्रकाण्ड विद्वान थे ?
435. आचार्य ऋषिपुत्र के द्वारा रचित कौन सा ग्रंथ है ?
436. फलित ज्योतिष किस भाषा का ग्रंथ है ?
437. आचार्य ज्योइन्दु देव कौन सी शताब्दी में हुए ?

438. आचार्य ज्योइन्दु द्वारा रचित परमात्म प्रकाश ग्रंथ में कितने पद्य हैं ?
439. आचार्य ज्योइन्दु द्वारा रचित योगसार ग्रंथ में कितने दोहे हैं ?
440. परमात्म प्रकाश की भाषा कौन सी है ?
441. मूलाचार में कुल कितनी गाथायें हैं ?
442. मूलाचार में कितने अधिकार हैं ?
443. भगवती आराधना में कुल कितनी गाथायें हैं ?
444. आचार्य मानतुंग द्वारा रचित कौन सा स्तोत्र है ?
445. भक्तामर स्तोत्र में कितने काव्य हैं ?
446. आचार्य अकलंक देव का काल क्या है ?
447. आचार्य अकलंक देव ने तत्त्वार्थ सूत्र पर कौनसी टीका लिखी ?
448. आचार्य अकलंक देव का जन्म स्थान कहाँ का है ?
449. आचार्य अकलंक देव के पिता का नाम क्या था ?
450. आचार्य अकलंक देव के पिता किस राजा के मंत्री थे ?
451. आचार्य अकलंक देव के भाई का क्या नाम था ?
452. आचार्य अकलंक देव के समकालीन कलिंग देश के कौन से राजा थे ?
453. राजा हिमशीतल का वंशी कौन सा था ?
454. आचार्य अकलंक देव के राष्ट्रकूट वंशो समकालीन राजा कौन से थे ?
455. हरिवंश पुराण के रचयिता कौन हैं ?
456. अकलंक देव द्वारा रचित अष्टशती ग्रंथ किस ग्रंथ की टीका है ?
457. आचार्य अकलंक देव किस शताब्दी में हुए ?
458. आचार्य अकलंक देव द्वारा रचित लघीयस्त्रीय में कुल कितनी कारिकाएँ हैं ?
459. लघीयस्त्रीय ग्रंथ का विषय क्या है ?
460. आचार्य अकलंक देव द्वारा रचित न्याय विनिश्चय में कुल कितनी कारिकाएँ हैं ?
461. आचार्य अकलंक देव द्वारा रचित प्रमाण संग्रह में कुल कितने प्रस्ताव हैं ?
462. आचार्य अकलंक देव द्वारा रचित प्रमाण संग्रह ग्रंथ में कुल कितनी कारिकाएँ हैं ?
463. आचार्य अकलंक देव द्वारा रचित सिद्धि विनिश्चय ग्रंथ में कुल कितने प्रस्ताव हैं ?
464. आचार्य रविषेण जी का समय कौन सा है ?
465. आचार्य रविषेण द्वारा रचित पद्मपुराण में कुल कितने सर्ग हैं ?
466. आचार्य जिनसेन जी ने कौन सा पुराण लिखा ?

467. आचार्य जिनसेन द्वारा रचित पार्श्व अभ्युदय किस काव्य की समस्यापूर्ति है ?
468. पार्श्व अभ्युदय में कुल कितने काव्य हैं ?
469. पार्श्व अभ्युदय किस छंद में लिखा है ?
470. आचार्य जिनसेन के गुरु कौन थे ?
471. वे कौन से आचार्य थे जो सौ व्यक्तियों को जैन बनाकर आहार ग्रहण करते थे ?
472. वो कौन सा राष्ट्रकूट सम्राट था जो आचार्य जिनसेन का बड़ा भक्त था ?
473. आचार्य जिनसेन के प्रमुख शिष्य कौन थे ?
474. हरिवंश पुराण में कुल कितने सर्ग हैं ?
475. आचार्य वीरसेन के शिक्षागुरु कौन थे ?
476. वे कौन से आचार्य थे जिन्होंने षट्खण्डागम पर धवला टीका लिखी हो ?
477. आचार्य वीरसेन के दीक्षा गुरु कौन थे ?
478. धवला टीका कितने श्लोक प्रमाण हैं ?
479. आचार्य वीरसेन किस शताब्दी में हुए ?
480. वे कौन से आचार्य हैं जिन्होंने कल्याण कारक ग्रन्थ लिखा ?
481. पद्म पुराण में कुल कितने अनुष्टुप छंद हैं ?
482. उग्रादित्त आचार्य कौन सी शताब्दी में हुये।
483. महाकवि स्वयंभू का समय कौन सा है ?
484. महाकवि स्वयंभू ने कौन सा चरित्र लिखा ?
485. महाकवि स्वयंभू के पिताजी का क्या नाम था ?
486. महाकवि स्वयंभू के माताजी का क्या नाम था ?
487. आचार्य श्रीधर किस विषय के विशेषज्ञ थे ?
488. आचार्य श्रीधर के पिता का नाम क्या था ?
489. आचार्य श्रीधर के माता का नाम क्या था ?
490. श्री महावीराचार्य कौन सी शताब्दी के आचार्य हैं ?
491. श्री महावीराचार्य के समकालीन राजा कौन से थे ?
492. श्री महावीराचार्य का प्रमुख ग्रंथ कौन सा है ?
493. आचार्य अमितगति प्रथम कौन सी शताब्दी के हैं ?
494. आचार्य अमितगति के गुरु का नाम क्या था ?
495. आचार्य अमितगति के द्वारा रचित ग्रंथ कौन सा है ?
496. आचार्य देवसेन कौन सी शताब्दी के हैं ?
497. आचार्य देवसेन द्वारा रचित कोई दो ग्रंथों के नाम लिखे ?

498. आचार्य देवसेन की कर्मभूमि कौन सी नगरी है ?
499. आचार्य विद्यानंद जी कौन सी शताब्दी के हैं ?
500. आचार्य मानतुंग किस शताब्दी में हुए ?

तीर्थ क्षेत्र निर्देशिका से

501. बीनाबारह तीर्थ कौन से जिले में है ?
502. पटेरिया जी तीर्थ किस जिले में है ?
503. पटेरिया तीर्थ के मूलनायक भगवान कौन से हैं ?
504. वह कौन सा तीर्थक्षेत्र है जिसका मंदिर एक दिन की रुई की मुनाफा में बना ?
505. आरा पटना सिद्धक्षेत्र किस जिले में है ?
506. आरा पटना से गुलजार बाग कितना दूर है ?
507. कमलदह गुलजार बाग से कौन मोक्ष गया है ?
508. गुणावा जी सिद्धक्षेत्र कौन से जिले में है ?
509. अतिशय क्षेत्र बरासो किस प्रदेश में है ?
510. अतिशय क्षेत्र बरासो किस प्रदेश में है ?
511. श्री सोनागिर जी किस तीर्थकर के लिये प्रसिद्ध है ?
512. श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी कौन से प्रदेश में स्थित है ?
513. श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी किस जिले में है ?
514. अंतिम तीर्थकर के नाम पर रेल्वे स्टेशन किस जिले में है ?
515. तेईसवें तीर्थकर के नाम से कौन सा रेल्वे स्टेशन है ?
516. छटवें तीर्थकर के नाम पर कौन सा रेल्वे स्टेशन है ?
517. ज्ञानोदयतीर्थ नारेली किस जिले में है ?
518. अतिशय क्षेत्र सांगानेर किस जिले में है ?
519. बासोकुण्ड किस तीर्थकर का जन्म स्थान है ?
520. सिद्धक्षेत्र चम्पापुर से मोक्ष कौन गया ?
521. सिद्धक्षेत्र चम्पापुर कौन से जिले में है ?
522. सिद्धक्षेत्र चम्पापुर किस प्रदेश में है ?
523. तीर्थक्षेत्र कुण्डपुर किस जिले में है ?
524. तीर्थक्षेत्र कुण्डलपुर में किस तीर्थकर का जन्म हुआ है ?
525. तीर्थक्षेत्र कुण्डलपुर कौन से प्रदेश में है ?
526. सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर किस जिले में है ?

कृपया इन पेजों में उत्तर लिखकर निकालकर भेजें

बुक पोस्ट



जैन विद्या संस्कृति प्रश्न मंच

संस्कार सागर

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर

विद्यासागर नगर, ए.बी. रोड,

विजयनगर, इन्दौर -452010

फोन : 0731-4003506, 8989505108

* प्रेषक *

.....
.....
.....

मोबाईल नम्बर

.....

01.	32.	63.
02.	33.	64.
03.	34.	65.
04.	35.	66.
05.	36.	67.
06.	37.	68.
07.	38.	69.
08.	39.	70.
09.	40.	71.
10.	41.	72.
11.	42.	73.
12.	43.	74.
13.	44.	75.
14.	45.	76.
15.	46.	77.
16.	47.	78.
17.	48.	79.
18.	49.	80.
19.	50.	81.
20.	51.	82.
21.	52.	83.
22.	53.	84.
23.	54.	85.
24.	55.	86.
25.	56.	87.
26.	57.	88.
27.	58.	89.
28.	59.	90.
29.	60.	91.
30.	61.	92.
31.	62.	93.

94.	125.	156.
95.	126.	157.
96.	127.	158.
97.	128.	159.
98.	129.	160.
99.	130.	161.
100.	131.	162.
101.	132.	163.
102.	133.	164.
103.	134.	165.
104.	135.	166.
105.	136.	167.
106.	137.	168.
107.	138.	169.
108.	139.	170.
109.	140.	171.
110.	141.	172.
111.	142.	173.
112.	143.	174.
113.	144.	175.
114.	146.	176.
115.	147.	177.
116.	148.	178.
117.	145.	179.
118.	149.	180.
119.	150.	181.
120.	151.	182.
121.	152.	183.
122.	153.	184.
123.	154.	185.
124.	155.	186.

187.	218.	249.
188.	219.	250.
189.	220.	251.
190.	221.	252.
191.	222.	253.
192.	223.	254.
193.	224.	255.
194.	225.	256.
195.	226.	257.
196.	227.	258.
197.	228.	259.
198.	229.	260.
199.	230.	261.
200.	231.	262.
201.	232.	263.
202.	233.	264.
203.	234.	265.
204.	235.	266.
205.	236.	267.
206.	237.	268.
207.	238.	269.
208.	239.	270.
209.	240.	271.
210.	241.	272.
211.	242.	273.
212.	243.	274.
213.	244.	275.
214.	245.	276.
215.	246.	277.
216.	247.	278.
217.	248.	279.

280.	311.	342.
281.	312.	343.
282.	313.	344.
283.	314.	345.
284.	315.	346.
285.	316.	347.
286.	317.	348.
287.	318.	349.
288.	319.	350.
289.	320.	351.
290.	321.	352.
291.	322.	353.
292.	323.	354.
293.	324.	355.
294.	325.	356.
295.	326.	357.
296.	327.	358.
297.	328.	359.
298.	329.	360.
299.	330.	361.
300.	331.	362.
301.	332.	363.
302.	333.	364.
303.	334.	365.
304.	335.	366.
305.	336.	367.
306.	337.	368.
307.	338.	369.
308.	339.	370.
309.	340.	371.
310.	341.	372.

373.	404.	435.
374.	405.	436.
375.	406.	437.
376.	407.	438.
377.	408.	439.
378.	409.	440.
379.	410.	441.
380.	411.	442.
381.	412.	443.
382.	413.	444.
383.	414.	445.
384.	415.	446.
385.	416.	447.
386.	417.	448.
387.	418.	449.
388.	419.	450.
389.	420.	451.
390.	421.	452.
391.	422.	453.
392.	423.	454.
393.	424.	455.
394.	425.	456.
395.	426.	457.
396.	427.	458.
397.	428.	459.
398.	429.	460.
399.	430.	461.
400.	431.	462.
401.	432.	463.
402.	433.	464.
403.	434.	465.

466.	497.	528.
467.	498.	529.
468.	499.	530.
469.	500.	531.
470.	501.	532.
471.	502.	533.
472.	503.	534.
473.	504.	535.
474.	505.	536.
475.	506.	537.
476.	507.	538.
477.	508.	539.
478.	509.	540.
479.	510.	541.
480.	511.	542.
481.	512.	543.
482.	513.	544.
483.	514.	545.
484.	515.	546.
485.	516.	547.
486.	517.	548.
487.	518.	549.
488.	519.	550.
489.	520.	551.
490.	521.	552.
491.	522.	553.
492.	523.	554.
493.	524.	555.
494.	525.	556.
495.	526.	557.
496.	527.	558.

559.	590.	621.
560.	591.	622.
561.	592.	623.
562.	593.	624.
563.	594.	625.
564.	595.	626.
565.	596.	627.
566.	597.	628.
567.	598.	629.
568.	599.	630.
569.	600.	631.
570.	601.	632.
571.	602.	633.
572.	603.	634.
573.	604.	635.
574.	605.	636.
575.	606.	637.
576.	607.	638.
577.	608.	639.
578.	609.	640.
579.	610.	641.
580.	611.	642.
581.	612.	643.
582.	613.	644.
583.	614.	645.
584.	615.	646.
585.	616.	647.
586.	617.	648.
587.	618.	649.
588.	619.	650.
589.	620.	651.

652.	683.	714.
653.	684.	715.
654.	685.	716.
655.	686.	717.
656.	687.	718.
657.	688.	719.
658.	689.	720.
659.	690.	721.
660.	691.	722.
661.	692.	723.
662.	693.	724.
663.	694.	725.
664.	695.	726.
665.	696.	727.
666.	697.	728.
667.	698.	729.
668.	699.	730.
669.	700.	731.
670.	701.	732.
671.	702.	733.
672.	703.	734.
673.	704.	735.
674.	705.	736.
675.	706.	737.
676.	707.	738.
677.	708.	739.
678.	709.	740.
679.	710.	741.
680.	711.	742.
681.	712.	743.
682.	713.	744.

745.	776.	807.
746.	777.	808.
747.	778.	809.
748.	779.	810.
749.	780.	811.
750.	781.	812.
751.	782.	813.
752.	783.	814.
753.	784.	815.
754.	785.	816.
755.	786.	817.
756.	787.	818.
757.	788.	819.
758.	789.	820.
759.	790.	821.
760.	791.	822.
761.	792.	823.
762.	793.	824.
763.	794.	825.
764.	795.	826.
765.	796.	827.
766.	797.	828.
767.	798.	829.
768.	799.	830.
769.	800.	831.
770.	801.	832.
771.	802.	833.
772.	803.	834.
773.	804.	835.
774.	805.	836.
775.	806.	837.

838.	869.	900.
839.	870.	901.
840.	871.	902.
841.	872.	903.
842.	873.	904.
843.	874.	905.
844.	875.	906.
845.	876.	907.
846.	877.	908.
847.	878.	909.
848.	879.	910.
849.	880.	911.
850.	881.	912.
851.	882.	913.
852.	883.	914.
853.	884.	915.
854.	885.	916.
855.	886.	917.
856.	887.	918.
857.	888.	919.
858.	889.	920.
859.	890.	921.
860.	891.	922.
861.	892.	923.
862.	893.	924.
863.	894.	925.
864.	895.	926.
865.	896.	927.
866.	897.	928.
867.	898.	929.
868.	899.	930.

931.	955.	979.
932.	956.	980.
933.	957.	981.
934.	958.	982.
935.	959.	983.
936.	960.	984.
937.	961.	985.
938.	962.	986.
939.	963.	987.
940.	964.	988.
941.	965.	989.
942.	966.	990.
943.	967.	991.
944.	968.	992.
945.	969.	993.
946.	970.	994.
947.	971.	995.
948.	972.	996.
949.	973.	997.
950.	974.	998.
951.	975.	999.
952.	976.	1000.
953.	977.	
954.	978.	

नाम स्थान

उम्र सदस्यता क्रं. मो.

पूर्ण पता

पिन कोड फोन नं.: (एसटीडी)

527. सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर किस प्रदेश में है ?
528. सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर से कौन मोक्ष गया ?
529. सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में कितने जिनालय हैं ?
530. सिद्धक्षेत्र गोलकोट किस जिले में है ?
531. अतिशय क्षेत्र पचराई किस जिले में है ?
532. अतिशय क्षेत्र थूवोन जी में कितने जिनालय हैं ?
533. गोम्मटगिरि की स्थापना कौन से सन् में हुई ?
534. गोम्मटगिरि किस जिले में है ?
535. सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि कौन से जिले में है ?
536. सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि से कितने मुनि मोक्ष गये हैं ?
537. सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि पर कौन से तीर्थंकर का समवशरण आया था ?
538. सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट से कौन मोक्ष गया ?
539. सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट किस जिले में है ?
540. सिद्धक्षेत्र आहार जी से मोक्ष कौन गया ?
541. सिद्धक्षेत्र आहार जी किस जिले में है ?
542. सिद्धक्षेत्र आहार जी में कितने जिनालय हैं ?
543. सिद्धक्षेत्र आहार जी में कितने मानस्तंभ हैं ?
544. अतिशय क्षेत्र अजयगढ़ किस जिले में है ?
545. अतिशय क्षेत्र अजयगढ़ के जिनालय किस राजवंश के समकालीन है ?
546. बड़ोह तीर्थक्षेत्र किस नाम से जाना जाता है ?
547. तीर्थक्षेत्र बड़ोह में किस शताब्दी के मंदिर हैं ?
548. तीर्थक्षेत्र बड़ोह का संरक्षण किसके हाथ में है ?
549. बहोरीबन्द तीर्थक्षेत्र किस जिले में है ?
550. बहोरीबन्द के मूलनायक भगवान कौन से हैं ?
551. अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोला कौन से जिले में है ?
552. अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोला किस प्रदेश में है ?
553. अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोला बाहुबली मूर्ति की प्रतिष्ठा कौन से आचार्य के सान्निध्य में हुई ?
554. भगवान बाहुबली की मूर्ति का निर्माण किसने करवाया था ?
555. सिद्धक्षेत्र बावनगजा चूलगिरि से कौन मोक्ष गया ?
556. बावनगजा सिद्धक्षेत्र कौन से जिले में है ?

557. अतिशय क्षेत्र बजरंगबढ़ किस जिले में है ?
558. अतिशय क्षेत्र बजरंगबढ़ का निर्माण किस श्रेष्ठी ने कराया ?
559. वह कौन सा अतिशय क्षेत्र हैं जहां उड़कर के मंदिर आया हो ?
560. वह कौन सा तीर्थक्षेत्र है जहाँ आचार्य मानतुंग की समाधि हो ?
561. तीर्थक्षेत्र भोजपुर म.प्र. के कौन से जिले में है ?
562. अशोकनगर का वह कौन सा तीर्थ है जो चौबीसी के लिए प्रसिद्ध है ?
563. वह कौन सा तीर्थक्षेत्र है जहां पर 42 फुट की पदमासन भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा है ?
564. श्रवणबेलगोला के तीन महामस्तकाभिषेक किस आचार्य के सान्निध्य में हुए ?
565. किस तीर्थक्षेत्र पर चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर जी की समाधि हुई थी ?
566. अतिशय क्षेत्र कुम्भोज बाहुबली किस जिले में स्थित है ?
567. अतिशय क्षेत्र पारसनाथ कौन से जिले में स्थित है ?
568. सिद्धक्षेत्र गजपंथा से कितने बलभद्र मोक्ष गये ?
569. सिद्धक्षेत्र गजपंथा से कितने मुनि मोक्ष गये ?
570. अतिशय क्षेत्र महुवा पार्श्वनाथ कौन से जिले में है ?
571. सिद्धक्षेत्र पावागढ़ कौन से जिले में है ?
572. सिद्धक्षेत्र पावागढ़ कौन से प्रदेश में है ?
573. सिद्धक्षेत्र तारंगा जी कौन से जिले में है ?
574. सिद्धक्षेत्र तारंगा जी में कुल कितने मंदिर हैं ?
575. सिद्धक्षेत्र तारंगा जी कौन से प्रदेश में है ?
576. अतिशय क्षेत्र उमता जी कौन से जिले में है ?
577. अतिशय क्षेत्र पुण्योदय तीर्थ हॉसी कौन से जिले में है ?
578. अतिशय क्षेत्र पुण्योदय तीर्थ हॉसी कौन से प्रदेश में है ?
579. सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी किस जिले में है ?
580. सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी किस प्रदेश में है ?
581. अतिशय क्षेत्र कमठाण किस जिले में है ?
582. अतिशय क्षेत्र कमठाण किस प्रदेश में है ?
583. अतिशय क्षेत्र कारकल किस जिले में है ?
584. अतिशय क्षेत्र कारकल किस प्रदेश में है ?
585. सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि किस जिले में है ?

586. सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि किस प्रदेश में है ?
587. सिद्धक्षेत्र फलहोड़ी बड़ागांव किस जिले में है ?
588. सिद्धक्षेत्र फलहोड़ी बड़ागांव से कितने मुनि मोक्ष गये हैं ?
589. अतिशय क्षेत्र खजुराहो किस जिले में है ?
590. अतिशय क्षेत्र खजुराहो को पार्श्वनाथ जिनालय कौन सी धरोहर माना जाता है ?
591. अतिशय क्षेत्र खंदारगिरि कौन से जिले में है ?
592. अतिशय क्षेत्र कुण्डलगिरि कोनी जी किस जिले में है ?
593. अतिशय क्षेत्र कुण्डलगिरि कोनी जी में कुल कितने मंदिर हैं ?
594. अतिशय क्षेत्र मक्सी पार्श्वनाथ किस जिले में है ?
595. सिद्धक्षेत्र नैनागिरि किस जिले में है ?
596. अतिशय क्षेत्र पानीगांव किस जिले में है ?
597. ऐसे क्षेत्र का नाम बताइये जहाँ राजा ऐल को कुछ रोग से मुक्ति मिली हो ?
598. मुक्तगिरि कौन से प्रांत में है ? इस क्षेत्र पर आचार्य श्री ने कितनी मुनि दीक्षा दी है ?
599. ऐसे क्षेत्र का नाम बताइये जहाँ दो पार्श्वनाथ भगवान की काले पाषाण में एक हजार आठ फण वाली प्रतिमाएँ हों।
600. अतिशय क्षेत्र श्री पटनागंज जी कौन से जिले में है ?

स्वतंत्रता संग्राम में जैन पुस्तक से

601. संविधान सभा में कितने जैन सदस्य थे ?
602. रतनलाल मालवीय संविधान सभा के सदस्य थे उनका जन्म कहाँ हुआ ?
603. कुसुमकान्त जैन संविधान सभा के सदस्य थे उनका जन्म कहाँ हुआ ?
604. बलवन्त सिंह मेहता संविधान सभा के सदस्य थे उनका जन्म कहाँ हुआ ?
605. भवानी अर्जुन खिमजी संविधान सभा के सदस्य थे उनका जन्म कहाँ हुआ ?
606. चिमनभाई चक्रुभाई शाह संविधान सभा के सदस्य थे उनका जन्म कहाँ हुआ ?
607. संविधान सभा के सदस्य अजित प्रसाद जी का जन्म कहाँ हुआ था ?
608. बाहुबली और भरत के युद्ध को कौन सा युद्ध कहा गया ?
609. विश्व की मूल लिपी कौन सी है ?
610. अग्निकेशी वातरशना आदि के रूप में किसकी उपासना की गई है ?
611. बात रशना का अर्थ क्या है ?
612. श्री आदिनाथ और श्री महावीर स्वामी जी की सुन्दर मूर्ति किस म्यूजियम में है ?
613. वह कौन सा पुराण है जिसके 47वें अध्याय में ऋषभ देव के पुत्र भरत का

- भारत कहा गया हो ?
614. ऋषभदेव की इन्द्र ने शिशुदेव के नाम से उपासना किस वेद में की है ?
615. सिन्धु घाटी की मोहर नं. 3,5 में किस तीर्थंकर का चिन्ह अंकित है।
616. वह कौन सा इतिहासकार है जिसमें सिंधुघाटी से प्राप्त 3,5 मोहर को ऋषभदेव से संबंधित माना हो ?
617. षट्कर्मों का उपदेश किस तीर्थंकर ने दिया था ?
618. वे कौन से तीर्थंकर हैं जिनके काल में गणतंत्र की परम्परा थी ?
619. मौर्यवंश की स्थापना करने वाला कौन सा जैन सम्राट हुआ है ?
620. अरिष्टनेमि का नाम किस साहित्य में मिलता है ?
621. नेमिनाथ के तीर्थकाल में कौन सा युद्ध हुआ ?
622. सम्राट सिकन्दर अपने साथ कौन से मुनि को ले गया था ?
623. सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य कौन से आचार्य का भक्त था ?
624. सम्राट खारबेल ने कहाँ प्राचीन लेख लिखवाया ?
625. उदयगिरि खण्डगिरि की गुफालेख की भाषा कौन सी है ?
626. वह कौन सा सेनापति था जिसने श्रवणबेलगोला की बाहुबली की मूर्ति का निर्माण करवाया ?
627. चित्तौड़ के राजा तेजसिंह की वह कौन सी रानी थी जिसने पार्श्वनाथ का सुन्दर मंदिर बनवाया ?
628. महात्मा गांधी के अध्यात्मिक गुरु कौन थे ?
629. होयसलवंश की महादेवी कौन थी ? जिसने श्रवणबेलगोला में समाधि ली हो ?
630. वे कौन से जैनाचार्य थे जिन्हें अमोघवर्ष राष्ट्रकूट वंशी राजा अपना गुरु मानता था ?
631. वे कौन से राज ऋषि हैं जिन्होंने प्रश्नोत्तर रत्नमाला ग्रंथ की रचना की हो ?
632. वे कौन से मुनि हैं जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे ?
633. वह कौन से क्षुल्लक जी थे जिन्होंने अपनी एक चादर देश के लिये दान दे दी हो ?
634. वह कौन से क्रान्तिकारी थे जिन्होंने जेल में जिनदेव के दर्शन बिना भोजन नहीं किया ?
635. गढ़ाकोटा में हुए जैन अमर शहीद का नाम क्या है ?
636. दमोह के जैन अमर शहीद कौन हैं ?
637. मण्डला के जैन अमर शहीद का क्या नाम है ?
638. अमर शहीद मोतीचन्द्र शाह का जन्म कहाँ हुआ ?

639. अमर शहीद वीर साताप्पा टोपणावर का जन्म कहाँ हुआ ?
640. अमर शहीद कुमारी जयावती संघवी का जन्म कहाँ हुआ ?
641. अमरशहीद नाथालाल शाह का जन्म अहमदाबाद के पास कौन से गांव में हुआ ?
642. अमर शहीद अन्नापत्रा वाले का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
643. अमर शहीद मगनलाल ओसवाल के पिताजी का क्या नाम था ?
644. अमर शहीद भूपाल अणुसपुरे का जन्म कहाँ हुआ था ?
645. अमर शहीद कन्दीलाल जैन का जन्म कहाँ हुआ ?
646. अमर शहीद मुलायमचंद जैन का जन्म कहाँ हुआ ?
647. अमर शहीद चौधरी भैयालाल का जन्म कहाँ हुआ ?
648. अमर शहीद चौथमल भंडारी का जन्म कहाँ हुआ ?
649. अमर शहीद भूपाल पंडित ने कितने बार जेल यात्रायें की ?
650. अमर शहीद भारमल का जन्म कहाँ हुआ ?
651. अमर शहीद हरिश्चन्द्र दगडोवा का जन्म कहाँ हुआ ?
652. अमर शहीद लाला हुकुमचंद के पिता का नाम क्या था ?
653. अमर शहीद अमरचंद वांठिया का जन्म कहाँ हुआ ?
654. अमर शहीद फकीरचंद को कितने वर्ष की आयु में फाँसी दी गई ?
655. जैन अमर शहीद कितने हुए हैं ?
656. श्रीमति अंगूरी देवी स्वतंत्रता सेनानी के पिता का नाम क्या था ?
657. कर्नल गुरुबख्शसिंह बिल्लो को शिवीपुरी में बसाने वाले कौन थे ?
658. वौ कौन से जैन राजनेता थे जो 25 वर्ष तक आगरा से लोकसभा सदस्य रहे ?
659. श्री बनारसीदास चतुर्वेदी ने किसे अखिल भारत के चोटी के हिन्दी सेवक कहा था ?
660. अजित प्रसाद जैन किस प्रदेश के राज्य पाल रहे ?
661. उत्तरप्रदेश काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजित प्रसाद जैन कब रहे ?
662. अर्जुनलाल सेठी का जन्म कहाँ हुआ था ?
663. अर्जुनलाल के पिताजी का नाम क्या था ?
664. स्वतंत्रता सेनानी अमृतलाल शास्त्री के पिता का नाम क्या था ?
665. स्वतंत्रता सेनानी अयोध्या प्रसाद का गोयलीयने प्रसिद्ध कौन सी कृति रची ?
666. आयोध्या प्रसाद जी किस ग्रंथमाला के सम्पादक रहे ?
667. वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं जो अखबार हाकर से नगर पालिका अध्यक्ष तक बने ।

668. मंडी बामोरा के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो कवि भी थे ?
669. जावद म.प्र. से विधानसभा सदस्य रहने वाले स्वतंत्रता सेनानी जैन कौन थे ?
670. अत्याचार कलमबत सहना तुझे कसम ईमान की ये पंक्तियाँ किस जैन स्वतंत्रता सेनानी ने लिखी ?
671. वह कौन सा जैन महाविद्यालय था जो स्वतंत्रता सेनानियों का गढ़ माना जाता रहा हो ?
672. हिन्दी भाषा को भारतीय नाम देने वाले कौन से विद्वान स्वतंत्रता सेनानी थे ?
673. गढ़कोटा के वे कौन से जैन स्वतंत्रता सेनानी थे जो व्यायामशाला चलाते थे ?
674. राजस्थान के वे कौन से स्वतंत्रता सेनानी थे जो महाधी वक्ता रहे हो ?
675. जैन स्वतंत्रता सेनानी वे कौन थे जिन्होंने 13 वर्ष की उम्र में बलि चढ़ाने का विरोध किया हो ?
676. ललितपुर के वे कौन से प्रसिद्ध कवि हुए हैं जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे ?
677. मध्यप्रदेश में पत्रकार पितामह के नाम से प्रसिद्ध कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे ?
678. कोटा के वे कौन से स्वतंत्रता सेनानी समाजवादी नेता थे जो प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार रहे हो ?
679. वे कौन से जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं जो महामहोपाध्याय की उपाधि से विभूषित थे ?
680. सहारनपुर के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिनका नाम एक प्रसिद्ध पक्षी से जुड़ा हो ?
681. पाटन के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्य शिक्षक रहें हो ?
682. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के निजि चिकित्सक कौन से जैन स्वतंत्रता सेनानी थे ?
683. सागर के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो दमोह से सांसद रहें हो ?
684. उदासीन आश्रम सागर के वे कौन से ब्र. थे जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहें हो ?
685. सस्ता साहित्य मण्डल के संस्थापक एवं जैन स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं ?
686. आगरा जिले के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो शुल्लक पद पर आसीन हुए हों ?
687. वे कौन से प्रसिद्ध पंडित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिनका जन्म महारौनी में हुआ हो ?

688. ब्रह्मचारी पूरनचंद लुहाड़िया का जन्म कहाँ हुआ ?
 689. वो कौन से सिद्धांत शास्त्री हुए हैं जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और सिद्धान्ताचार्य थे ?
 690. बीना के वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं जो व्याकरणाचार्य रहें हो ?
 691. सिलवानी के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी जो विधानसभा सदस्य रहें हों ?
 692. रीवा के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो ग्राम सेवक रहे हों ?
 693. वो कौन से स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी रहें हैं जो राजस्थान के जलियावाला काण्ड से जुड़े रहे हो ?
 694. मध्यभारत के मुख्यमंत्री कौन रहे ?
 695. मध्यप्रदेश के वे कौन से जैन मुख्यमंत्री थे जिनका जन्म राजस्थान झालरापाटन में हुआ हो ?
 696. इंदौर के वे कौन से जैन थे जिन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिला हो ?
 697. वे कौन से प्रसिद्ध उपन्यासकार हुए हैं जो जैन थे पर जैन नहीं लिखते थे ?
 698. छतरपुर के वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जो विधायक रहें हों ?
 699. वे कौन से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं जो डॉ. महेन्द्र कुमार न्यायाचार्य के छोटे भाई थे ?
 700. स्वतंत्रता संग्राम में जैन नामक पुस्तक का संकलन किसने किया ?

**संस्कार सागर आचार्य श्री विद्यासागर 14 विशेषांक
 जून 2017 से जुलाई 2018 तक संस्कार प्रश्नोत्तरी
 भाग- 1, ब. संगोष्ठी श्रवणबेलगोल, विराट स्वरूप
 विद्यासागर आदि पुस्तकों से**

701. 14-07-1974 रविवार का आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा दिये गये प्रवचन किस शीर्षक के नाम से प्रकाशित हैं ?
 702. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समस्त साहित्य का संकलन किस नाम से हुआ है ?
 703. डॉक्टर श्री भागचन्द्र जी भास्कर द्वारा मूकमाटी पर रचित एक ग्रंथ का नाम है ?
 704. प्रो. श्री शीलचंद जी द्वारा मूकमाटी पर लिखित ग्रंथ का नाम है ?
 705. 1971 में आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा दुर्ग (मध्यप्रदेश) में दिये गये प्रवचन संकलन का नाम है ?
 706. 1992 में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा पठन कराया गया ग्रंथ का नाम है ?

707. क्षुल्लिका श्री समाधिमति माताजी की समाधि कहाँ हुई थी ?
 708. ऐलक श्री सिद्धांत सागर जी की ऐलक दीक्षा कहाँ हुई थी ?
 709. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने समयसार कलश का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
 710. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने पात्र केसरी ग्रंथ का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
 711. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने समयसार ग्रंथ का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
 712. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने इष्टोपदेश का पद्यानुवाद कितनी बार कौन से छंद में किया ?
 713. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने संस्कृत में कितने शतक लिखे ?
 714. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित प्रथम हिन्दी शतक का नाम क्या है ?
 715. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने प्रथम संस्कृत का पद्यानुवाद किस ग्रंथ का किया ?
 716. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की संस्कृत की प्रथम रचना का नाम क्या है ?
 717. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने रत्नकरंड श्रावकाचार का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
 718. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने स्वयंभू स्तोत्र का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
 719. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सान्निध्य में सागर में पंचकल्याणक किस क्षेत्र की सहायता हेतु चलाया गया था ?
 720. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित सबसे बड़ी आर्यिका ?
 721. ब्राह्मी विद्या आश्रम जबलपुर की स्थापना कब हुई थी ?
 722. श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.) में ग्रेनाइट पर कौन से ग्रंथ का आलेखन किया गया है ?
 723. आचार्य श्री ने नौ उपवास कहाँ और कब किया ?
 724. आचार्य श्री ने हरी सब्जी का त्याग कब और कहाँ किया ?
 725. आचार्य श्री ने घास की चटाई का त्याग कब किया ?
 726. आचार्य श्री केशलॉच कितने महीनों के बाद करते हैं ?
 727. आचार्य श्री नमक और मीठा का त्याग कब किया ?

728. आचार्य श्री ने अभी तक कितने प्रांतों में विहार किया है ?
729. आचार्य श्री अभी तक कितने प्रांतों के शिष्यों को दीक्षा दी है ?
730. आचार्य श्री के ऐसे शिष्य का नाम बताओं, जिन्होंने एम-टेक की शिक्षा प्राप्त की जिनकी समाधि सागर में हुई ?
731. आचार्य श्री के ऐसे शिष्य का नाम बताओं जो जन्म से अजैन हो तथा जिनकी शिक्षा एमबीबीएस है ?
732. आचार्य श्री संघ में सबसे अधिक शिष्य किस जिले के हैं ?
733. आचार्य श्री ने जब बुंदेलखंड में प्रवेश किया तब उन्होंने सबसे पहले किस सिद्धक्षेत्र के दर्शन किये ?
734. जिनकी मुनियों के पर श्रद्धा कम हो गई है वह आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन जाकर कर ले यह वाक्य किसने कहा ?
735. आचार्य श्री ने **तेरह सौ एक** नामक प्रवचन कहाँ और कब दिया ?
736. आचार्य श्री ने भक्त का उत्सर्ग नामक प्रवचन कहाँ और कब दिया ?
737. बालक विद्याधर वैराग्य गुरु कौन थे ?
738. बालक विद्याधर ने ब्रह्मचर्य व्रत कहाँ लिया ?
739. बालक विद्याधर ने सप्तम प्रतिमा कहाँ पर ली थी ?
740. आचार्य श्री ने प्रथम कन्नड़ अनुवाद किस ग्रंथ का किया ?
741. आचार्य श्री ने प्रथम संस्कृत रचना किस स्तुति में की ?
742. आचार्य श्री ने प्रथम अंग्रेजी में रचना किसकी की ?
743. आचार्य श्री ने घर से मंदिर कितना दूर है प्रश्न का उत्तर क्या दिया ?
744. बालक विद्याधर की जब दीक्षा हुई तब क्या आश्चर्य हुआ ?
745. बालक विद्याधर की दीक्षा किस तिथि को हुई ?
746. मुनि विद्यासागर जी को आचार्य पद किस तिथि को मिला ?
747. आचार्य श्री ने मुनिपद में कितने चातुर्मास किये ?
748. यदि चतुर्थ काल के मुनि के दर्शन करना हो तो विद्यासागर के दर्शन करे आओ। यह बात किसने कहा ?
749. मुनि श्री विद्यासागर जी का प्रथम आहार कहाँ हुआ था ?
750. ऐलक श्री आनंदसागर जी की समाधि कहाँ हुई थी ?
751. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अंग्रेजी में कितनी कविताएँ लिखी ?
752. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अष्टपाहुड़ का पद्यानुवाद कितने वसंततिलका छंदों में किया ?
753. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की स्तुति कब लिखी

754. 1976 के शीतकाल में अध्यापित कराया ग्रंथ का नाम ?
755. आचार्य विद्यासागर महाराज के दीक्षित झारखंड में जन्मे कौन से मुनिराज हैं ?
756. आचार्य विद्यासागर जी महाराज की प्रसिद्ध कृति मूकमाटी पूर्ण हुई थी ?
757. आचार्य विद्यासागर जी महाराज द्वारा लिखित अंग्रेजी कविता है ?
758. आचार्य विद्यासागर जी महाराज द्वारा लिखित बंगला कविता है ?
759. आचार्य विद्यासागर जी महाराज बुंदेलखंड में प्रथम चातुर्मास हुआ था ?
760. आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने कन्नड़ में कितनी कविताएँ लिखी हैं ?
761. श्री नियमसार जी ग्रंथ का पद्यानुवाद किस छंद में हुआ ?
762. श्री समाधितंत्र जी नामक ग्रंथ का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
763. आचार्य विद्यासागर जी ने सबसे अधिक पद्यानुवाद किस प्रांत में एवं कितने किये ?
764. आचार्य विद्यासागर जी ने सबसे पहले आर्यिका दीक्षाएँ किस जिले में दी ?
765. श्री निजानुभव शतक जी की रचना पूर्ण हुई थी ?
766. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की स्तुति कब लिखी ?
767. स्तुति लिखने के लिए आचार्य श्री को किसने कहा था ?
768. प्रवचन पर्व पुस्तक में कौन से प्रवचनों को संकलन है ?
769. प्रवचन प्रमेय पुस्तक में कहाँ के प्रवचनों का संकलन है ?
770. धर्म सनातन होता है नामक प्रवचन का संतन होता है ? नामक प्रवचन का संग्रह कौनसी पुस्तक में ?
771. पुरुषार्थ के बिना आत्मा का कल्याण नहीं नामक प्रवचन कब दिया ?
772. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से ऐसे कौन से महाराज दीक्षित हैं जो गृहस्थ अवस्था में मामा-भानजे हो
773. ऐसे मुनिराज का नाम बताओं जिन्होंने विदिशा से अपने घर जिस दिन पड़गाहन कर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को आहार दिया उसी दिन उनकी दीक्षा हो गई है ?
774. आचार्य श्री विद्यासागर जी रात्रि में कितने घंटे विश्राम करते हैं ?
775. बालक विद्याधर का जन्म कब हुआ था ?
776. बालक विद्याधर के दादा का नाम क्या था ?
777. बालक विद्याधर की मातृभाषा कौन सी थी ?
778. बालक विद्याधर से यह पूछने पर कि घर से मंदिर कितने दूर है इसका क्या उत्तर दिया ?
779. बालक विद्याधर का मंजूषा बंधन संस्कार किसके सानिध्य में हुआ ?

780. मल्लप्पा जी कुल कितनी संतान थी ?
781. मल्लप्पा जी के प्रथम पुत्र का नाम क्या था ?
782. बालक विद्याधर की कितने बहिनें थी ?
783. बालक विद्याधर के भाई अनंतनाथ ने मुनि दीक्षा आचार्यश्री विद्यासागरजी से ली तो उनका क्या नाम रखा गया ?
784. बालक विद्याधर के भाई शांतिनाथ ने मुनि दीक्षा आचार्यश्री विद्यासागरजी से ली तो उनका क्या नाम रखा गया ?
785. श्री मल्लप्पा जी के कितने बेटों का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था ?
786. मल्लप्पा जी शिक्षा 1 से 5 वीं तक किस भाषा में हुई ?
787. मल्लप्पा जी शिक्षा 6 से 7 वीं तक किस भाषा में हुई ?
788. बालक विद्याधर के चाचा का नाम क्या था ?
789. बालक विद्याधर की दादी का नाम क्या था ?
790. बालक विद्याधर की बड़ी बुआ का नाम क्या था ?
791. आचार्य विद्यासागर शतक किसने लिखा था।
792. मुमुक्षुओं के आत्म कल्याणार्थ चिकित्सा सुविधा हेतु भाग्योदय तीर्थ का निर्माण कहाँ पर हुआ है ?
793. एक नए नक्षत्र का उदय शीर्षक से आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज पर लेख किसने लिखा था ?
794. विद्याधर से विद्यासागर नाम से आचार्यश्री का जीवन वृत्ति किसने लिखा
795. मुक्तिपथ का राही लेख किसने लिखा है ?
796. ज्योतिर्मय निर्ग्रन्थ नामक पुस्तक किसने लिखी ?
797. युग पुरुष आचार्य विद्यासागर नामक लेख किसने लिखा है ?
798. विद्यासागर गीत गंगा किसने लिखी है ?
799. विद्यासागर पंच विंशतिका किसने लिखी है ?
800. सदलगा के संत महाकाव्य किसने लिखा ?
801. आत्मानुवेषी उपन्यास किसने लिखा ?
802. मूकमाटी का शैलीपरक अनुशीलन पर पी.एचडी. कर किसको डॉक्टर की उपाधि प्राप्त हुई ?
803. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के ब्र. श्री विद्याधर जी ने सर्वप्रथम दर्शन कहा किये थे ?
804. आचार्य श्री ज्ञानसागरजी के प्रथम दर्शन किये थे तब कितनी प्रतिमा थी ?

- सात प्रतिमाधारी
805. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने हिन्दी में कितने शतक लिखे हैं ?
806. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने संस्कृत में कितने शतक लिखे हैं ?
807. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने रत्नकरण्ड श्रावकाचार का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
808. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने आत्मानुशासन का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
809. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने समयसार कलशका पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
810. आचार्यश्री विद्यासागरजी ने स्वयंभू स्रोत का पद्यानुवाद किस नाम से किया ?
811. आचार्य श्री कुन्दकुन्द के कितने ग्रन्थों का पद्यानुवाद आचार्यश्री विद्यासागरजी ने किया ?
812. क्या है निरंजन शतक में लेख के लेखक कौन है ?
813. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज ने निरंजन शतक (संस्कृत) में कब लिखा ?
814. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज ने निरंजन शतक (हिन्दी) में कब लिखा ?
815. आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने प्रारंभ में कितने आचार्यों की स्तुति लिखी ?
816. आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने आचार्य शांतिसागरजी की स्तुति कब लिखी ?
817. आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने आचार्य वीरसागरजी की स्तुति कब लिखी ?
818. आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने आचार्य शिवसागरजी की स्तुति कब लिखी ?
819. आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने आचार्य ज्ञानसागरजी की स्तुति कब लिखी ?
820. ब्र. विद्याधर के अंदर वैराग्य का बीज कितने वर्ष की उम्र में किसने डाला था ?
821. बालक विद्याधर के पिता का नाम क्या था ?
822. बालक विद्याधर की माताजी का नाम क्या था ?
823. श्री मल्लप्पा जी ने कौन-सी दीक्षा ली तथा उनका नाम क्या रखा गया ?
824. श्रीमन्तिजी ने कौन-सी दीक्षा ली तथा उनका नाम क्या रखा गया ?
825. बालक विद्याधर के कितने सगे भाईयों ने मुनि दीक्षा आचार्यश्री विद्यासागर

- जी से ली
826. मूकमाटी चेतना के स्वर पर डी. लिट. कर डॉ. की उपाधि किसने प्राप्त की ?
827. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी दीक्षायें दी ?
828. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी मुनि दीक्षायें दी ?
829. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी आर्थिका दीक्षायें दी ?
830. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी ऐलक दीक्षायें दी ?
831. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी क्षुल्लक दीक्षायें दी ?
832. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कुल कितनी क्षुल्लिका दीक्षायें दी ?
833. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित कर्नाटक प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
834. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित महाराष्ट्र प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
835. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित दिल्ली प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
836. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित उत्तर प्रदेश प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
837. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित राजस्थान प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
838. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित छत्तीसगढ़ प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
839. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित तमिलनाडू प्रान्त की कितनी आर्थिका माता जी हैं ?
840. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कितने प्रान्तों की शिष्याओं को आर्थिका दीक्षा दी ?
841. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कितने प्रान्तों की शिष्यों को मुनि दीक्षा दी ?
842. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कितने बार ऐलक दीक्षा दी ?
843. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कितने बार क्षुल्लक दीक्षा दी ?
844. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कितने बार मुनि दीक्षा दी ?
845. स्वयं भू स्तोत्र का पद्यानुवाद आचार्य श्री विद्यासागर जी ने किस नाम से किया है ?
846. श्रुतज्ञानी का जो विकल्प द्रव्य के अंश को अपना विषय बनाता है। वह नय है यह कौन से ग्रन्थ में आया है ?

847. नय एक एक धर्म के विश्लेषण है और धर्म एक ही वस्तु में अनन्त माने गये हैं यह कौन से ग्रन्थ में आया है ?
848. संसार में जो विचार वैषम्य हैं वह अपने एकान्त पक्ष को पुष्ट करने के आग्रह की वजह से हैं यह कौन से ग्रन्थ में आया है ?
849. स्याद्वाद को समझने के लिए नयों की व्यवस्था की गई यह कौन से ग्रन्थ में आया है ?
850. अनेकान्त का हृदय है समता यह आचार्य श्री ने कौन से ग्रन्थ में कहा है ?
851. परमार्थ में शुद्धोपयोगी मुख्य है इसके बिना शुद्धात्मा की प्राप्ति असंभव है यह आचार्य श्री ने कौन से शतक में कहा है ?
852. जो आप्त बने हैं वो निजानुभवन रूप ध्यान से बने हैं यह आचार्य श्री ने कौन से शतक में कहा है ?
853. शुद्धोपयोगी साधक ही मुख्य रूप से ही सिद्धि सुख को पाता है। यह आचार्य श्री ने कौन से ग्रन्थ में कहा है ?
854. स्व से भिन्न पर को अपना मानना सब कुछ खोना है यह आचार्य श्री ने कौन से ग्रन्थ में कहा है ?
855. शुद्धोपयोग की सबसे अधिक महत्ता है यह कौन सी आचार्य की दृष्टि है ?
856. शुद्धोपयोग की प्राप्ति होने पर आत्मज्ञ हो जाता है यह कौन से शतक में कहा है ?
857. वस्तु के परिणामों में अन्य पदार्थ निमित्त बनता है लेकिन कर्त्ता नहीं बनता यह कौन से ग्रन्थ में आया है ?
858. दो बेडिया कनक की एक लोहे की है ज्यों एक सी पुरुष को कस बाँधती है यह पक्तियां आचार्य श्री ने कौन से ग्रन्थ में कही हैं ?
859. अनुपम अपनी महिमा में मुनि भेद ज्ञानवश रमते हैं। ये पक्तियां आचार्य श्री ने कौन से ग्रन्थ के पद्यानुवाद में लिखी हैं ?
860. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एकान्त में केशलोच करते हैं वह किसके अनुकूल हैं ?
861. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने साधुओं को कौन सी वृत्ति से आहार करने को कहा है ?
862. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जो आहार ग्रहण करते हैं वह किसके रक्षार्थ करते हैं ?
863. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के एक एक कदम्ब में कौन सा ग्रन्थ झलकता है ?
864. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के एक एक श्वांस में क्या महकता है ?

865. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के हर रोम में क्या निकलता है ?
866. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी किसके समान निष्कंप रहते हैं ?
867. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी किसके समान निर्भीक रहते हैं ?
868. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ध्यान में स्थित किसके साथ रहते हैं ?
869. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज को व्रतो के प्रति निरतिचार पालन की शक्ति किससे मिलती है ?
870. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह आवश्यको को बड़े आदर से किस पूर्वक करते हैं ?
871. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी सामायिक में कितनी भी विषमता आने पर भी क्या नहीं करना चाहते हैं ?
872. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी का किनके गुणगान में कभी भी मन चलायमान नहीं दिखायी देता ?
873. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी का ज्ञान के प्रति क्या झलकता दिखायी देता है ?
874. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी प्रतिक्रमण में प्रत्येक शब्द कैसे उच्चारित करते हैं ?
875. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी जब कायोत्सर्ग करते हैं तो उनकी क्या हिलती हुई दिखायी नहीं देती ?
876. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी हमेशा हर परस्थिति में कैसे रहते हैं ?
877. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी बसति का समाज मंदिर ग्राम नगर में कैसे भाव नहीं रखते ?
878. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के रोम रोम के क्या झलकता है ?
879. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के अंग अंग की रचना कैसी है ?
880. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी अन्तरंग बहिरंग परिग्रह के ग्रह से दूर किसकी छेनी से कर्म पर्वत को काट रहे हैं ?
881. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी कभी भी किसका उपयोग नहीं करते ?
882. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी कैसी परिस्थिति हो मुहं से क्या बाहर नहीं करते ?
883. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी रात्रि में अहिंसाव्रत के पालन के लिये किसका उपयोग नहीं करते ?
884. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी रात्रि में कभी भी क्या नहीं करते हैं ?
885. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी किसके समान गम्भीर हैं ?

886. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी क्या ज्यादा करते क्या कम करते हैं ?
887. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी बोलने में एक एक शब्द कैसे निकालते हैं ?
888. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी जैन गगन के क्या हैं ?
889. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी संस्कृति के क्या हैं ?
890. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी गरीबों के क्या हैं ?
891. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने मुनि श्री समयसागर महाराज जी को निर्यापक पद कब और कहाँ दिया ?
892. सिद्धोदय तीर्थ पर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा कितनी मुनि दीक्षायें दी गई ?
893. सिद्धोदय तीर्थ पर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा कितनी आर्यिका दी गई ?
894. आचार्य विद्यासागर महाराज जी का अतिशय क्षेत्र पटनागंज में सर्वप्रथम प्रवेश कब हुआ था ?
895. आचार्य विद्यासागर महाराज द्वारा आर्यिका दीक्षा देने का प्रारंभ कौन से क्षेत्र से हुआ ?
896. आचार्य विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी में समवशरण मंदिर पर पंचकल्याण किस सन् में हुआ था ?
897. आचार्य विद्यासागर महाराज जी का रामटेक में प्रथम चातुर्मास किस सन् में हुआ था ?
898. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी में कितनी आर्यिका दीक्षायें दी गई ?
899. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी में कुल कितनी दीक्षायें दी गई ?
900. मूकमाटी भवन कहा पर बन रहा है ?
901. श्री अतिशय क्षेत्र कोनीजी में आचार्य श्री विद्यासागर जी के सानिध्य में पंचकल्याणक कब हुआ था ?
902. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा लिखित नर्मदा का नरम कंकर पुस्तक का लोकार्पण सर्वप्रथम कहा और कब हुआ था ?
903. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा लिखित परीषह जय शतक कहाँ पर पूर्ण हुआ ?
904. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा रत्नकरण्ड श्रावकाचार का पद्यानुवाद कब पूर्ण हुआ था ?

905. आचार्य विद्यासागर महाराज जी द्वारा लिखित डूबो मत लगाओ डुबकी नामक काव्य संग्रह में कितनी कवितायें हैं ?
906. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की प्रथम वाचना कहा पर हुई थी ?
907. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की वाचना जबलपुर में कब हुई थी ?
908. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की वाचना खुरई में कब हुई थी ?
909. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की वाचना ललितपुर में कब हुई थी ?
910. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की वाचना ईशरी में कब हुई थी ?
911. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में 2015 में युवा सम्मेलन कहाँ पर हुआ था ?
912. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी द्वारा 25 जनवरी 1993 को तप कल्याणक के दिन कितनी आर्थिकायें दीक्षायें हुई थी ?
913. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में प्रथम पंच कल्याणक कहा पर हुआ था ?
914. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में सागर में कितने पंच कल्याणक हो चुके हैं ?
915. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में मुरैना में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
916. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में खुजराहो में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
917. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में केसली में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
918. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में सिरोंज में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
919. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में सिवनी में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
920. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में आहूरा नगर सूरत के पंच कल्याणक में माता पिता बनने का सौभाग्य किसे प्राप्त हुआ था ?
921. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में छिदंवाडा में पंच

- कल्याणक कब हुआ था ?
922. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में बिलासपुर में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
923. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में बेगमगंज में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
924. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में गढ़कोटा में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
925. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में रहली में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
926. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में तारादेही में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
927. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में कंटगी में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
928. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में भानपुर भोपाल में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
929. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में सिलवानी में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
930. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के सानिध्य में डोंगरगांव में पंच कल्याणक कब हुआ था ?
931. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित ऐसी आर्थिका माता जी का नाम बताओ जिनकी दीक्षा 17 वर्ष की आयु में हो गई थी ?
932. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित 130 मुनिराजों में हिन्दी भाषा का प्रयोग करने वाले कितने मुनिराज हैं ?
933. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित 172 आर्थिकाओं में हिन्दी भाषा का प्रयोग करने वाले कितने आर्थिका माता जी हैं ?
934. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने अभी तक कुल कितने बार दीक्षायें दी ?
935. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने बार क्षुल्लक दीक्षा दी है ?
936. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने बार ऐलक दीक्षा दी है ?
937. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने बार मुनि दीक्षा दी है ?
938. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने बार आर्थिका दीक्षा दी है ?
939. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने बार क्षुल्लिक दीक्षा दी है ?
940. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को कुण्डलपुर क्षेत्र

- पर दीक्षायें दी ?
941. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को नेमावर क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
942. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को जबलपुर में दीक्षायें दी ?
943. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को नेनागिर क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
944. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को रामटेक क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
945. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को मुक्तागिरी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
946. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को सोनागिर क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
947. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को थुवोन जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
948. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को ईसरी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
949. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को आहार जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
950. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को तारंगा जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
951. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को श्री गिरनार जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
952. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को श्री महुआ जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
953. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को श्री द्रोणगिरी जी क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
954. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को सागर में दीक्षायें दी ।
955. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को सिद्धवरकूट क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
956. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने कितने शिष्यों को बीनाबारह क्षेत्र पर दीक्षायें दी ?
957. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित 64 क्षुल्लकों में से कितने

- क्षुल्लको ने एलक मुनि दीक्षा ली ?
958. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित 130 मुनिराजों में से सबसे अधिक मुनिराज कौन से प्रांत के हैं ?
959. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी से दीक्षित 172 आर्यिका माता जी में से मध्यप्रदेश की कितनी माता जी हैं ?
960. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने एक साथ सर्वाधिक दीक्षायें कहाँ पर कितनी दी थी ?
961. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने एक साथ सर्वाधिक मुनि दीक्षा कहाँ पर कितनी दी थी ?
962. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी ने एक साथ सर्वाधिक क्षुल्लक दीक्षा कहाँ पर कितनी दी थी ?
963. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के मुनि दीक्षा कब हुई थी ?
964. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी को आचार्य पद कब मिला था ?
965. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी को आचार्य पद कहाँ मिला था ?
966. आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी को आचार्य पद किसने दिया था ?
967. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित ज्ञानधारा पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
968. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित आत्मदर्शी पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
969. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित अनाशक्त महायोगी पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
970. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित विद्यासागर जी पचास लहरें पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
971. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित मेरे गुरुवर पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
972. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु भक्ति शतक पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
973. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित श्रवण परम्परा के महाश्रवण पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
974. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु गरिमा गुणगान पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
975. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु पाद पूजन पुस्तक के संकलन का नाम क्या है ?

976. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु प्रेरणा पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
977. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित दृष्टांत से सिद्धांत की ओर पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
978. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित परमार्थ देशना पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
979. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित ज्ञान विद्याजलि पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
980. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित लेखनी लिखती पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
981. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु गुरु पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
982. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित गुरु से सुना वही चुना पुस्तक के लेखक का नाम क्या है ?
983. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर मासिक पत्रिका के कितने विशेषांक निकले ?
984. आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर आचार्य विद्यासागर महाराज और दार्शनिक चिंतन विषय पर संगोष्ठी कहाँ पर हुई ?
985. आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर आचार्य विद्यासागर महाराज और दार्शनिक चिंतन विषय पर संगोष्ठी कब से कब तक हुई ?
986. आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर आचार्य विद्यासागर महाराज और दार्शनिक चिंतन विषय पर संगोष्ठी में संयोजक कौन थे ?
987. आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर आचार्य विद्यासागर महाराज और दार्शनिक चिंतन विषय पर संगोष्ठी में पं. रतनलाल जी इन्दौर को कौन सी उपाधि से सम्मानित किया गया ?
988. बालक विद्याधर के बड़े भाई का नाम क्या था ?
989. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर जून 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
990. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर जुलाई 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
991. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर अगस्त 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?

992. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर सितम्बर 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
993. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर अक्टूबर 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
994. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर नवम्बर 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
995. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर दिसम्बर 2017 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
996. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर जनवरी 2018 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
997. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर फरवरी 2018 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
998. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर मार्च 2018 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
999. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर अप्रैल 2018 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?
1000. आचार्य श्री के जीवन से संबंधित संयम स्वर्ण महोत्सव पर संस्कार सागर मई 2018 माह में कौन सा विशेषांक निकला ?

संस्कार सागर



नई दिशा, नया चिंतन

नए प्रयासों का नया कदम

संस्कार निर्माण का हर वर्ग साथी,
संस्कार सागर है हरदम ॥

सदस्यता शुल्क

वार्षिक	आजीवन
201/-	2100/-

विज्ञापन शुल्क

रंगीन पूरा पेज	आधा पेज रंगीन
15000/-	8100/-

कार्यालय : संस्कार सागर

श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बाँम्बे हॉस्पिटल के पास,
ए.बी. रोड, इंदौर-10 (म.प्र.)

फोन : 0731-4003506, 8989505108

पर्युषण पर्व की व्यापकता (दशलक्षण पर्व पर्युषण पर विशेष)

✽ उमेश जैन शास्त्री नैकोरा (ललितपुर) ✽

दशलक्षण पर्व एक ऐसा पर्व है जो पर्युषण पर्व के रूप में आकर समस्त देशवासियों को सुख शान्ति का संदेश देता है यह पावन पर्व सिर्फ जैनियों को ही नहीं बल्कि सभी समाजजन को अपने अहंकार और क्रोध का त्याग करके संयम रूपी रथ पर सवार होकर शान्तिमय जीवन जीने व उच्च विचारों को ग्रहण करने की प्रेरणा देता है। दश दिनों तक चलने वाला यह पर्वराज पर्युषण पर्व समस्त जैन समाज इसे बड़े उत्साह के साथ मनाता है। लोग नियम पूर्वक बड़े भक्ति भाव से जिनेन्द्र देव की पूजन अर्चन आरती उपवास एकासन व्रत रात्रि में अन्न-जल का त्याग करके बहुत ही त्याग भावना से संयम पूर्वक और जिनेन्द्र देव की आराधना करते हैं और धर्म चित्त लगाकर पर्युषण महापर्व का आनन्द उठाते हैं।

इन दिनों रात्रि मन्दिरों में सामायिक पाठ प्रवचन आरती के साथ-साथ भक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी भव्य आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से अलग-अलग विचारधाराओं से प्रेरित करके सन्मार्ग पर चलने का अपने अहंकार को त्यागने और दूसरों की भलाई के लिये कार्य करने की प्रेरणास्पद कार्यक्रमों का मंचन करके समाजवासियों को प्रेरणा देता है। इसमें क्षमा वाणी पर्व का अलग ही महत्व होता है, क्षमावाणी पर्व हमें सहन-शीलता से रहने की प्रेरणा देता है। इस दशलक्षण पर्व में प्रतिदिन दशधर्मों की पूजा होती है। एक-एक क्रम से मंत्र की जाप होती है एवं प्रतिदिन एक-एक धर्म की वाचना होती है अर्थात् एक धर्म पर प्रवचन होते हैं जो कि धर्म क्रमानुसार हैं। **उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम सत्य, उत्तम शौच, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आर्किंचन, उत्तम ब्रह्मचर्य** ये दशधर्म हैं।

1. उत्तम क्षमा- क्षम्यते क्षमते वा क्षमा। सहन किया जाये वा सहन करें उसे क्षमा कहते हैं। सहन शीलता आत्मा का स्वाभाविक गुण है, क्रोध की उत्पत्ति के साक्षात् कारण उपस्थित होने पर भी क्रोध भाव नहीं होना समता भाव होना उत्तम क्षमा है।

2. उत्तम मार्दव-मृदोर्भावः मार्दवः मृदुता का भाव मार्दव है। यह मार्दव धर्म संसार का नाशक है, मान मर्दन करने वाला है यह धर्म का यह मार्दव ही मूल है। निर्मलता का कारण है सबका हितकारक है सब गुणों में श्रेष्ठ है और उसी मार्दव से व्रत और संयम सफल होते हैं। जो मद नहीं करता वह मार्दव रूपी रत्न का धारी है।

3. उत्तम आर्जव-ऋजोर्भावः आर्जवः आर्जव धर्म का सर्वश्रेष्ठ लक्षण है मन को

स्थिर करने वाला है, पापनाशक है, सुख को उत्पन्न करने वाला है। पापों का क्षयकारी है। इसलिये आर्जव धर्म का आचरण करो, इसी का पालन करो और उसी को श्रवण करो क्योंकि मायाचार करने वाले को नियम से तिर्यच गति प्राप्त होती है। मायातैर्योनस्य।

4. उत्तम सत्य- मनुष्य सत्य धर्म के फलस्वरूप ही केवलज्ञान को नियम से प्राप्त करता है। उसका पालन करो और लोक में अलोक वचन मत बोलो। दूसरों को संताप देने वाले वचनों को त्याग कर अपने व दूसरों के प्रति हितकारी वचन बोलते हैं। वे सभी सत्य वचन ही सत्य धर्म हैं।

5. उत्तम शौच- शुचेर्भावः शौचः अर्थात् शुचिता का भाव ही शौच है। जो श्रेष्ठ मुनि इच्छा भावों की निवृत्ति करते हैं तथा वैराग्य भावना से युक्त होकर आचरण करते हैं उनके ही शौच धर्म होता है। जो साम्यभाव और संतोष रूपी जल से तृष्णा और लोभरूपी मल के समूह को धोता है तथा भोजन गृद्धि नहीं करता है उनके निर्मल शौच होता है।

6. उत्तम संयम- संयम के बिना संपूर्ण मनुष्य भव शून्य के समान है। संयम के बिना यह जीव दुर्गति में जन्म लेता है। संयम के बिना एक घड़ी भी व्यर्थ गंवाओ। संयम के बिना संपूर्ण आयु विफल है। व्रत समिति के पालन से मन वचन काय रूप दण्ड के त्याग से और इन्द्रिय विषयरूप परिणाम से युक्त के नियम से संयम धर्म होता है।

7. उत्तम तप- इच्छा निरोधः तपः इच्छाओं का निरोध करना तप है। कर्मक्षय के लिये जो तपा जाता है वह तप कहलाता है। तो इस लोक और परलोक संबंधी सुखों की अपेक्षा न करके शत्रु मित्र, कांच, कंचन, महल श्मशान, सुख दुख, निंदा स्तुति आदि में समता भाव रखते हैं तथा अनशनादि बारह प्रकार का तपश्चरण करते हैं उनको उत्तम तप होता है।

8. उत्तम त्याग- जो सम्पूर्ण द्रव्यों में मोह का त्याग करके मन, वचन, काय, से निर्वेग भावना को भाते हैं, उनको त्याग धर्म होता ऐसा जिनेन्द्र देव ने कहा है। मुनियों तपस्वियों व वृत्तियों के लिये योग ऐसे आहारादि चीजे देना त्याग धर्म है।

9. उत्तम आर्किंचन - जो परिग्रह से रहित होकर और सुख-दुख देने वाले निजभावों को निग्रह करके निर्द्वन्द भावों को धारण करते हैं, उन मुनि के आर्किंचन धर्म होता है। सम्पूर्ण परिग्रह का त्याग करना यह अर्किंचन धर्म होता है।

10. उत्तम ब्रह्मचर्य- स्त्रियों के सम्पूर्ण अंगों को देखता हुआ भी जो उनके विषय में दुर्भाव को छोड़ देता है। वह ही नियत से बड़ा कठिन ब्रह्मचर्य धर्म रूप भाव को धारण करने में समर्थ है। भूमि पर गिरा पानी शुद्ध होता है। पतिव्रता नारी पवित्र होती, धर्म परायण राजा पवित्र माना जाता है, और ब्रह्मचारी सदा पवित्र माना जाता है।

आओ सीखें : जैन न्याय

प्रत्यभिज्ञान की प्रमाणरूप सिद्धि

भारतीय दर्शनों में तीन विचारधारायें देखी जाती हैं। एक विचारधारा प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण मानती है, दूसरी विचारधारा प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण नहीं मानती है। और इन दोनों विचारा धाराओं में भिन्न तीसरी विचारधारा प्रत्यभिज्ञान से समानता रखने वाले उपमान को पृथक् से प्रमाण मानती हैं। इन विचार धाराओं की समीक्षा करने से पहले प्रत्यभिज्ञान को स्पष्ट करना आवश्यक होगा।

प्रत्यभिज्ञान की अर्थ और परिभाषा से प्रत्यभिज्ञान की मूल अवधारणा स्पष्ट हो जाती है। प्रत्यभिज्ञान प्रमाण प्रत्यक्ष और स्मृति के जोड़रूप या संकलन रूप सम्यग्ज्ञान का नाम है। प्रत्यभिज्ञान बाधा रहित प्रमाण रूप जैन-दर्शन ने माना है, किन्तु बौद्ध दर्शन ने प्रत्यभिज्ञान को बाधा सहित देखा है। इसलिये बौद्ध दर्शन के विद्वान प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण न मानने के पीछे अपने कुछ तर्क प्रस्तुत करते हैं।

1. पहले जानी हुई वस्तु को पुनः कालान्तर में जानने का नाम प्रत्यभिज्ञान है। यह ज्ञान एक नहीं है क्योंकि स्पष्ट-अस्पष्ट रूप से दो ज्ञान होने से दो विरोधी धर्मों के आधार से उत्पन्न ज्ञान एक नहीं हो सकता है। और यदि एक हो जाये या दो आकार एकमेक होकर प्रतिभासित होंगे अथवा अलग-अलग प्रतिभासित होंगे।

अ) दो आकार एकमेक होकर मानने पर दोनों में से किसी एक आकार का ही प्रतिभास होना चाहिए क्योंकि दूसरा आकार उससे अभिन्न है।

ब) दोनों को अलग-अलग मानने पर दो आकार यदि अलग-अलग प्रतिभासित होते हैं तो ज्ञान के न होकर अलग-अलग दो होते हैं।

निष्कर्ष - इसलिये प्रत्यभिज्ञान का एक ज्ञान कैसे संभव है ?

बाधा - इन्द्रिय मात्र वर्तमान पदार्थ का ज्ञान कराती है इसलिये इन्द्रिय प्रत्यभिज्ञान का कारण नहीं है।

संस्कार स्मृति का कारण है इसलिये वह प्रत्यभिज्ञान का कारण नहीं हो सकता है।

3. इन्द्रिय और संस्कार दोनों प्रत्यभिज्ञान के कारण नहीं हो सकते हैं क्योंकि प्रत्यक्ष और स्मृति के कारण होने से वही दोष उत्पन्न हो जायेंगे।

निष्कर्ष - कारण के बिना कार्य नहीं होता है और प्रत्यभिज्ञान का निश्चित कारण नहीं होने से प्रत्यभिज्ञान की उत्पत्ति संभव नहीं है।

तर्क - यदि प्रत्यभिज्ञान को संभावनाओं के आधार पर मान भी लिया जाय तो वह प्रमाण रूप नहीं होता है क्योंकि उसका कोई विषय नहीं होता है।

प्रत्यभिज्ञान के विषय में दो संभावनायें -

1. विषय पूर्व ज्ञान में प्रतिभासित वस्तु है

2. या उससे कोई भिन्न वस्तु है।

बाधायें - 1. पहली संभावना धारावाहिक ज्ञान और गृहीत-ग्राही होने से प्रमाण नहीं है।

2. दूसरी संभावना प्रत्यभिज्ञान का विषय किससे भिन्न है यह निश्चित नहीं हो पाता है क्योंकि -

1. अतीतकालवर्ती और वर्तमान कालवर्ती देवदत्त में एक रूप प्रतीति प्रत्यभिज्ञान से होती है इसलिये पूर्व ज्ञान में प्रतिभासित वस्तु को विशेष रूप से प्रत्यभिज्ञान जानता है। इसलिये अगृहीत ग्राही होने से प्रमाण है। ऐसा विपक्ष का तर्क बौद्ध को मान्य नहीं है। वे कहते हैं एक्य क्या चीज है? जिसे प्रत्यभिज्ञान का विषय माना जाए। एक्य संख्या है या स्थायित्व है? यदि एक्य को संख्या माना जाय तो एक्य की प्रतीति प्रत्यक्षकाल में ही होती है इसलिये प्रत्यभिज्ञान के विषय में प्रत्यक्ष से कोई विशेषता नहीं रहती है।

2. यदि स्थायित्व रूप मानते हैं तो स्थायित्व भिन्न होता है या देवदत्त से अभिन्न होता है।

यदि स्थायित्व को अभिन्न माना जाये तो प्रत्यभिज्ञान गृहीत-ग्राही होने से अप्रमाण माना जायेगा और यदि भिन्न माना जाय तो देवदत्त ज्ञान पहले उत्पन्न होता है या देवदत्त पहले उत्पन्न होता है। यदि देवदत्त पहले उत्पन्न होता है तो पूर्व ज्ञान से यदि देवदत्त को जानता है तो वह स्थायित्व को भी जान लेगा। तो फिर प्रत्यभिज्ञान का विषय पूर्व ज्ञान से अधिक कैसे हुआ? यदि स्थायित्व और पूर्वज्ञान दोनों समकालीन हैं तो वह प्रत्यभिज्ञान का विषय नहीं हो सकता है क्योंकि पहले जाने हुये पदार्थ को कालान्तर में जानने पर ही प्रत्यभिज्ञान होता है।

इन उपरोक्त सभी तर्कों को मूल्य में शून्य मानकर प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण रूप सिद्ध करने के लिये जैनाचार्य अपने ठोस तर्क निम्न रूप से प्रस्तुत करते हैं-

1. दो आकार एक ज्ञान में रह सकते हैं।

विश्लेषण (तर्क का विस्तार)

(अ) बौद्ध के द्वारा मान्य चित्र ज्ञान सविकल्पक और निर्विकल्प दो आकारों को लिये हुये एक विकल्प ज्ञान उत्पन्न होता है। उसी तरीके से प्रत्यक्ष और स्मरण रूप सामग्री से उत्पन्न होने वाला प्रत्यभिज्ञान दोनों आकारों को लेकर ही उत्पन्न होता है। जैसे बौद्धमत में एक ही ज्ञान परोक्ष और अपरोक्ष तथा निर्विकल्प-सविकल्प दो विरोध धर्मों का आधार हो तो इसमें कोई बाधा नहीं आती है।

(ब) बौद्ध कहते हैं कि दोनों आकार परस्पर में अलग-अलग प्रतिभासित होते हैं कि एकमेक ?

यह प्रश्न तो बौद्धों का व्यर्थ ही है। दोनों आकारों के एकमेक का तात्पर्य यदि एक आधार में रहना माना जाता है तो हमें इष्ट है। कारण कि एक प्रत्यभिज्ञान में दोनों की प्रतीति अबाधित होती है। और यदि दो आकारों को एक प्रत्यभिज्ञान में बौद्ध अबाधित नहीं मानेंगे तो उनका चित्र ज्ञान भी सिद्ध नहीं हो पायेगा।

(स) जैनों का अलग तर्क-कारण का अभाव होने से प्रत्यभिज्ञान का अभाव मानना अनुचित है। क्योंकि प्रत्यक्ष और स्मरण का तो भिन्न-भिन्न विषय है तब ये दोनों एक प्रत्यभिज्ञान

के कारण हो सकते हैं ? यह आशंका भी अनुचित है। जैसे बीज के होने पर अंकुरण होता है और बीज के अभाव में अंकुरण नहीं होता है। इसलिये अंकुरण का कारण बीज है। उसी प्रकार दर्शन और स्मरण के होने पर प्रत्यभिज्ञान उत्पन्न होता है। अतः दर्शन और स्मरण प्रत्यभिज्ञान के कारण हैं।

(द) प्रत्यभिज्ञान को मात्र गृहीत-ग्राही होने के कारण अप्रमाण की कोटि में डाला नहीं जा सकता है। यदि ऐसा कहा जायेगा तो अनुमान भी गृहीत ग्राही होता है। और वह अनुमान भी अप्रमाण सिद्ध हो जायेगा।

इ) बुद्धिमान होने से भी प्रत्यभिज्ञान अप्रमाण रूप सिद्ध नहीं होता है क्योंकि प्रत्यभिज्ञान के विषय में अनुमान की प्रवृत्ति नहीं होती है और यदि अनुमान की प्रवृत्ति हो भी तो वह बाधक सिद्ध नहीं होती है।

फ) सादृश्य प्रत्यभिज्ञान को सिद्ध करने के लिये जैनाचार्य कहते हैं कि नाखून काटने के बाद बड़े हुये नाखूनों को यदि कोई प्रत्यभिज्ञान से जान ले, कि वही नाखून है तो उसका ज्ञान बाध्य मान होता है। तब प्रत्यभिज्ञान प्रमाण कैसे हुआ ?

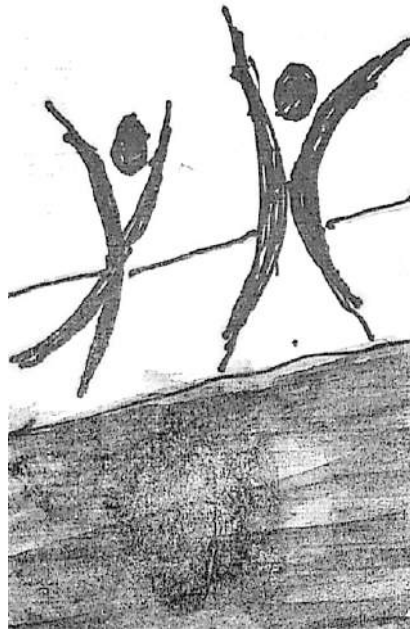
इस बौद्धों के कुतर्क को बाधित करते हुये जैन आचार्य कहते हैं कि सच्चे प्रत्यभिज्ञान में बाधा नहीं आ सकती है। यदि एक जगह किसी ज्ञान को असत्य सिद्ध होने पर सभी जगह उस ज्ञान को असत्य माना जायेगा तो रूपी में चाँदी का ज्ञान भ्रान्त होता है इसलिये क्या चाँदी में होने वाला चाँदी का ज्ञान भ्रान्त माना जायेगा अतः एकत्व प्रत्यभिज्ञान युक्तियों से मानना उचित है।

कविता

संदेश

✽ संस्कार फीचर्स ✽

हर खिलती हुई कली हमें संदेश देती है,
रुकना नहीं है वहाँ जहाँ मुश्किलें होती हैं।
चलना पड़े अंगारों पर तो चल देना मेरे यारो,
बस ये हौसला रखना आगे जीत तेरी है।
मंजिल की ऊँचाई देखकर डर सभी को लगता है
यारों पर मंजिलें उन्हीं को मिलती है,
जिन्हें खुद की पहचान होती है।
वक्त वेवक्त तू ये चिंता मत करना
जीवन के किसी मोड़ की असफलता से न डरना।
रास्ते बंद होने पर भी
तू अपने सपनों को जमी पर यू ही मत रखना।
चूमेगी मंजिल कदम तेरे, तेरे हौसला देखकर,
मिलेगी जीत तुझे एक दिन तेरा विश्वास देखकर।



कहानी अभागी जूली

28 नवम्बर का दिन था जब जंगल के चप्पे चप्पे पर कोहरे का पहरा था चारों ओर हवाओं की आहट अनुभूत की जाने लगी थी सुबह के साढ़े 9 बजे पत्तों से पानी टपक रहा था ऐसा लग रहा था जैसे मानों प्रकृति के बिखराये मोती पिघल कर टपक रहें हों। ऐसी ठंड में जूली पचास-



साठ बकरियों को लेकर जंगल की तरफ बढ़ती चली जा रही थी। लगभग 40 वर्ष की जूली एक छोटी सी शॉल लपेटे हुए अपनी आबरू को समेटे हुए थी। रूखे बिखरे बाल एक झीनी सी पुरानी सी साड़ी पहले हुए जूली पूरी ठंड काट लेती थी। जूली आदिवासी समूह से होने के कारण पढ़ लिख नहीं पाई थी, उसका बचपन एक झोपड़ी में बीता था। कई लोगों ने जूली के पिताजी को पढ़ाने के लिये प्रेरित किया किन्तु न तो उसके पिताजी ने पढ़ाया और न जूली ने पढ़ा। जूली अपने साक्षरता अभियान में सम्मिलित हो जाने से हस्ताक्षर कर लेती थी।

लगभग घड़ी के बारह बज चुके थे

धीरे-धीरे ठंड विदा ले रही थी। सुनहरी धूप बिखरी हुई थी। तभी जंगल के रास्ते से एक इनोवा गाड़ी रेंगती हुई रोड़ से गुजर रही थी जूली ने गाड़ी को आते देख अपनी बकरियों को एक तरफ कर लिया। जूली को देख इनोवा गाड़ी रुक गयी। जूली को बड़ा अलग ही लगा और विस्मय हुआ कि यह गाड़ी क्यों रुक गयी

? गाड़ी से उतरकर ड्रायवर जूली के पास आया और उसने पूछा कि क्या आप जूली आदिवासी हैं ? तो जूली ने कहा हाँ मैं जूली आदिवासी हूँ। बोलिये, आपको मुझसे क्या काम तब ड्रायवर ने कहा हमारी गाड़ी में कुछ काँग्रेस पार्टी के नेता बैठे हैं। उन्होंने गाड़ी रुकवाली और मुझे तुम्हारे पास भेजा है। काँग्रेस नेताओं का नाम सुनते ही जूली के चेहरे पर एक नफरत की रेखा खिंच गयी मन वह सोचने लगी मुझे काँग्रेस के नेताओं से क्या लेना देना जिन्होंने हमें सदैव धोखा दिया है उनसे अब और क्या उम्मीद की जा सकती है। जूली ने अपनी लकड़ी रोड़ पर ठोकते हुए

बकरियों को आगे बढ़ने से रोका तभी काँग्रेस के स्थानीय दोनो नेता जूली के पास खड़े हो गये और उनमें से कान्ता प्रसाद यादव ने कहा अरे जूली, तुम यहाँ कहाँ? जूली ने कहा, यहाँ तो हम रोज आते हैं यहाँ आप क्यों आते हो? मैं यहाँ बकरी चराती हूँ। अरे तुम और बकरी चराती हो, जूली ने कहा बकरी नहीं चराऊँ तो क्या करूँ? परिवार चलाने के लिये कुछ तो करना होगा मेरे परिवार का खर्च कौन चलायेगा?

कान्ता प्रसाद ने कहा आप तो वही जूली हैं जो जिला पंचायत अध्यक्ष रहें हैं। आपने जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए कुछ तो व्यवस्था की होगी पांच साल तो जो जिला पंचायत अध्यक्ष रहे और बकरी चराये, यह देखकर मुझे ऐसा लग रहा है, जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूँ। आजकल कोई साधारण सा पंचायत का सदस्य बन जाता है तो वह अपना अच्छा वाला मकान घर में बिजली और न जाने क्या-क्या व्यवस्था कर लेता है। जूली दूसरी ओर एक तुम हो जो यहाँ जंगल में बकरियाँ चरा रही है। न मुझे ऐसा लग रहा है न विश्वास हो पा रहा है कि मैं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जूली आदिवासी के सामने खड़ा हूँ। शिवपुरी जिले की इतनी बड़ी जिला पंचायत जिसके हाथ के तले सैकड़ों ऐसी योजनाएँ होती हैं कि एक-एक योजना से यदि एक लाख रूपया भी कमीशन मिले तो हर साल एक करोड़ रूपया तो आयेगा ही आयेगा। तब जूली ने बड़े रोष के साथ कहा न

तो हम लाख जानते हैं न करोड़ जानते हैं हमें तो सिर्फ दस्तखत करना पड़ते थे विधायक जी के आदमी आते थे सील वही लगाते थे। हमारे सामने कागज रख देते थे। हम पढ़े लिखे तो थे नहीं बस दस्तखत करना सीख गये थे, कभी मैंने पढ़ने या पढ़वाने की कोशिश की तो विधायक के आदमी कहते थे जल्दी दस्तखत कर दो हमारे पास इतना टाईम नहीं है तो तुम्हारा पास रुके रहें। हम तो इसी में खुश थे कि हमें शिवपुरी में अच्छा बंगला मिल गया था और दो टाईम भोजन की व्यवस्था हो गई थी, हमारे पतिदेव मांगीलाल के लिये पानी की रोज व्यवस्था हो जाती थी पांच साल तक हम दोनों खूब खुश रहे पांच साल तक हम दोनों सरकारी गाड़ी में खूब घुमे। एक से एक साड़ियों को पहना इन कलाईयों में रंग बिरंगी चूड़ियाँ हमेशा खनकती रहीं। पांच साल तक हम स्वर्ग में बसे रहे इसके बदले मैंने बहुत कुछ चुकाना पड़ा। सच कहती हूँ कान्ता भैया मैंने ये नहीं समझती थी कि ये विधायक जी मुझे पांच साल बाद मेरे हाल पर छोड़ देंगे, कि मेरे लिये फिर वही टूटी खटियाँ और कथरी मिलेंगी। कान्ता प्रसाद ने कहा मैं तो तुमसे जूली बहुत साल बाद मिल रहा हूँ ये भैयालाल कुशवाह ने तुम्हें दूर से पहचानते हुए कहा जैसे यह जूली आदिवासी है। मैंने कहा अरे यार फालतू बातें मत करो जूली और यहाँ बकरी चरायेगी? पर भैयालाल की आँखों ने तुम्हें सही पहचाना, कितनी ही दूर से तुम्हें पहचान लेना यह इनकी

नजर की सबसे बड़ी खूबी मानी जायेगी।

तब जूली ने कान्ता प्रसाद से पूछा क्यों भैया आज तुम इस जंगल में कैसे निकल पड़े? कान्ता प्रसाद ने कहा जूली तुम्हें क्या मालूम नहीं है आज वोट डल रही है और विधानसभा का चुनाव है क्या तुम वोट डालने नहीं गयी? जूली ने कहा ये भैया मुझे तो आल बिल्कुल खबर नहीं रही आज वोट डालना है। अब क्या है कि हम लोग लुहार पुरा के एक कोने में टापरे में बस गये हैं। हम लोगों के पास कोई बताने तक नहीं आता है कि आज वोट डालना है।

कान्ता प्रसाद यादव ने कहा जूली में विश्वास कैसे करूँ कि एक जिला पंचायत अध्यक्ष यह भूल जाये कि आज वोट डालना है। मतदान करना भारत देश के प्रत्येक नागरिक का पहला कर्तव्य है। और आपका अभी कुछ बिगड़ा भी नहीं है क्योंकि अभी सिर्फ 12 बजे हैं और वोट 5 बजे तक डलते हैं। यदि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वोट न डाले तो यह बड़ी विसंगति होगी।

जब जूली और कान्ता प्रसाद की यह चर्चा चल रही थी तभी एक तूफान गाड़ी भी आकर खड़ी हो गई। जिसमें पत्रकार लोग मतदान की जानकारी लेने मतदान केन्द्रों पर जा रहे थे नेताओं को देखकर उन्होंने अपनी गाड़ी रोक ली सभी पत्रकार उतरकर कान्ता प्रसाद से हाथ मिलाने लगे, तभी कान्ता प्रसाद ने पत्रकारों की ओर इशारा करते हुए कहा यह जो महिला आपके सामने खड़ी है।

क्या आप इसे पहचान रहे ये कौन है? यह सामान्य महिला नहीं है। इसे पहचानो आप लोगों को अपने अपने अखबार के लिये विशेष सामग्री मिलेगी तभी संजीव बाँझल्य ने कहा भाईसाहब मैं तो नहीं पहचान पा रहा हूँ आपका सहयोग चाहिये कि इस महिला में क्या विशेषता है। तब कान्ता प्रसाद ने कहा थोड़ा आप लोग स्मृति पर जोर लगाइये ओर थोड़ा अतीत में जाइये। आप जरूर पहचान जायेंगे यह महिला कौन है। संजीव ने कहा भाईसाहब आप पहेलियाँ बहुत बुझाते हैं, मेरा निवेदन यह है हमें आगे बढ़ना है पीरोठ पोलिंग में कुछ गड़बड़ हो गया है उसे भी देखना है। आप ही सहयोग कर दें तो बेहतर होगा और तो हमारे बड़े भाई हैं बड़े लोग तो हमेशा छोटों का ज्ञान बढ़ाते रहते हैं। छोटों को प्यार देना बड़ों का पुनीत कर्तव्य होता है। और छोटों का भी बड़ों का सम्मान देना कर्ज चुकाना जैसा होता है। अच्छा संजीव भाई यह बताओ सन् 2004 से लेकर 2009 तक जिला पंचायत अध्यक्ष कौन रहा?

कान्ता प्रसाद का प्रश्न सुनकर सब पत्रकार साथ बोल उठे जूली आदिवासी कान्ता प्रसाद यादव ने कहा तो बताओ क्या यह जूली नहीं है। संजीव बाँझल्य ने कहा अरे-रे-रे-रे सॉरी सॉरी सॉरी ये जूली यहाँ क्या रही है? तभी कान्ता प्रसाद ने कहा देखो ये राजनीति हैं। संजीव जी हमारे विधायक रामसिंह ने हर आदमी का खूब अच्छा उपयोग किया है। जब शिवपुरी जिला

पंचायत सीट आदिवासी महिला की हो गई तो रामसिंह जी ने अपने कृषिफार्म पर मजदूरी करने वाले माँगीलाल की पत्नी जूली को चुनाव लड़वा दिया और किस्मत की बात है कि जूली चुनाव भी जीत गई और जिला पंचायत अध्यक्ष भी बन गई जिस दिन इसकी शपथ हो रही थी वह दिन याद करो तब एक पत्रकार विनीत मिश्रा ने कहा अरे मुझे याद आ गया तब शपथ ले रही थी अध्यक्ष की जूली तो वह शपथ भी पढ़ नहीं पा रही थी। तब रामसिंह दादा की पुत्री मिथलेश यादव ने पीछे से शपथ पढ़कर के सहायता की थी और पीछे-पीछे जूली के शपथ की लाइनें बुलबाई थी।

कान्ता प्रसाद ने कहा बिल्कुल तुम्हारी याददाश्त देर से आई पर दुरुस्त आई पर रामसिंह दादा ने और उनके बेटे ने इस महिला के साथ अच्छा नहीं किया। इसके लिये दो पट्टे 9 बीघा के मिले थे परंतु विधायक के बेटे ने पहले उस भूमि के नाम पर भूमि विकास बैंक से ट्रेक्टर फायनेन्स करवाया और जूली से कागज पर दस्तखत करा लिये तब जूली ने बीच में ही कहा हाँ साहब मेरे लिये। हर कागज पर दस्तखत करना पड़ते थे उन्होंने हमसे कहा था ये तुम्हारी जमीन से इसे जोतो। एक दिन विधायक के बेटे मेरे पास आये और बोले कि तुमने अभी तक बैंक की किस्त नहीं भरी किस्त भर दिया करे नहीं तो जमीन चली जायेगी मैंने उनसे कहा ट्रेक्टर तो सिर्फ जमीन जोतने आता है। साल भर तो पता नहीं लगता

है। ट्रेक्टर कहाँ रहता है। बैंक के अधिकारी कहते हैं यदि तुमने बैंक का पैसा नहीं भरा तो तुम्हारी जमीन नीलाम हो जायेगी एक दिन यही हुआ कि मेरी 9 बीघा जमीन नीलाम हो गई और वह जमीन नीलामी में विधायक दादा ने खरीद ली।

कान्ता प्रसाद बोले हाँ संजीव यह बात बिल्कुल सही है कि रामसिंह दादा ने जूली के पट्टे की जमीन अपने नाम करा ली। अब यह बेचारी भूमि हीन हो गई रहने के लिये सिर्फ एक टापरा ही बचा है मजदूरी भी नहीं कर सकती क्योंकि विधायक परिवार ने इसे मजदूरी से भी बेदखल कर दिया। कान्ता प्रसाद की बात सुनकर संजीव ने जूली से पूछा बहन जी अब आप क्या करती हैं। तब जूली ने कहा 50-60 बकरियाँ हैं ये 50 रु महीने से चराती हूँ इसमें जो भी पैसा मिलता है उसी में अपना घर चलाती हूँ। सब मेरा दुःख सुनने आ जाते हैं और सुनकर चले जाते हैं परंतु कोई सहयोग नहीं देता है संजीव ने कहा जूली अबकी बार विश्वास करो मैं कल ही तुम्हारा काम करूँगा और पूरा प्रशासन तुम्हारा सामने खड़ा रहेगा दूसरे दिन 29 नवम्बर को पत्रिका अखबार में न्यूज छप गई जिसका शीर्षक था 5 साल नेताओं ने रबर स्टंप की तरह किया इस्तेमाल फिर निकाल फेंका मक्खी की तरह जिसने भी अखबार पढ़ा वह कहा उठा ईमानदार भोली भाली जूली राजनैतिक नेताओं का खिलौना बना रही अब दर-दर भटक रही हैं। अभागी जूली

हमारे गौरव

राष्ट्रकूट वंशी नरेश इन्द्र चतुर्थ

इन्द्र चतुर्थ- राष्ट्रकूट वंश का अंतिम नरेश था वह कृष्ण तृतीय का पौत्र तथा गंगमारसिंह का भानजा था। वह भारी वीर और योद्धा था तथा (चौगान) पोलो के खेल में निपुण था। मारसिंह ने उसे अपने पूर्वजों का राज्य प्राप्त करने में भरसक सहायता दी और एक कार तो मान्यखेट में उसका राज्याभिषेक भी कर दिया किन्तु अब राष्ट्रकूटों का सूर्य अस्तप्राय था। स्वयं मारसिंह ने 774 ई. में समाधिमरण कर लिया था। अतएव निस्सहाय इन्द्रराज कुछ वर्षों तक प्रयत्न करने के बाद संसार से विरक्त हो गया और श्रवणबेलगोला चला गया हेमावती तथा श्रवणबेलगोला की चन्द्रगिरि की गन्धवारण बसदि के शिलालेखों से ज्ञात होता है कि वह राजा बड़ा वीर था। उसने अनेक युद्धों में कीर्ति अर्जित की थी और अन्त में शक 904 (सन् 982 ई.) की चैत्रशुक्ला अष्टमी भौमवार के दिन चित्रभानु नक्षत्र में निराकुल चित्त से व्रतों का पालन करते हुए इस जन-पूजित इन्द्रराज ने अमरेन्द्र की महाविभूति को प्राप्त किया था-अर्थात् समाधिमरण पूर्वक वह स्वर्गस्थ हुआ था। उसी के साथ महाप्रतापी राष्ट्रकूटों की सत्ता और प्रायः वंश भी समाप्त हुए।

लगभग ढाई सौ वर्ष के राष्ट्रकूट युग में जैनधर्म, विशेषकर उसका दिगम्बर साम्प्रदाय, सम्पूर्ण दक्षिणापथ में सर्वप्रधान धर्म था। डॉ. आल्टेकर के मतानुसार राष्ट्रकूट साम्राज्य की लगभग दो तिहाई जनता तथा राष्ट्रकूट नरेशों एवं उनके परिवार के विभिन्न स्त्री पुरुषों में से अनेक तथा उनके अधीनस्थ राजाओं, उपराजाओं, सामान्त सरदारों, उच्चपदाधिकारियों, राज्यकर्मचारियों महाजनों और श्रेष्ठियों में से अधिकतर लोग इसी धर्म के अनुयायी थे। लोकशिक्षा भी जैन गुरुओं एवं बसदियों द्वारा संचालित होती थी अपने इस महत् प्रभाव के फलस्वरूप जैनधर्म ने जनजीवन की प्रशंसनीय नैतिक उन्नति की राजनीति को प्राणवान् बनाया और भारतीय संस्कृति की सर्वतोमुखी अभिवृद्धि उनका सुस्पष्ट मत है कि इस युग के अमोघवर्ष प्रभृति जैन नरेशों और उनके बंकेय, श्री विजय, नरसिंह चामुण्डराय जैसे प्रचण्ड जैन सेनापतियों ने पूरे दक्षिण भारत पर ही नहीं, पूर्वी, पश्चिम एवं मध्य भारत तथा उत्तरापथ के मध्यप्रदेश पर्यन्त अपनी विजय वैजयन्ती फहरायी और बड़े-बड़े रणक्षेत्रों में यमराज को खुलकर भयंकर भोज दिये। उनका जैनधर्म इन कार्यों में तनिक भी बाधक नहीं हुआ। अतएव यह कहना या मानना कि जैन धर्म ने लोगों को कायर बना दिया और इसी कारण मुसलमान आदि विदेशी आक्रमणकारियों के सम्मुख भारत का पतन हुआ, सर्वथा भ्रान्त एवं अयथार्थ है। भारत के पतन का कारण जैनधर्म कदापि नहीं हुआ।

डाक टिकटों पर जैन इतिहास एवं संस्कृति



जैन व्यक्तित्व श्री वीरचंद राघव जी गांधी



अरब सागर के तट से सटे छोटे से शहर महुआ (भावनगर) गुजरात में 25 अगस्त 1864 को एक प्रतिष्ठित जैन परिवार में पिता श्री राघव जी तेजपाल गांधी तथा माता श्रीमति मणिबाई के घर एक पुत्र रत्न का जन्म हुआ, जिसका नाम वीरचंद राघव जी गांधी रखा गया, यह अपने माता पिता की इकलौती संतान थी।

इस प्रतिभाशाली बालक ने प्राथमिक महुआ के स्थानीय विद्यालय से प्राप्त की इनके पिता को स्कूल के हैडमास्टर ने सलाह दी कि होनहार बालक वीरचंद को भावनगर के बड़े स्कूल में पढ़ाई करवायें। इसके बाद परिवार वीरचंद की पढ़ाई के लिये भावनगर शिफ्ट हो गया। इन्होंने भावनगर में अल्फ्रेड हाई स्कूल से 1880 में मेरिट के साथ मैट्रिक पास किया। पूरे जिले में फर्स्ट आने पर इनको सर जसवंत सिंह जी स्कॉलरशिप मिली। इनकी उच्च शिक्षा के लिये परिवार मुंबई शिफ्ट हो गया तथा एलफिन्स्टन कॉलेज से सन् 1884 में ऑनर्स के साथ बी.ए. पास किया। यह पूरे जैन समाज के शायद पहले ग्रेजुएट थे। वीरचंद जी एक अच्छे भाषाविद् भी थे। उन्हें 14 भाषाओं का ज्ञान था। 1884 में ही सामाजिक जीवन की शुरुआत की तथा मात्र 21 वर्ष की आयु में ही जैन एसोसिएशन ऑफ बम्बई के सेक्रेटरी नियुक्त हुए।

1885-86 में सरकारी सॉलिस्टर में लिटल स्मिथ फायर एंड निकल्सन में बतौर आर्टिकल क्लर्क काम किया। शत्रुंजय तीर्थ-विवाद में मुंबई के गवर्नर से आर्डर ऑफ इंकवायरी प्राप्त कर, बम्बई, पूना व अहमदाबाद से कागजात व रिकार्ड तैयार किया था। शत्रुंजय तीर्थ पर लगने वाले प्रति यात्री टैक्स के खिलाफ कर्नल वाट्सन और बम्बई के गवर्नर लार्ड रेय को लिखित याचिका व दलीलें दी। इन्होंने सम्मोदशिखर की पवित्र पहाड़ियों पर मौजूद बूचड़खाने को बंद करवाने के लिये कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील दायर की, स्वयं छह मास वहां रहकर बंगाली सीखी, पुरानी फाइलों व रिकार्ड का अनुवाद किया, जैन समाज के हक में फैसला हाईकोर्ट ने दिया।

श्रीमद्विजयानन्द सूरि (मुनि आत्माराम जी) के कहने पर मुंबई के जैन संघ ने वीरचंद गांधी को विश्व धर्म परिषद् में भेजना मंजूर किया। वे कुछ महीने पहले श्री आत्माराम जी

के पास पंजाब में बैरोवाल, अमृतसर और होशियारपुर में साथ रहकर जैनधर्म, इतिहास, दर्शन व चिंतन को जाना। महाराज श्री जी ने विदेशों में अपने नित्य-नियमों का पालन करने व गुजराती अथवा भारतीय पहनावा पहनने का नियम भी दिया।

वीरचंद जी का धार्मिक ज्ञान केवल जैन धर्म तक सीमित नहीं था, वे बौद्ध धर्म, वेदांत दर्शन, ईसाईयत, इस्लाम व पाश्चात्य दर्शन के भी विद्यार्थी रहे। इसलिये वे विभिन्न दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इन विषयों पर विद्वतापूर्वक बोलने में निपुण थे।

1893 में विश्व धर्म संसद-शिकागो में शामिल होने के लिये समुद्री जहाज एस.एस.आसाम में अमेरिका के लिये प्रस्थान किया तथा केवल शुद्ध सात्विक भोजन खाने के लिये भारतीय बावर्ची को साथ ले गये। पहनावे में आमतौर पर जामुनी लिबास का कुर्ता, सुनहरी पगड़ी व कमरबंद धारण करते थे। विश्व धर्म संसद का अधिवेशन 11 सितम्बर से 27 सितम्बर 1893 तक शिकागो में चला। इसमें वे जैन धर्म के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल हुए। इस धर्म संसद में जैन धर्म के अलावा अन्य सब धर्मों की आलोचना की गई विशेष तौर पर हिन्दु धर्म की, जब वीरचंद जी के बोलने का समय आया तो उन्होंने कहा मैं प्रसन्न हूँ कि किसी ने मेरे धर्म पर आक्रमण करने का साहस नहीं किया ऐसा करना भी नहीं चाहिये। जो आक्रमण करने का साहस नहीं किया ऐसा करना भी नहीं चाहिये। जो आक्रमण किये गये हैं वे सामाजिक कुरीतियों से संबंध रखते हैं। यह बुराईयां किसी धर्म के कारण नहीं हैं ऐसी बातें सब देशों में हुआ करती है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को लक्ष्य में रखकर कुछ लोग यह समझते हैं कि वह महात्मा पाल हैं और इस पर वे विश्वास भी कर लेते हैं यह पाल भारत को छोड़कर अपने विचारों का प्रदर्शन करने और कहाँ जायें ? वे ईसाई धर्म न मानने वालों को अपने धर्म की परिधि में लाने के लिये भारत में जाते हैं। जब उनका स्वप्न भंग हो जाता है तब वे जीवन भर हिन्दुओं की निंदा करने के लिये वापिस आ जाते हैं। किसी भी धर्म की निन्दा करना उस धर्म के विरुद्ध कोई प्रमाण नहीं। इसी प्रकार अपने धर्म की प्रशंसा अपने धर्म की सत्यता का प्रमाण नहीं है। इस संसद में इन्होंने केवल जैन धर्म ही नहीं अपितु अन्य भारतीय धर्मों पर भी अति प्रभावी भाषणों, बहस, व्याख्याओं तथा अपना यथार्थ पक्ष पेश कर हिन्दु धर्म, बौद्ध धर्म तथा भारतीय सभ्यता और संस्कृति की परिभाषा पेश की। विभिन्न प्रकार के भारतीय दार्शनिक चिंतनों पर व्याख्यान दिया। इन्होंने कई भ्रांतियों को दूर करते हुए भारतीय संस्कृति का समर्थन किया। शालीन व्यवहार, व्यापक ज्ञान और अंग्रेजी भाषा पर अधिकार होने से वीरचंद गांधी वर्ल्ड रिलिजियंस पार्लियामेंट में बहुत प्रभावशाली बने रहे।

क्रमशः : अगले अंक में

बाल कहानी मैं प्रसन्न हूँ



समनापुर के शिक्षक सुरेशचंद जी के सात लड़के व एक लड़की थी ममता जैन, आलोक जैन, नवीन जैन, विनय जैन, संजय जैन, मनोज जैन, पवन जैन, प्रसन्न जैन इन नामों से जाने जाते थे पवन और प्रसन्न उनकी अंतिम संतान थी सुरेशचंद जी सिद्धान्तवादी शिक्षक थे उन्होंने अपने शिक्षण काल में ही स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करके उन्होंने एक मिशाल कायम की थी वे इलाके के आदर्श शिक्षकों में गिने जाते थे लेकिन उन्हें अनुशासन हीनता पर सदैव गुस्सा आती थी और वे लापरवाही भी पसन्द नहीं करते थे वे किसी लड़ाई झगड़ा भी पसन्द नहीं करते

थे पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करते थे।

सुरेशचंद जी जैन का पुत्र पवन जहाँ पढ़ने में कमजोर था वही लड़ने में प्रथम था वह सदैव पड़ोसियों से लड़ाई किया करता था एक दिन सुरेशचंद जी ने पास पवन की फिर लड़ने की शिकायत आई वे शाम का भोजन करके निपटकर पवन को खोज रहे थे तभी लाइट चली गई। एक दरवाजे से पवन बाहर निकल गया और प्रसन्न भोजनशाला में भीतर आया तभी बिजली गुल हो गई सुरेशचंद जी ने पवन समझकर अपनी गुस्सा उतारना शुरू कर दी। प्रसन्न भी यह नहीं समझ पा रहा था कि मैं क्यों पिट रहा हूँ पिटाई करते-करते सुरेशचंद जी ने कहा पवन तू सुधर जा नहीं तेरी किसी दिन इतनी पिटाई होगी कि हड्डी पसली टूट जायेगी और ये पड़ोसियों से लड़ाई करना अच्छी बात नहीं है तभी प्रसन्न ने कहा बाबू जी मैं किसी से नहीं लड़ता हूँ आप मुझे क्यों मार रहे हैं तो सुरेशचंद जी ने कहा झूठ बोलता है तू क्या लड़ता नहीं है, सब पड़ोसी लोग झूठ बोलते क्या तब प्रसन्न ने कहा बाबूजी मैं पवन नहीं हूँ, आप मुझे क्यों मार रहे हो, मैं तो प्रसन्न हूँ। तब बाबू जी ने दो घूसे और मारे और कहा पहले से नहीं बता सकता, कि मैं प्रसन्न हूँ।

सिर दर्द, सभी कुछ अस्त व्यस्त

* जिनेन्द्र कुमार जैन (गोरीनगर इन्दौर)*

सिर दर्द एक ऐसा रोग है जिससे परिवार में कोई न कोई सदस्य पीड़ित रहता है। सिरदर्द में चेहरा लाल पीला, मिजाज चिड़चिड़ा, चेतनाशून्य, शक्ति हीन, आलसी, निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो जाती है। यहाँ तक कि परिवार में पति-पत्नि के बीच संबंधों में दरार पैदा हो जाती है।

सिर दर्द के कारणों का वर्गीकरण कर लिया जावे तो सही तरीके से औषधि का चुनाव करके इसका इलाज संभव हो सकता है। यह रोग निम्नलिखित कई कारणों से होता है।

1. जुखाम से सिर दर्द जुखाम बंद हो जाने के कारण, सिर के आगे भाग में भारी बोझ महसूस होना, नाक बंद हो जाना, आँखों की पलक की ऊपरी हिस्से में तेज दर्द व कभी कभी बुखार भी रहता है। हवा लगने से सिर दर्द बढ़ जाता है।

2. मस्तिष्क में रक्त संचय-धमनी रक्त शिरा में किसी कारण से इरिटेशन से अधिक बेग से मस्तिष्क में अधिक परिमाण में रक्त संचालित होने से रक्त वापसी शिराओं की रक्त संचालन क्रिया घट जाने से मस्तिष्क से धीमी गति से रक्त लौटना जिससे बबासीर से रक्तस्त्राव, मासिक रजस्त्राव अचानक बंद हो जाने से सिर दर्द होता है जिसमें सिर भारी, चेहरा लाल सिर जरा भी हिलाने पर सिर दर्द बढ़ जाना, शरीर की पेशियों में ऐठन होना, चेतना शून्य होना।

3. स्नायुशूल सिरदर्द (Neuralgic)- किसी कारण से मस्तिष्क में रक्त संचय अधिक होने से व प्रधान सिमैथेटिक नर्व की कमजोरी से नर्व के अंदर रक्ताधिक्य हो जाता है और यह नर्व शरीर के जिस हिस्से जैसे आँखे, भौं के ऊपर, नाक के बगल में दर्द शुरू हो जाता है। यह दर्द किसी निर्धारित समय पर आक्रमण करता है जो कभी एक सप्ताह से एक महीने के अन्तर से आक्रमण करता है। सिरदर्द के बहुत समय बाद उल्टी जी मचलाने के बाद ठीक हो जाता है। इस प्रकार का सिरदर्द स्नायु प्रधान धातु वाले, बहुत दुख, भय, क्रोध अधिक उपवास, अधिक परिश्रम, अधिक खुशी इत्यादि से होता है।

4. अजीर्ण रोग- भोजन अच्छी तरह से न पचने, भारी भोजन करने अजीर्ण रोग होने पर सिर दर्द धीरे धीरे शुरू होता है, शरीर में ऐठन, जी मचलाना, मुंह का स्वाद कड़वा लगता है। यह सिर दर्द अधिक समय तक बैठकर कम्प्यूटर में काम करना, आलसी होना, मोबाईल देखना आदि।

5. अधसीसी दर्द (Migraine)- फेसियल स्नायु की उत्तेजना से मस्तिष्क के निम्न भाग में रक्त संचय होता है व मस्तिष्क का बाँया हिस्सा अधिक आक्रान्त होता है जिससे मस्तिष्क के आधो भाग में सिर दर्द शुरू होकर 18 से 36 घंटे तक रहता है। आँख के गद्द व नाक की जड़ से तेजी से दर्द होता है। इस सिर दर्द में शुरुआत में किसी किसी को ठंड भी लगती है, जिस तरह ठंड ज्यादा लगती है उस तरफ का हिस्सा अधिक प्रमादित होता है। सिर दर्द अपनी चरम सीमा में पहुँचकर उल्टी होने के बाद धीरे समाप्त हो जाता है।

इसके अतिरिक्त पित्त विकृति, आंत में कृमि, बात व्याधि से उत्पन्न सिर दर्द, शुगर, ब्लड प्रेशर, तनाव, अनिद्रा, दुख लगातार अधिक समय तक कम्प्यूटर चलाना, मोबाइल नेट का उपयोग करना, नेत्र रोग, प्रदूषण, सुगंधित क्रीम, तेल, पाउडर, ड्यू, सेन्ट का उपयोग करना। छोटी उम्र में बच्चों को मोबाइल गेम, कार्टून की लत लगाना भी इसके कारण होते हैं।

उक्त लेख का उद्देश्य है कि सिर दर्द के कारणों के प्रति जागरूक करना एवं कारणों के आधार पर चिकित्सा कराना है एवं सिर दर्द से अस्त व्यस्त क्षणों को सुसमय बनाना आज के समय में भ्रामक विज्ञापन की बाढ़ आई है मात्र सेकन्डों में सिर दर्द आदि दूर करें जो बहुत हानिकारक दुष्परिणाम प्रकट करते हैं, जिससे महिलायें वृद्ध, बच्चे प्रमादित होकर गोली का सेवन करते हैं।

परिवार में स्वास्थ्य रखने हेतु जिम्मेदारी निभाना चाहिये अपने शरीर का ध्यान रखकर उचित चिकित्सा पद्धति से समय पर इलाज से लाभ होता है। आर्युवेदिक, होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से इलाज पूर्णता संभव है।



हास्य तरंग

1. सुबह सुबह पत्नी ने पति से कहा मेरे लिये नाश्ता व चाय बना दो। पति उठा ओर बाहर जाने लगा, तभी पत्नी बोली अरे कहाँ चल दिये? पति अपने वकील के पास, मुझे तुमसे तलाक चाहिये। कुछ देर बाद पति वापिस लौट आया और चुपचाप नाश्ता चाय बनाने लगा। पति ने पूछा क्या हुआ? पति वकील भी घर पर नाश्ता बना रहा था।
2. ऑपरेशन के बाद होश आने पर मरीज बोला- डॉक्टर साहब ऑपरेशन कामयाब रहा तभी लड़खड़ाती हुई गुस्से में आवाज आई मूर्ख मैं डॉक्टर नहीं यमराज हूँ।
3. सेटी जी ने बैंक मैनेजर से कहा मेरी चेक बुक गुम हो गई है। मैनेजर ने कहा आपको सावधान रहना चाहिये कोई आपके फर्जी हस्ताक्षर करके रुपये निकाल न ले। सेटी जी ने यह तो संभव नहीं है कोई भी फर्जी हस्ताक्षर नहीं कर पायेगा क्योंकि मैंने सारे चेक पर पहिले से ही हस्ताक्षर कर रखे हैं।
4. एक बच्चे ने अपनी माँ से कहा माँ मैं इतना बड़ा कब हो जाऊंगा कि आपसे बिना पूछे कहीं भी जा सकूँ? माँ ने कहा बेटा इतने बड़े तो तेरे पापा भी नहीं हैं।
5. भावित स्कूल देर से पहुँचता है। टीचर ने देर से आने का कारण पूछा भावित बहुत तेज बरसात हो रही थी तेजी से हवा चल रही थी मैं एक कदम आगे बढ़ता तो चार कदम पीछे हो जाता था। टीचर फिर तो तुम स्कूल आ नहीं सकते थे? भावित क्यों नहीं मैं अपना मुँह घर की ओर कर लिया था।

संकलन : जिनेन्द्र कुमार जैन (गौरीनगर)

संस्कार खेल

शरीर विकास के कुछ खेल

दिन रात

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

खेल वर्ग- बैठे के खेल

खेल विधि- हथेली के सीधे हिस्से का सफेद तथा उल्टे भाग को रात कहेंगे। पूर्व खेल की तरह सब मंडल में बैठकर अपने हथेलियाँ ऊपर की ओर रखेंगे। शिक्षक बार-बार दिन-रात शब्द बदल बदल बोलेगा। वह अपनी क्रियाओं तथा शब्दों से भ्रम भी उत्पन्न करेगा। गलत करने वाले खेल से बाहर होते रहेंगे।

शेर बन्दूक और मानव

खिलाड़ियों की संख्या- 10-15

खेल वर्ग- बैठे के खेल

खेल विधि- इन तीनों के क्रमशः ये हैं

1. दोनों हथेलियाँ कान के पीछे। 2. दोनों हथेलियाँ बन्दूक की स्थिति में।

3. नमस्कार की मुद्रा में।

कोई एक खिलाड़ी (अ) किसी दूसरे खिलाड़ी (ब) के सामने जाकर कोई चिन्ह बनायेगा। (ब) उसके उत्तर में दूसरा चिन्ह बनायेगा। शेर के लिये बन्दूक के लिये मानव, और मानव के लिये शेर गलती करने वाले बाहर होते रहेंगे।

शैतान पकड़ो

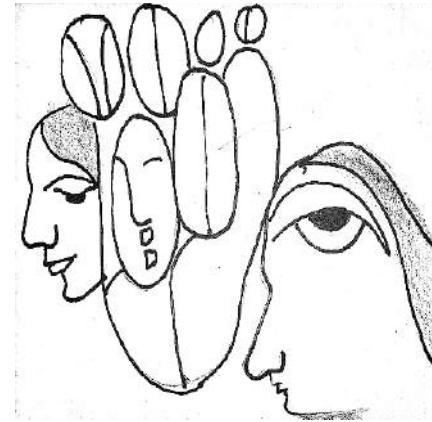
खिलाड़ियों की संख्या- 10-15

खेल वर्ग- बैठे के खेल

खेल विधि- अपनी सब एक ऊँगली धरती पर रखेंगे। पूर्व खेल की तरह उड़ने वाले नाम (कौआ, कबूतर, कोयल आदि पर ऊँगली उठाकर पक्षी उड़ कहना है न उड़ने वाले नामों) साईकिल, बैस आदि पक्ष उड़ कहेगा वह खेल से बाहर हो जायेगा।

संस्कार गीत

छोड़ दे रे मूढ़ता



सोता हुआ है वह सदा जिसके हो मूढ़ता
जागा हुआ वही जो समझे तत्त्व गूढ़ता

1.

चेतन अचेतन तत्त्व दो सर्वज्ञ ने कहे
मिले जुले रहे तदपि भिन्न ही रहे
तन, चेतन नहीं एक है क्यों करता मूर्खता

2.

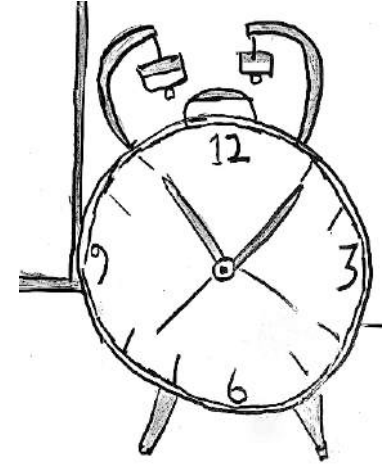
मोह से आवृत रहे तो ज्ञान न खिले
मिथ्यात्व मन में जब रहे तो कर्मन हिले
कर्म नष्ट करने को मन तज दे धूर्तता

3.

काम क्रोध लोभ मद शत्रु अंतरंग है
मन को दूषित नित करे जग के ये प्रपंच है
आत्मा में जाग जा छोड़ दे रे मूढ़ता

बाल कविता

घड़ी



घड़ी समय बतलाती है
समय पाबंदी सिखलाती है
काम समय पर हर दम करना
आलस छोड़ सजग तुम रहना
बीता समय न लौटकर आये
समय गंवाकर सब पछताये
टिक-टिक करती घड़ी सुनाती
पल पल मौत करीब में आती
नहीं मौत से कोई बच पाया
चाहे मिले प्रभु की छाया
घड़ी का जो संकेत समझते
वे नहीं मोह जाल में फंसते
समय के रहते सब कुछ करते
सन्यासी बन मोक्ष को वरते

समाचार

दीक्षाये सम्पन्न

मदनगंज किशनगढ़- गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी के करकमलों से 05 अगस्त 2019 को श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर किशनगढ़ राजस्थान में ब्र. स्वरूपा दीदी को आर्यिका दीक्षा दी गई जिनका नाम आर्यिका ज्ञानज्ञाश्री माताजी रखा गया।

उदयपुर- आचार्य श्री 108 वैराग्यनंदी जी महाराज के करकमलों से श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 11 उदयपुर राजस्थान में ऐलक स्वीकारसागर जी महाराज, ब्र. रोहित भैया औरंगाबाद, क्षुल्लिका शुभमश्री तथा सूरजमल जी केशरिया जी को 15 अगस्त रक्षाबंधन 2019 पर दीक्षाये दी गई जिनका नाम क्रमशः मुनि स्वीकारनंदी, मुनि वत्सनंदी जी, आर्यिका शुभम श्री, क्षुल्लक संवेगनंदी जी रखा गया।

समाधि

जयपुर- गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी के ससंघ सान्निध्य में उनके शिष्या आर्यिका श्री पुण्यमति माताजी का समाधिमरण 24 अगस्त 2019 को कीर्तिनगर जयपुर में हुआ।

लोहारिया राजस्थान- आचार्य श्री अभिनंदन सागर जी के शिष्य मुनि श्री अनुकंपा सागर महाराज का 20 अगस्त 2019 को समाधिमरण श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोहारिया राजस्थान में मुनि श्री आज्ञासागर जी, मुनि श्री विकसंतसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में हुआ।

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2018-2019

(आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, गुरुवार, 26 जुलाई 2018, वी.नि.सं. 2544, विक्रम संवत् 2075, से आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, 15 जुलाई 2019, वी.नि.सं. 2545, विक्रम संवत् 2076, के दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारीयों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
1.	क्षु. श्री प्रभाकर सागर जी	ब्र. प्रभु भईया, इटावा, उ.प्र.	10.02.2019	धर्मस्थल, दक्षिण कन्नड़	आचार्य श्री पुष्पदन्तसागर जी
2.	क्षु. श्री परमात्मसागर जी	ब्र. पूनमल जैन	10.02.2019	धर्मस्थल, दक्षिण कन्नड़	आचार्य श्री पुष्पदन्तसागर जी
3.	मुनि श्री आत्मसागर जी	क्षुल्लक श्री उत्सवसागर जी	17.04.2019	सम्पेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री अनेकांतसागर जी
4.	आर्यिका श्री अतिशयश्री	श्रीमति इन्द्रा जी	13.05.2019	सरवाड़, फागी राज.	गणिनी विज्ञाश्री माताजी
5.	क्षुल्लिका श्री सुयशमती जी	ब्र. शकुन्तला दीदी	09.06.2019	अहमदाबाद	आर्यिका श्री शुभकीर्ति जी
6.	क्षुल्लिका श्री अमरमती जी	श्रीमति सोहिनीदेवी सेठी	30.06.2019	गुरुग्राम, हरियाणा	गणिनी श्री नंगमती माताजी
7.	आर्यिका श्री अमरमती जी	क्षुल्लिका श्री अमरमती जी	01.07.2019	गुरुग्राम, हरियाणा	गणिनी श्री नंदमती माताजी
8.	क्षुल्लिका पुण्यमती माताजी	श्रीमति चन्दनवाला चूड़ीवाल	08.07.2019	मधुवन झारखंड	आचार्य श्री संभवसागर जी
9.	आर्यिका श्री रतनमती जी	श्रीमति सरितोदवी पहाड़िया	11.07.2019	बंगाईगांव, आसाम	आर्यिका श्री गरिमामती जी

समाधिमरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/सान्निध्य
1.	आर्यिका श्री आमर्षमती जी	बिबेकविहार, दिल्ली	22.02.2019	आचार्य ज्ञानसागर जी	आचार्य श्री ज्ञानसागर जी
2.	आर्यिका श्री सुगन्धमती जी	पावागढ़ गुजरात	26.04.2019	आचार्य सन्मत्तिसागरजी	गणिनी श्री शुभमती माताजी
3.	आर्यिका श्री अतिशयश्री माताजी	सरवाड़ फागी राजस्थान	13.05.2019	गणिनी श्री विज्ञाश्री जी	गणिनी श्री विज्ञाश्री माताजी
4.	क्षुल्लिका श्री महती श्री जी	नैनवाँ बूँदी, राजस्थान	11.05.2019	गणिनी श्री यशस्विनी माताजी	गणिनी श्री यशस्विनी माताजी
5.	मुनि श्री वारिषेण महाराज	बड़ागाँव, खेकड़ा (उ.प्र.)	11.06.2019	आचार्य श्री शान्तिसागर जी	
6.	आर्यिका श्री अमरमती जी	गुरुग्राम, हरियाणा	01.07.2019	गणिनी श्री नंगमती जी	गणिनी श्री नंगमती माताजी

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा माह : सितम्बर 2019

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये

- आपत्तियों में भी पथ प्रदर्शित करते हैं ?
- गुरुवचन जिनशासन में माने गये हैं ?
- पथ और पथप्रदर्शन के अभाव में पथिक..... भटक जाते हैं ?
- गुरु के अभाव में गुरु के पदचिन्ह ही हमारे लिये का काम करते हैं ?
- गुरु के द्वारा दिये गये निर्देश दीपक की तरह हमारे पथ को करते हैं ?
- जिसे गुरुओं द्वारा राह मिल जाती है, फिर उसके लिये किसी तरह की..... नहीं होती है ?
- जीवन में गुरुओं से अपने लिये जो कुछ भी मिला है उसे दीपक की भाँति..... रखें एवं प्रकाश में ही जियें ?
- वास्तव में गुरु वही है जो अन्तरंग में छाये हुये को दूर कर प्रकाश प्रदान करते हैं ?
- दृष्टि और चरण दोनों के लड़खड़ाने पर जो देते हैं, वास्तव में ही वे प्राज्ञ हैं, वे ही गुरु हैं ?
- यह बात ठीक है कि आँखें हमारी हैं, दृष्टि हमारी है लेकिन उसका..... कैसे करना है ? यह हमें गुरु ही सिखलाते हैं, यही तो गुरु की महिमा है ?
- सावधानी से चोट देकर पतितों के जीवन की खोटों को निकालने वाले पतितोद्धारक वे..... गुरु ही हैं जो बदले में कुछ भी नहीं चाहते। धन्य है उन गुरुओं की महती अनुकम्पा को ?
- मिट्टी के अन्दर कई तरह की विद्यमान हैं, वह यदि दलदल बन सकती है ?
- कुशल कुंभकार का योग पाकर वह पतित मिट्टी भी पावन बन जाती है ?
- हमारे आशावान नहीं बल्कि आशा पर नियंत्रण रखने वाले होते हैं ?
- गुरु-कृपा के उपरान्त भी आलसी की कभी नहीं हो सकती ?
- शिष्य वही कुशल है जो..... में भी आज्ञा/आदेश को निकाल लेता है ?
- सच्चा शिष्य गुरु आज्ञा मिलने पर की अनुभूति करता है ?
- शिष्य के द्वारा की गई विनय-भक्ति को प्रसन्नता से स्वीकारना ही गुरु के द्वारा किया गया..... का बहुमान है ?
- हमें सबकी बातें तो सुनना है लेकिन सबका नहीं देना ?
- गुरु ने सिखाया है बोलना नहीं ?
- गुरु स्वयं तो पर चलते ही हैं, दूसरों को भी चलाते हैं ?
- चलने वाले की अपेक्षा चलाने वाले का काम कठिन है ?
- यद्यपि बच्चा चलता अपने पैरों से है तथापि माता-पिता की उसे सहायक होती है ?
- इसी तरह शिष्य स्वयं मोक्षमार्ग में प्रवृत्ति करता है परन्तु गुरु की अँगुली, गुरु का संकेत उसे..... बढ़ने में सहायक होता है ?
- भगवान की वाणी को हमारे पास तक पहुँचाने वाले वे गुरु..... ही हैं। उन्हें से गुरु परम्परा प्रारंभ हुई है गुरु पूर्णिमा के रूप में ?

26. जिनवाणी और सच्चे गुरुओं की हमें मिली इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है ?
27. तीर्थ करोति इति तीर्थंकर जो तीर्थ का प्रवर्तक करने वाले होते हैं वे कहलाते हैं ?
28. जिनके माध्यम से सारा का सारा तिर जाता है उसे तीर्थंकर कहते हैं ?
29. जैन शासन में किसी व्यक्ति विशेष की पूजा नहीं है क्योंकि यहाँ पर नाम की नहीं, ... की पूजा होती है ?
30. सपूत का दीपक माना गया है ?
31. सत् सन्तों का लक्षण आगम की आज्ञा पालने में है। पूत का लक्षण पालने में नहीं की आज्ञा पालने (मानने) में है ?
32. महापुरुषों ने अनुभवों के आधार पर जैसा प्रतिपादन किया है हमें वैसा ही अपना बनाना चाहिये ?
33. साधु का रास्ता तो और चिन्तन का रास्ता है ?
34. लक्ष्य बनाओ भार उतारने का और यह तभी हो सकता है जब रखोगे ?
35. तेरा सो एक, जो तेरा है सो वह एक तत्त्व है ?
36. बाहरी चमक-दमक के कारण ही भीतरी का परिचय नहीं हो पा रहा है ? आभा
37. इस चर्या को देखकर ही हम यह अंदाज लगा सकते हैं कि तीर्थंकर आदिनाथ और भगवान महावीर कैसे थे ?
38. दिगम्बरत्व के समान है ?
39. दिगम्बर मुनियों की चर्या ऐसी है जिसका नहीं आंका जा सकता। वह अनमोल है। आज भी दिगम्बर संत उसका पालन कर रहे हैं ?
40. आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी ने तो इस चर्या (मुद्रा) के लिये महान् से महान्तम दी हैं। जैसे कि यही जिनागम है, यही तीर्थ है, यही सर्वस्व है ?
41. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
42. पूरे भारत वर्ष में कुल कितने पिच्छी धारी साधु है ?
43. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित वर्तमान में कुल कितने शिष्य है ?
44. आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
45. आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
46. आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
47. आचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
48. आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
49. आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
50. आचार्य श्री उदार सागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?

10 प्रश्न संस्कार सागर अगस्त 2019, 40 प्रश्न दिव्यवाणी सागर बूंद समाय,
गुरु-गरिमा, शास्ता/शासन से लिये गये हैं।
यह ग्रंथ आप मंगाना चाहते हैं तो सम्पर्क करें- फोन 0731-4003506

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा: सितम्बर 2019

प्रश्न पत्र भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

नाम स्थान

उम्र सदस्यता क्र.

पूर्ण पता

पिन कोड फोन नं. (एस.टी.डी.)

1	2	3	4	5
6	7	8	9	10
11	12	13	14	15
16	17	18	19	20
21	22	23	24	25
26	27	28	29	30
31	32	33	34	35
36	37	38	39	40
41	42	43	44	45
46	47	48	49	50

आपके नगर के संवाददाता का नाम हस्ताक्षर
नियम :- जब तक दूसरा प्रश्न-पत्र भरकर नहीं भेजते तब तक के लिए।

वर्ग पहेली 2 4 5

1	2				4			5
6							7	
8		9		10				
		11				12		
		13			14	15		
16								17
				18	19			20
21				22		23		
24				25		26		

ऊपर से नीचे

1. रावण का एक नाम -4
2. किसी दमन करना, आवेग कम करना -3
3. दशलक्षण धर्म का प्रथम धर्म -2
4. बुंदेलखंड की एक नदी, धसने का भाव -3
5. बराबर तल होना -4
9. दरवाजा, द्वार, गेट -4
10. काम, श्री कृष्ण का एक नाम -3
13. खुदा ईश्वर उर्दू -2
15. भगवान रामचंद्र जी का एक नाम -4
17. स्टेज, आसंदी -2
19. बदबाने का भाव -3
20. परत तह -3
23. हाथ, हस्त -2

बाये से दाये

1. भाद्रपद माह में आने वाला 10 दिन का पर्व -7
5. सूर्य डूबने का समय, संध्या, सांझ -2
7. मूल्य, कीमत, धन, रूपया पैसा -2
8. पति की बहन -3
9. चिंतन, विचार करना -3
12. भोजन सामग्री (उर्दू) -3
13. भवन -3
15. अन्न का दाना -2
16. दोरजरब रौशव शुभ्र -3
19. फैलने सुकडने वाला पदार्थ -3
21. पद, हौदा -3
23. सत्य, यथार्थ -2
26. माह मास -3
27. हरे रंग की एक मणी -4
28. शरीर, कापा, देह -2
30. अभिमान, मद गर्व -2
31. दया, कृपा, करुणा -3

वर्ग पहेली 2 4 4 का हल

1	चं	द्र	2	शे	ख	र	4	आ	5	जा	द	
			6	ख	र		7	वा	ति		8	क
9	ल	10	ता		11	ब	12	नि	ज		13	य
		14	ला	15	भ		खा		16	ध	म	क
17	स	ब	ब			18	र	19	त	न		
	म			20	ते		21	सी	वा		22	सा
23	य	24	म	क		25	म	का	न		बू	
26	सा	ग			27	मा	हिं			28	क	ला
29	र	न			30	या	मा		31	त	र	ल

.....सदस्यता क्र.

पता :

वर्ग पहेली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हरसाहमल सत्येन्द्रकुमार जैन (गोकुल बाजार, रेवाड़ी, हरियाणा) की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार : 10 1 रु. द्वितीय पुरस्कार 5 1 रु., तृतीया पुरस्कार 4 1 रु.) प्रतियोगिता भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता

में रखवाला



नियम
१. आपकी धार से छः पंक्तियों की एक छंदबद्ध या संयुक्त तुकान्त कविता लिखनी है, जिसके अंत में छंदश्लोक हस्त आने चाहिये।
२. समस्या पूर्ति पोस्टकार्ड पर ही लिखकर भेजे।
३. पुरस्कार राशि : प्रथम पुरस्कार १५१ रु., द्वितीय ५१ रु., तृतीय २५ रु.
४. पोस्टकार्ड भेजने की अंतिम तिथि माह की १५ तारीख है।

द्वितीय पुरस्कार प्रदाता




श्रीमति मणि आजाद मोदी

मोदी प्रिंटरर्स

76/बी-1, पालोग्राउंड इण्डस्ट्रीयल एरिया पत्रिका के प्रेस के पीछे इन्दौर
फोन : 0731- 4954171, मो. 98260-16543

तृतीय पुरस्कार प्रदाता



स्व. श्रीमति स्वाती जैन
की तृतीय पुण्यस्मृति में



श्रीमति पलक नीरज जैन
स्वाती इन्टरप्राइजेस (दिल्ली)

जैन विधा संस्कृति प्रश्न मंच

प्रथम पुरस्कार

द्वितीय पुरस्कार

तृतीय पुरस्कार

सान्त्वना पुरस्कार

1 लाख
रुपये

51 हजार
रुपये

31 हजार
रुपये

सभी
प्रतिभागियों
को



प्र
थ
म
पु
र
स्
का
र
प्र
दा
ता

गिन्नी ग्रुप

093032-15856

098270-31356

0731-4041356

रियम इस्टेट डेवलपर्स एण्ड बिल्डर्स
गिन्नी ग्रुप, यु.जी. 7-8 ओनम प्लाजा, इन्दौर (म.प्र.)

email : ginnireality@yahoo.com * ginnigroup@yahoo.com * Website - www.ginnireality.com



गिन्नी ग्रुप - 20/08/2019, चरित्र दिनांक - 03/09/2019